दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

3

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

आज का विचार

मुश्किलें स्थाई नहीं होती समय के साथ हालात बदलते हैं, इसलिए तनाव लेने के बजाय धैर्य रखना बेहतर है।

हम पंजाब को देश का अग्रणी शिक्षा केंद्र बनाएंगे, हमारे बच्चों को कनाडा या ऑस्ट्रेलिया की ओर देखने की जरूरत नहीं रहेगी: मान

यज्ञांश शर्मा

चंडीगढ़

पंजाब के शिक्षा ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव लाने के चार साल बाद भगवंत मान सरकार अब बड़े लक्ष्य पर नजर टिकाए बैठी है। इस लक्ष्य के तहत पंजाब को देश का अग्रणी शिक्षा केंद्र बनाना और इस पुरानी धारणा को बदलना है कि बेहतर शिक्षा सिर्फ विदेशों में ही मिल सकती है।

राष्ट्रीय शिक्षा रैंकिंग में केरल को पछाड़कर पंजाब द्वारा बड़ी छलांग, बोर्ड टॉपरों में लड़कियों के बढ़ते दबदबे और जेईई मेन में सरकारी स्कूलों के 359 विद्यार्थियों की सफलता का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य की 'शिक्षा क्रांति' के जमीनी स्तर पर सार्थक नतीजे सामने आने शुरू हो गए हैं।

आज यहां टैगोर थिएटर में 'सितारे जमीन पर' कार्यक्रम के दौरान 8वीं, 10वीं और 12वीं कक्षा में सभी जिलों से पहले तीन स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान संबोधन करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के सरकारी स्कूल अब पहचान के लिए संघर्ष नहीं कर रहे, बल्कि देश भर में उत्कृष्टता, आत्मविश्वास और अवसरों के नए मानदंड स्थापित कर रहे हैं।

इस कार्यक्रम की कुछ झलकियां 'एक्स' पर साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने लिखा, आज चंडीगढ़ में सितारे जमीन पर कार्यक्रम के दौरान पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की 8वीं, 10वीं और 12वीं कक्षा के होनहार टॉपरों को सम्मानित का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस मौके पर मैंने शिक्षा विभाग को विशेष हिदायतें जारी कीं कि जन्म तिथि के आधार पर रैंक तय करने की बजाय बराबर अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संयुक्त रूप से पहला स्थान दिया जाए। आज आपकी सरकार के सुहृदय प्रयासों से पंजाब के सरकारी स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में केरल को भी पछाड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने पोस्ट के अंत में कहा, विद्यार्थियों के लिए मेरा संदेश साफ और स्पष्ट है कि जीवन में आप चाहे कितने भी सफल हो जाओ, हमेशा जमीन से जुड़े रहो। अपने अध्यापकों और माता-पिता का हमेशा सम्मान करो, क्योंकि एक विजेता को भी मेडल लेने के लिए झुकना पड़ता है। आपके सभी के उज्ज्वल और सफल भविष्य के लिए मेरी दिल से शुभकामनाएं।

पंजाब भर के जिलों के शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित सितारे जमीन पर समागम के दौरान सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य की शिक्षा क्रांति ने सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की इच्छाओं को बदल दिया है और उनके लिए अवसरों के नए रास्ते खोले हैं। विद्यार्थियों को उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मैं उन सभी विद्यार्थियों को बधाई देता हूं जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से अपने माता-पिता, अध्यापकों और समाज का नाम रोशन किया है। अतीत में ऐसे समागम कभी नहीं आयोजित किए गए क्योंकि पिछली सरकारों ने शिक्षा, खासकर सरकारी स्कूलों की ओर कभी ध्यान नहीं दिया। पहले इन स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थी अक्सर परीक्षाओं में मुकाबला करने से हिचकते और असुरक्षित महसूस करते थे, लेकिन आज वे पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं और अपनी योग्यता साबित कर रहे हैं।

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए पंजाब सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, हमारे अध्यापकों को विशेष प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजा जा रहा है जहां वे आधुनिक शिक्षण प्रणालियां सीखते हैं। वापस आने के बाद वे इस ज्ञान को विद्यार्थियों और साथी अध्यापकों के साथ साझा करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि शिक्षा का विश्व स्तरीय मानक पंजाब के कोने-कोने के क्लासरूम तक पहुंचे। यह नवीनतम पहल शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित कर रही है और गुणात्मक बदलाव ला रही है जिसका सीधा फायदा विद्यार्थियों को हो रहा है। ये अध्यापक बदलाव के दूत के रूप में काम कर रहे हैं और पंजाब में शिक्षा क्रांति को मजबूत कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, यह पहल अध्यापकों की निपुणता को निखारती है और उन्हें आधुनिक विधियों से लैस करती है ताकि विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए तैयार किया जा सके। नतीजे आज दिखाई दे रहे हैं क्योंकि पंजाब के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और अपने परिवारों का नाम रोशन कर रहे हैं। मौजूदा युग हुनर का है, हमारी सरकार युवाओं को हुनर प्रशिक्षण प्रदान करने पर विशेष जोर दे रही है। सभा को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा, जब मैंने पद संभाला था तो पंजाब में लगभग चार लाख बच्चे फर्श पर बैठकर पढ़ रहे थे। आज पंजाब सरकार के प्रयासों से एक भी बच्चा फर्श पर बैठकर पढ़ने के लिए मजबूर नहीं है। पंजाब अब शिक्षा क्षेत्र से संबंधित लगभग हर राष्ट्रीय रिपोर्ट में शीर्ष स्थान हासिल कर रहा है।

मोदी ने भारतीय एथलीटों, सांस्कृतिक धरोहर और पर्यावरण संरक्षण की सराहना की

प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में देशवासियों से की मन की बात

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में खेल क्षेत्र में युवाओं के शानदार प्रदर्शन, प्राचीन सांस्कृतिक संपदा की वापसी, ग्रीष्मकालीन आम की विविधता, पारंपरिक देसी पेय पदार्थों, युवाओं में खगोल विज्ञान के प्रति बढ़ते उत्साह, सैनिक कल्याण में नागरिकों के योगदान, नदियों की सफाई और वन्यजीव संरक्षण जैसे अनेक प्रेरक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने इन मुद्दों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण, सांस्कृतिक गौरव और सामूहिक प्रयासों की भावना को भी सराहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 134वें एपिसोड की शुरूआत खेल उपलब्धियों से की। प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड की राजधानी रांची में हाल ही में आयोजित नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस प्रतियोगिता में देशभर से करीब 800 एथलीटों ने भाग लिया और चार अलग-अलग स्पधाओं में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किए। प्रधानमंत्री ने गुरिंदरवीर सिंह, विशाल टीके, तेजस्विन शंकर, देव मीणा और कुलदीप कुमार जैसे खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की विशेष सराहना की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 100 मीटर दौड़ की स्पर्धा में महज दो दिनों के भीतर पुरुष वर्ग में यह राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन बार टूटा, जो एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर ने यह रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने कहा कि पूरे देश में इस प्रदर्शन की चर्चा हो रही है और ऐसी सफलताएं न केवल खिलाड़ियों को बल्कि आने वाली पीढ़ी को भी खेल के प्रति प्रेरित कर रही हैं। उनकी मेहनत और समर्पण भारत के खेल भविष्य को उज्ज्वल बना रहा है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने दोनों एथलीटों से बातचीत भी की। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में अपनी हालिया यूरोपीय यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि नीदरलैंड्स में एक विशेष समारोह में चोल काल की प्राचीन ताम्र पट्टिकाएं भारत को वापस लौटाई गईं। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में नीदरलैंड्स के प्रधानमंत्री भी मौजूद थे। इनमें 21 बड़ी और तीन छोटी ताम्र पट्टिकाएं शामिल हैं, जो मुख्य रूप से राजा राजेंद्र चोल प्रथम द्वारा अपने पिता राजराजा चोल के एक वचन को पूरा करने से संबंधित हैं। इन पट्टिकाओं में आनइमंगलम गांव को बौद्ध विहार को दिए गए दान का उल्लेख है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन ताम्र पट्टिकाओं से चोल वंश की विशाल समुद्री शक्ति, दक्षिण-पूर्व एशिया के विभिन्न देशों के साथ उनके मजबूत व्यापारिक एवं सांस्कृतिक संबंध तथा साम्राज्य की समृद्ध विरासत की जानकारी मिलती है। इस घटना से देशभर में गर्व की लहर दौड़ गई है और खासकर तमिल समुदाय में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। देश-विदेश से लगातार संदेश आ रहे हैं, जो भारत की सांस्कृतिक धरोहर के प्रति लोगों की गहरी लगाव को दशार्ते हैं।

प्रधानमंत्री ने आम को हर भारतीय घर की पहचान बताते हुए विभिन्न राज्यों की प्रसिद्ध आम किस्मों का विस्तृत जिक्र किया। उन्होंने महाराष्ट्र और कोंकण के हापुस व अलफांसो, गुजरात के केसर, उत्तर प्रदेश के दशहरी और काशी के लंगड़ा, बिहार के जदार्लू, चौसा और मालदा, दक्षिण भारत के बंगनपल्ली, तोतापुरी, नीलम, मलगोवा, बंगाल के हिमसागर तथा ओडिशा-आंध्र प्रदेश के सुवर्णरेखा का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि जगह-जगह आम का स्वाद, रंग और खुशबू बदल जाती है, लेकिन यह हमेशा गर्मियों की खुशियां लेकर आता है। आम उत्पादक किसान भाई-बहनें न केवल देश की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रहे हैं बल्कि वैश्विक बाजार तक भारतीय आम की पहुंच बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को प्रोत्साहित किया कि वे इसी उत्साह के साथ आगे बढ़ें। प्रधानमंत्री कहा कि आजकल बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक एस्ट्रोनॉमी क्लब सक्रिय हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने बेंगलुरु एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में खगोल विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के प्रयासों और खगोल मण्डल टीम द्वारा शुरू किए गए 30 घंटे के इनोवेटिव कोर्स की सराहना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु की शिक्षिका गिरिजा अम्मा जी की देशभक्ति की मिसाल देते हुए कहा कि वह 15 स्कूल चलाती हैं। मन की बात से प्रेरित होकर उन्होंने अपने छात्रों को प्रोत्साहित किया और हर छात्र से प्रतिदिन एक रुपये का योगदान लेकर सैनिक कल्याण के लिए करीब 40 लाख रुपये जुटाए। गिरिजा अम्मा जी ने इस राशि का चेक उन्हें सौंपा। प्रधानमंत्री मोदी ने गिरिजा अम्मा जी और उनके छात्रों की इस पहल की खूब सराहना की। प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के युवा आकाश गुप्ता की प्रेरक कहानी बताते हुए कहा कि आकाश ने अपने गांव की मनोरमा नदी को प्लास्टिक और कचरे से मुक्त करने का अभियान शुरू किया।

देश के 27वें नौसेना प्रमुख एडमिरल स्वामीनाथन ने कार्यभार संभाला

ऑपरेशनल तैयारी और लड़ाई में असरदार होने का सबसे ऊंचा स्तर बनाने का आान

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

देश के 27वें नौसेना प्रमुख के तौर पर एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने रविवार को कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने कहा कि वे अपनी जिन्दगी का हर दिन नौसेना को बेहतर, मजबूत, तेज और ज्यादा असरदार बनाने में लगाएंगे, ताकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रीय विकास के हितों की सेवा कर सके। उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी कि भारतीय नौसेना ऑपरेशनल तैयारी और लड़ाई में असरदार होने का सबसे ऊंचा लेवल बनाए रखे, ताकि वह देश की सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा कर सके।

उन्होंने नेशनल वॉर मेमोरियल पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन्स में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कहा कि 'भारतीय नौसेना संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, जिस पर मेरा मुख्य फोकस होगा। भारतीय नौसेना को दुनिया में सबसे बेहतरीन प्रोफेशनल माना जाता है इसलिए सभी कर्मचारियों की भलाई, व्यावसायिक प्रदर्शन और व्यक्तिगत विकास मेरे लिए सबसे ज्यादा महत्व रखेंगे।' उन्होंने निवर्तमान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश के लिए उनकी बहुत सराहनीय और शानदार सर्विस रही है और वे बहुत ही प्रभावी सीएनएस रहे हैं। उन्होंने अपने नेतृत्व में हर मोड़ पर नौसेना को अपने गाइडेंस और विजन का फायदा दिया है।

एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने भावुक होकर कहा कि 'मैं आज 27वें चीफ ऑफ नेवल स्टाफ के तौर पर बहुत विनम्रता, जिम्मेदारी, गर्व और आभार के साथ कमान संभाल रहा हूं। मैं नौसेना और देश की सेवा करने का यह मौका पाकर बहुत आभारी हूं। भारतीय नौसेना देश के हितों की रक्षा के लिए सतर्क रहती है और एक ऐसे क्षेत्रीय सुरक्षा माहौल में बहुत सक्रिय रूप से तैनात है, जो अभी भी चुनौतीपूर्ण, जटिल, अप्रत्याशित और अनिश्चित बना हुआ है। भारतीय नौसेना अपनी क्षमता बढ़ाने और स्वदेशीकरण के रास्ते पर अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। मेरी कोशिश होगी कि नौसेना की ग्रोथ की रफ्तार को बनाए रखा जाए और उभरती हुई तकनीक को शामिल करके हमारी ऑपरेशनल क्षमताओं को बेहतर बनाया जाए।'

सेवानिवृत्त हुए चीफ ऑफ द नेवल स्टाफ एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने इस मौके पर कहा कि 'पिछले कुछ सालों में जब भी देश ने पुकारा तो नौसेना ने उसे पूरा किया। हमने इसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा, जो अभी भी जारी है और हम इसे अब पश्चिमी एशिया में उथल-पुथल के बीच ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा के दौरान देख रहे हैं।

समाचार और विचार में स्पष्ट अंतर जरूरी: उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

एजेंसी (हि.स.)

कोट्टायम (केरल)

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने केरल में दीपिका मलयालम दैनिक के स्थापना दिवस कार्यक्रम में पत्रकारिता में समाचार और विचार के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखने की आवश्यकता को बताते हुए कहा कि संपादकीय विचार व्यक्त करने का स्थान है, जबकि समाचारों को तथ्यपरक और निष्पक्ष रहना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने रविवार को केरल के कोट्टायम में दीपिका मलयालम दैनिक के 140वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और इस अवसर पर दीपिका एक्सीलेंस अवॉर्ड्स प्रदान किए। उपराष्ट्रपति ने दीपिका के 140 वर्षों के सफर को समर्पण, साहस, विश्वसनीयता और जनसेवा की उल्लेखनीय विरासत बताया। उन्होंने कहा कि 19वीं सदी में सीमित संसाधनों के बावजूद एक समाचार पत्र की शुरूआत अत्यंत चुनौतीपूर्ण और साहसिक कार्य था। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का धर्म है अच्छे कार्यों की सराहना करना और गलत कार्यों की निष्पक्ष आलोचना करना। रचनात्मक पत्रकारिता समाज को प्रेरित करती है और राष्ट्र निर्माण को मजबूती प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि समाचार पत्रों की जिम्मेदारी केवल घटनाओं की रिपोर्टिंग तक सीमित नहीं है बल्कि उन्हें उम्मीद, नवाचार, करुणा और वैज्ञानिक प्रगति से जुड़ी सकारात्मक कहानियों को भी सामने लाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज के डिजिटल युग में फेक न्यूज, व्यावसायिक दबाव और त्वरित सूचना प्रवाह जैसी चुनौतियां बढ़ी हैं, जिससे मीडिया की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है। दीपिका आने वाले समय में भी पत्रकारिता के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए नई पीढ़ी के पत्रकारों को प्रेरित करता रहेगा। इस अवसर पर केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री वीडी सतीसन, विधानसभा अध्यक्ष सहित कई लोग उपस्थित रहे।

खेती बचाओ अभियान बनेगा जनआंदोलन, आज से राष्ट्रीय शुरूआत: शिवराज चौहान

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ह्यखेती बचाओ अभियानह्न केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि मातृभूमि और कृषि भूमि की रक्षा के लिए एक राष्ट्रीय जनआंदोलन बनेगा। यह अभियान 01 जून से मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के रामसिया गांव से शुरू होगा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अनुसार, अभियान की पूर्व तैयारी के तहत रविवार को शिवराज सिंह चौहान ने देशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विभागों के अधिकारियों के साथ वर्चुअल संवाद किया। इस दौरान उन्होंने अभियान को जनभागीदारी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह कार्यक्रम परंपरागत गतिविधि नहीं है, बल्कि कृषि भूमि की रक्षा और भविष्य की पीढ़ियों के अधिकार सुरक्षित करने का राष्ट्रीय संकल्प है। बढ़ता तापमान, असंतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य में गिरावट और जलवायु संकट कृषि के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। उन्होंने

कहा कि अभियान के तहत संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा परीक्षण, सॉयल हेल्थ कार्ड, प्राकृतिक खेती, फसल चयन, जल संरक्षण, हरी खाद और कम वर्षा की स्थिति में वैकल्पिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही नकली खाद, बीज और कीटनाशकों की पहचान पर भी विशेष फोकस रहेगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसानों में विश्वास केवल सलाह से नहीं बल्कि खेतों में जाकर वैज्ञानिक प्रमाण और प्रदर्शन के माध्यम से बढ़ाया जा सकता है। अभियान के लिए 30 जून तक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए, जिसमें गांव स्तर तक कार्यक्रमों की स्पष्ट रूपरेखा हो। उन्होंने कहा कि उन्होंने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फोन पर बातचीत कर इस अभियान में सहभागिता का आग्रह किया है। साथ ही, केंद्रीय मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों से भी इसमें जुड़ने की अपील की गई है।

नशामुक्त प्रदेश की दिशा में योगी सरकार का बड़ा अभियान, युवाओं को जागरूक बनाने पर जोर

एजेंसी (हि.स.)

लखनऊ

- 1352 प्रतियोगिताओं में शामिल हुए हजारों छात्र-छात्राएं
- प्रदेशभर में 1767 संगोष्ठियां, 356 प्रदर्शनियों का आयोजन

उत्तर प्रदेश में नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे प्रयासों को लगातार गति मिल रही है। योगी सरकार ने नशे के दुष्प्रभावों को रोकने के लिए जागरूकता को सबसे प्रभावी हथियार बनाते हुए व्यापक अभियान संचालित किया है। मद्यनिषेध विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 के दौरान प्रदेश भर में युवाओं, छात्रों और आम नागरिकों के बीच नशा विरोधी कार्यक्रमों का व्यापक आयोजन किया गया, जिससे लाखों लोगों तक सकारात्मक संदेश पहुंचा।

योगी सरकार की प्राथमिकता केवल नशे की रोकथाम तक सीमित नहीं है, बल्कि नई पीढ़ी को इसके दुष्प्रभावों से अवगत कराकर उन्हें स्वस्थ और जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में भी लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से प्रदेश के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में निबंध, भाषण, पोस्टर, सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

मद्यनिषेध विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में कुल 1352 प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। इनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 5404 छात्र-छात्राओं को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। क्योंकि युवाओं को सही दिशा में प्रेरित कर नशे के खिलाफ मजबूत सामाजिक

वातावरण तैयार किया जा सकता है। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी विशेष अभियान चलाए गए, जहां खेलकूद प्रतियोगिताओं और जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। इन कार्यक्रमों को स्थानीय स्तर पर भी सराहना मिली।

योगी सरकार के निर्देश पर मद्यनिषेध विभाग ने राज्य स्तर से लेकर जनपद स्तर तक व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। वर्ष भर में 40 राज्य स्तरीय और 1727 जनपद स्तरीय संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। इनमें शिक्षकों, कर्मचारियों, सामाजिक कार्यकताओं, धमार्चार्यों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लेकर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। इसके साथ ही प्रदेशभर में 356 प्रदर्शनियों की स्थापना कर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों और उसके सामाजिक नुकसान के बारे में जानकारी दी गई। मेलों, त्योहारों, धार्मिक आयोजनों और राष्ट्रीय पर्वों पर विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों तक संदेश पहुंचाया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से जागरूकता को मिली नई ताकत यूपी के जनसामान्य तक सरल और प्रभावी तरीके से संदेश पहुंचाने के लिए विभाग ने 829 सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराए। नुक्कड़ नाटक, कठपुतली शो, जादू, गीत, कव्वाली और अन्य सांस्कृतिक माध्यमों के जरिए लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से जनगणना कार्य में बढ़-चढ़ कर भाग लेने का किया आग्रह

सीएम सुक्खू ने कहा, एक जून से खुलेगा 'स्वगणना' पोर्टल, घर बैठे ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे अपनी जानकारी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में विकासपरक योजनाओं को नई दिशा देने और सटीक आंकड़े जुटाने के लिए राज्य सरकार ने आगामी जनगणना की तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने रविवार को एक आधिकारिक वक्तव्य जारी करते हुए प्रदेशवासियों से इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया है। निदेशालय जनगणना द्वारा इस बार आम जनता की सुविधा के लिए पहली बार 'स्वगणना' का एक विशेष डिजिटल विकल्प प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि वे इस आधुनिक तकनीक का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और राज्य के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने बताया कि डिजिटल इंडिया की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए इस बार आम

दो चरणों में पूरी होगी जनगणना की प्रक्रिया मोबाइल ऐप से डेटा जुटाएंगे प्रगणक

नागरिकों को खुद अपनी जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने की सुविधा दी जा रही है। प्रदेश का कोई भी नागरिक 1 जून से 15 जून, 2026 तक भारत सरकार के आधिकारिक स्वगणना पोर्टल पर जाकर अपने और अपने परिवार से संबंधित विवरण सुरक्षित रूप से दर्ज करवा सकता है। मुख्यमंत्री ने इस पोर्टल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, जनगणना हमारे जीवंत लोकतंत्र और नियोजित विकास की रीढ़ है। यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि एक ऐसा महत्वपूर्ण माध्यम है जिसके द्वारा सरकार को राज्य की वास्तविक जनसंख्या, परिवारों की आर्थिक-

सामाजिक स्थिति, आवास की गुणवत्ता, प्राकृतिक व मानव निर्मित संसाधनों और नागरिकों को मिल रही मूलभूत सुविधाओं (जैसे पानी, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा) का सटीक डेटा प्राप्त होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो लोग इस 15 दिवसीय अवधि में स्वयं ऑनलाइन डेटा दर्ज नहीं कर पाएंगे, उनके घर बाद में सरकारी प्रतिनिधि पहुंचकर डेटा जुटाएंगे। दो चरणों में पूरी होगी जनगणना की प्रक्रिया, मोबाइल ऐप से डेटा जुटाएंगे प्रगणकहिमाचल प्रदेश की भौगोलिक विषमताओं और कठिन पर्वतीय क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए इस पूरी जनगणना प्रक्रिया को दो अलग-अलग चरणों में विभाजित किया गया है। इस एक महीने की अवधि के दौरान पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर मकान सूचीकरण और मकान गणना का कार्य किया जाएगा।

इसमें राज्य के सभी आवासीय, व्यावसायिक और आंशिक रूप से उपयोग में आने वाले मकानों को सूचीबद्ध कर उन्हें एक विशिष्ट नंबर अलॉट किया जाएगा। इस चरण में वास्तविक रूप से व्यक्तियों की गिनती की जाएगी और उनसे जुड़े सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक आंकड़े एकत्र किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने और कागजी कार्रवाई को न्यूनतम करने के लिए इस बार की जनगणना पूरी तरह से 'डिजिटल मोड' में आयोजित हो रही है। इस कार्य के लिए तैनात किए गए प्रगणक और पर्यवेक्षक किसी तरह के भारी-भरकम कागजी फॉर्म लेकर नहीं चलेंगे, बल्कि वे भारत सरकार द्वारा तैयार किए गए एक विशेष मोबाइल एप्लीकेशन का उपयोग करेंगे। इस ऐप के माध्यम से मकानों और परिवारों की जानकारी सीधे सेंट्रल सर्वर पर रियल-टाइम में अपडेट की जाएगी, जिससे डेटा में त्रुटियों की संभावना न के बराबर होगी और प्रक्रिया बेहद पारदर्शी बनेगी। बर्फबारी वाले जनजातीय क्षेत्रों और मैदानी इलाकों के लिए अलग-अलग समय सारणी तयहिमाचल प्रदेश के ऊंचे पर्वतीय और जनजातीय क्षेत्र सर्दियों के मौसम में भारी बर्फबारी के कारण देश-दुनिया से कट जाते हैं। ऐसे भौगोलिक संकटों को देखते हुए राज्य सरकार और जनगणना निदेशालय ने तकशीतकाल की शुरूआत से ठीक पहले सितंबर में ही जनजातीय क्षेत्रों का कार्य निपटा लिया जाएगा ताकि कड़ाके की ठंड और रास्तों के बंद होने से काम प्रभावित न हो।

हिमाचल प्रदेश के चंबा में खाई में गिरी छत्तीसगढ़ के पर्यटकों की गाड़ी, आठ की मौत की आशंका

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में हुए सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के सात पर्यटकों समेत आठ लोगों की मौत की आशंका है। हादसा चुराह उपमंडल में बैरागढ़-साच पास-किलाड़ सड़क पर 29 मई की आधी रात हुआ, जब पर्यटकों को लेकर जा रही एक एर्टिगा कार गहरी खाई में गिर गई।

दुर्घटना के बाद से सभी लोग लापता हैं और इनके बचने की उम्मीद न के बराबर है। पुलिस और प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे खोज अभियान के बीच यह स्पष्ट हो गया है कि वाहन में सवार किसी के भी बचने की संभावना नहीं है। पुलिस के अनुसार, छत्तीसगढ़ के दो परिवारों के सात सदस्य पर्यटन के लिए हिमाचल प्रदेश आए थे। वे चंबा जिला के पर्यटन स्थल डलहौजी में एक होटल में ठहरे हुए थे और 29 मई को साइट सीन के लिए साच पास की ओर निकले। पर्यटकों को वापस उसी होटल में लौटना था, जहां उनकी बुकिंग थी। जब वे देर रात तक वापस नहीं पहुंचे और उनसे संपर्क भी नहीं हो सका तो होटल प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश शुरू की। तलाशी अभियान के दौरान पता चला कि पर्यटकों को लेकर जा रही एर्टिगा कार (एचपी-01सी-2133) बैरागढ़-साच पास-किलाड़ सड़क पर गहरी खाई में गिर गई। वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसके परखच्चे उड़ गए। हादसे का स्थान बेहद दुर्गम क्षेत्र में स्थित है, जिसके कारण पुलिस और बचाव दलों को मौके तक पहुंचने में काफी समय लग रहा है। कार में छत्तीसगढ़ निवासी अरविंद, उनकी पत्नी प्राची, उनके दो बेटे दर्श और अपशद, पी. जी. कार्तिगेहयन, उनकी पत्नी मणिमाला, उनका बेटा नंदन और वाहन चालक विश्वास सवार थे। विश्वास चंबा जिले के डलहौजी क्षेत्र का रहने वाले हैं। पुलिस अधीक्षक चंबा विजय सकलानी ने रविवार को बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दलों को मौके पर भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि दुर्घटनास्थल अत्यंत दुर्गम क्षेत्र में है और वहां तक पहुंचने में काफी समय लग रहा है। सकलानी ने बताया कि वह स्वयं भी घटनास्थल की ओर रवाना हुए हैं। उन्होंने कहा कि वाहन गहरी खाई में गिरा है और पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। पुलिस और बचाव दल राहत एवं खोज अभियान में जुटे हुए हैं। गौरतलब है कि चंबा जिले में इसी महीने पर्यटकों से जुड़ा यह दूसरा बड़ा सड़क हादसा है। इससे पहले 10 मई की रात्रि जिले के भटियात उपमंडल में रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में गुजरात के छह पर्यटकों की मौत हो गई थी, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसा ककीरा-लाहड़ू मार्ग पर उस समय हुआ था, जब पर्यटकों से भरी एक इनोवा गाड़ी बारिश के बीच अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी थी।

हिमाचल में एक हफ्ते तक खराब रहेगा मौसम, 3-4 जून को आंधी-बारिश का अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में मौसम का मिजाज अगले एक सप्ताह तक बदला हुआ रहने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अधिकांश हिस्सों में 6 जून तक रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी रह सकता है। विशेष रूप से 3 और 4 जून को कई जिलों में आंधी, गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए चेतावनी जारी की गई है।

लगातार बादल छाए रहने और बारिश होने से प्रदेश में भीषण गर्मी का असर काफी कम हो गया है। निचले और मैदानी क्षेत्रों में लोगों को गर्मी से राहत मिली है, जबकि पहाड़ी और ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम ठंडा हो गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 50 मिलीमीटर वर्षा बिलासपुर जिले के नैना देवी में हुई। इसके अलावा शिमला जिले के सराहन में 28.5 मिलीमीटर, पांवटा साहिब में 20.4 मिलीमीटर, अन्य कई क्षेत्रों में भी हल्की से मध्यम बारिश हुई। इस दौरान शिमला, जुब्बड़हट्टी, सुंदरनगर, कांगड़ा, मुरारी देवी और जोत क्षेत्र में गरज-चमक और बिजली कड़कने की घटनाएं दर्ज की गईं, हालांकि कहीं से भी किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है। रविवार को भी शिमला सहित प्रदेश के कई हिस्सों में रुक-रुक कर बारिश होती रही। कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हुई, राज्य की पर्वत श्रृंखलाओं पर हल्का हिमपात भी दर्ज किया गया।

नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत अंडर-19 लड़कों के क्रिकेट मैच का किया आयोजन

जम्मू। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत युवाओं को सकारात्मक और रचनात्मक गतिविधियों में शामिल करने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए जम्मू की अरनिया पुलिस ने अरनिया के खेल मैदान में अंडर-19 लड़कों के क्रिकेट मैच का आयोजन किया। इस आयोजन में स्थानीय युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूरे मैच के दौरान उल्लेखनीय खेल भावना और टीम भावना का प्रदर्शन किया। इस पहल का उद्देश्य युवाओं में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना और उन्हें खेलों में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना था ताकि वे नशे और अन्य असामाजिक बुराइयों से दूर रह सकें। इस अवसर पर अरनिया पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने प्रतिभागियों से बातचीत की और एक उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में खेल, अनुशासन और रचनात्मक भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया और उन्हें नशे की समस्या के प्रति सतर्क रहने के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रतिभागियों से यह भी आग्रह किया गया कि वे मादक पदार्थों के तस्करों और उपभोक्ताओं के बारे में जानकारी साझा करके मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में पुलिस का सक्रिय रूप से समर्थन करें।

प्रदेश की तीन नगर निगमों में जीत कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनादेश : बिंदल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने दावा किया है कि नगर निगम, नगर निकाय और पंचायत चुनावों के नतीजों ने प्रदेश में कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनमत को स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि चार नगर निगमों में से तीन में भाजपा की जीत इस बात का संकेत है कि राज्य की राजनीतिक तस्वीर बदल रही है और जनता कांग्रेस सरकार की नीतियों से असंतुष्ट है।

रविवार को शिमला में पत्रकारों से बातचीत में बिंदल ने कहा कि हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को व्यापक जनसमर्थन मिला है। उन्होंने दावा किया कि 25 नगर परिषदों में से 18 और 22 नगर पंचायतों में से 12 में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने बढ़त हासिल की। उनके अनुसार कांग्रेस ने कई स्थानों पर अधिकृत उम्मीदवार तक घोषित नहीं किए थे, ऐसे में कांग्रेस की जीत के दावों का कोई आधार नहीं है। नगर निगम चुनावों का हवाला देते हुए बिंदल ने कहा कि भाजपा ने मंडी, धर्मशाला और सोलन नगर निगमों में स्पष्ट बढ़त हासिल की है। उनके मुताबिक मंडी नगर निगम की 14 में से 12 सीटों, धर्मशाला की 17 सीटों में से 11 सीटों और सोलन की 17 में से 10 सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। उन्होंने कहा कि पालमपुर में कांग्रेस को बढ़त मिली है, लेकिन वहां भी भाजपा का प्रदर्शन पिछले चुनावों की तुलना में बेहतर रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चार में से तीन नगर निगमों में मिली सफलता प्रदेश की राजनीति में बदलाव के संकेत दे रही है। उन्होंने इसे वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों की दिशा तय करने वाला जनादेश बताया। बिंदल ने कांग्रेस सरकार पर नगर निकायों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव संबंधी नियमों में बदलाव कर राजनीतिक लाभ लेने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा इस मुद्दे को न्यायालय और जनता दोनों के बीच उठाएगी। पंचायत चुनावों का उल्लेख करते हुए उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की 3,759 पंचायतों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने बड़ी संख्या में जीत दर्ज की है।

संक्षिप्त-समाचार

पुरमंडल वार्ड-5 में पेयजल संकट से लोगों में रोष

जम्मू। पुरमंडल के वार्ड नंबर-5 में पेयजल संकट गंभीर रूप से गहराता जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। एससी मोहल्ला के निवासियों ने पीने के पानी की समस्या को लेकर विरोध जताते हुए जल शक्ति विभाग पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें मजबूरी में दूषित और कीड़ेयुक्त पानी पीना पड़ रहा है जिससे स्वास्थ्य पर खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार गर्मी बढ़ने के कारण विभाग द्वारा बनाए गए डगवेल (कुएं) में जलस्तर काफी नीचे चला गया है जिससे पानी में गाद और गंदगी जमा हो गई है। इसके बावजूद उन्हें यही पानी उपयोग करने को मजबूर होना पड़ रहा है। इससे बच्चों और बुजुर्गों में बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है तथा कई लोग पहले ही स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। निवासियों ने बताया कि कई बार जल शक्ति विभाग के अधिकारियों को समस्या से अवगत कराने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। मजबूरी में लोगों को निजी टैंकरों से पानी मंगवाना पड़ रहा है जिस पर लगभग 1500 रुपये तक का खर्च आ रहा है जो गरीब परिवारों पर अतिरिक्त बोझ बन गया है। लोगों ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और उपायुक्त सांबा आयुषी सुदान से तत्काल हस्तक्षेप कर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की है।

कॉमरेड तारकेश्वर चक्रवर्ती की 101वीं जयंती मनाई गई

जम्मू। जम्मू प्रोविंस बैंक एम्प्लॉइज फेडरेशन द्वारा पूर्व महासचिव एवं ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन के वरिष्ठ नेता कॉमरेड तारकेश्वर चक्रवर्ती की 101वीं जयंती के अवसर पर एक सामाजिक पहचान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रूप नगर स्थित दृष्टिबाधित बालक आवासीय विद्यालय,फायर ब्रिगेड के निकट जम्मू में बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान विद्यालय के बच्चों के लिए मिक्सर ग्राइंडर, भोजन, जलपान एवं दैनिक उपयोग की सामग्री भेंट की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कामरेड तारा सिंह ने की। इस अवसर पर कामरेड अरूण गुप्ता ने कहा कि संगठन द्वारा सामाजिक दायित्व के तहत इस प्रकार के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी बालगृह चन्नी रामा, मस्कान होम, बालिका निकेतन एवं वेद मंदिर अम्फाला सहित कई संस्थानों में ऐसे कार्यक्रम किए जा चुके हैं। कार्यक्रम में अनिरूद्ध भानू खजूरिया सहित संगठन के अनेक पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। अंत में कामरेड अवतार सिंह द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। विद्यालय प्रशासन ने जेपीबीईएफ नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास समाज के अन्य संगठनों के लिए प्रेरणास्रोत हैं और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता है।

रोहड़ू में बीडीसी सदस्यों के चुनाव परिणाम घोषित

शिमला। शिमला जिले के रोहड़ू विकास खंड में पंचायत समिति (बीडीसी) के सभी 15 वार्डों के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। रविवार को हुई मतगणना शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इसके बाद विजयी उम्मीदवारों की घोषणा की गई। रिटर्निंग अधिकारी एवं उपमंडलाधिकारी (नागरिक) रोहड़ू धर्मेश रामौत्रा ने बताया कि पूरी मतगणना प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाई गई। घोषित परिणामों के अनुसार, वार्ड नंबर-1 दलगांव से गीता, वार्ड नंबर-2 पुजारली नंबर-3 से अनीता कुमारी, वार्ड नंबर-3 लोअर कोटी से रीतू कुमारी और वार्ड नंबर-4 शील से सुरेश सिंह विजयी रहे। वहीं वार्ड नंबर-5 कुई से कुशल कुमार, वार्ड नंबर-6 भलाडा से रामलाल झींगटा, वार्ड नंबर-7 टिक्कर से अमन तथा वार्ड नंबर-8 सीमा रणटाड़ी से अशोक कुमार ने जीत दर्ज की। इसी तरह वार्ड नंबर-9 करासा से देशराज, वार्ड नंबर-10 अढ़ाल से प्रभा, वार्ड नंबर-11 ब्रासली से रजा ठाकुर और वार्ड नंबर-12 धराड़ा से अंजू देवी विजयी घोषित की गईं। वार्ड नंबर-13 भलूण से स्वीटी कैथ, वार्ड नंबर-14 कटलाह से कुसुम लता और वार्ड नंबर-15 पुजारली नंबर-4 से ज्ञानपति ने अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराकर पंचायत समिति सदस्य का चुनाव जीता। चुनाव परिणामों में कई वार्डों में उम्मीदवारों ने बड़े अंतर से जीत हासिल की, जबकि कुछ सीटों पर मुकाबला कड़ा रहा। वार्ड नंबर-10 अढ़ाल में प्रभा ने केवल 32 मतों के अंतर से जीत दर्ज की, जबकि वार्ड नंबर-6 भलाडा में रामलाल झींगटा महज 17 मतों के अंतर से विजयी रहे। दूसरी ओर भलूण वार्ड से स्वीटी कैथ ने 735 मतों के अंतर से जीत हासिल कर सबसे बड़ी जीतों में अपना नाम दर्ज कराया।

एनएसयूआई ने नीट और सीबीएसई ओएसएम घोटाले के खिलाफ किया प्रदर्शन

जम्मू। राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने प्रदेश अध्यक्ष अजय लखोत्रा के नेतृत्व में कटड़ा में एक महत्वपूर्ण छात्र सम्मेलन आयोजित कर कथित नीट और सीबीएसई ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) घोटालों के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। सम्मेलन में छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई। सभा को संबोधित करते हुए अजय लखोत्रा ने कहा कि नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक, अनियमितताओं, ग्रेस मार्क्स और परिणामों में गड़बड़ियों ने लाखों मेधावी छात्रों के सपनों को प्रभावित किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में से एक की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली को लेकर भी छात्रों और अभिभावकों ने मूल्यांकन में पारदर्शिता की कमी, तकनीकी खामियों और अंकन में असंगतियों की शिकायतें उठाई हैं। लखोत्रा ने कहा कि ये मामले केवल प्रशासनिक त्रुटियां नहीं बल्कि देश के युवाओं के विश्वास से जुड़ा गंभीर विषय हैं। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की तथा पूरे मामले की उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

तंबाकू और निकोटिन की लत के खिलाफ जनआंदोलन खड़ा करना जरूरी : राज्यपाल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने लोगों, खासकर युवाओं से तंबाकू और निकोटिन उत्पादों से दूर रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सभी लोगों को मिलकर प्रयास करने होंगे।

अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम ह्लआकर्षण का पर्दाफाश झ्र निकोटिन एवं तंबाकू की लत का मुकाबलाह्व यह बताती है कि तंबाकू उत्पादों का आकर्षण केवल दिखावटी है, जबकि इसके परिणाम व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और पूरे समाज के लिए बेहद नुकसानदायक होते हैं। उन्होंने कहा कि तंबाकू का सेवन कई गंभीर और जानलेवा बीमारियों की वजह बनता है। इसका सबसे अधिक

असर युवाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। ऐसे में समाज के सभी वर्गों को मिलकर तंबाकू और निकोटिन की लत के खिलाफ व्यापक जागरूकता अभियान चलाना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियों को इस बुराई से बचाया जा सके। राज्यपाल ने कहा कि तंबाकू उत्पादों का आकर्षण भ्रामक है और यह व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ परिवार की खुशहाली और समाज की प्रगति के लिए भी खतरा पैदा करता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को इसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने और उन्हें सकारात्मक जीवन मूल्यों की ओर प्रेरित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, खेलकूद, योग और अन्य रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना समय की मांग है। राज्यपाल के अनुसार परिवार, शिक्षण संस्थानों और समाज की साझा जिम्मेदारी है कि वे तंबाकू और निकोटिन की लत के खिलाफ जागरूकता फैलाएं और नशामुक्त वातावरण तैयार करने में अपनी भूमिका निभाएं।

कविंद्र गुप्ता ने कहा कि स्वस्थ और सशक्त युवा ही देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। यदि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने में सफलता मिलती है तो यह विकसित और समृद्ध भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि हिमाचल प्रदेश के लोग इस अभियान में सक्रिय सहयोग देंगे और तंबाकू मुक्त तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जिला स्तरीय टी-20 प्रतियोगिता के लिए सिरमौर की सीनियर क्रिकेट टीम का एलान

नाहन। जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए सिरमौर जिला की सीनियर टी-20 क्रिकेट टीम का चयन आज नाहन के ऐतिहासिक चम्बा ग्राउंड में किया गया। जिला सिरमौर क्रिकेट एसोसिएशन के महासचिव राजेंद्र बब्बी ने बताया कि चयनित टीम आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सिरमौर जिला का प्रतिनिधित्व करेगी। उन्होंने बताया कि टीम प्रतियोगिता में अपने अभियान की शुरूआत आगामी 8 जून को ऊना में अपना पहला मैच खेलकर करेगी। एसोसिएशन के महासचिव ने बताया कि प्रतिभावान खिलाड़ियों को चुनने की जिम्मेदारी एक उच्च स्तरीय चयन समिति को सौंपी गई थी, जिसने खिलाड़ियों के कौशल और मैदान पर उनके प्रदर्शन को गहराई से परखने के बाद अंतिम टीम का चुनाव किया। इस चयनकर्ता पैनल में आलोक कटोच, विरेन्द्र पाल, संजय पंडित, अनिल ठाकुर, सौरव रतन और नवीन चौधरी शामिल रहे। समिति की देखरेख में जिला भर से आए युवाओं में से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को टीम में जगह दी गई है। महासचिव राजेंद्र बब्बी ने सभी चयनित खिलाड़ियों को कड़े अनुशासन के साथ आगामी तैयारियों में जुटने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के मद्देनजर चम्बा ग्राउंड में एक विशेष अभ्यास शिविर आयोजित किया जा रहा है।

नगर निगम चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत कांग्रेस 5 सीटों पर सिमटी: सुधीर शर्मा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

धर्मशाला नगर निगम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत पर भाजपा नेता एवं धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा ने खुशी जताते हुए इसे प्रदेश की कांग्रेस सरकार की नीतियों के खिलाफ जनता का स्पष्ट जनादेश बताया है।

सुधीर शर्मा ने कहा कि नगर निगम की 17 सीटों में से भाजपा ने 11 सीटों पर जीत दर्ज कर बहुमत हासिल किया है, जबकि कांग्रेस केवल 5 सीटों पर सिमट गई। एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहा। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम यह दशार्ते हैं कि धर्मशाला की जनता ने भाजपा की नीतियों और नेतृत्व पर भरोसा जताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार कर्मचारियों, युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों और आम जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में विफल रही है। जनता की इसी नाराजगी

का प्रतिबिंब नगर निगम चुनाव के परिणामों में देखने को मिला है। सुधीर शर्मा ने कहा कि धर्मशाला की जनता ने विकास, सुशासन और जनहित की राजनीति को समर्थन दिया है। उन्होंने दावा किया कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं पर जनता की मुहर है।

उन्होंने सभी विजयी भाजपा प्रत्याशियों, पार्टी कार्यकताओं और धर्मशाला की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा नगर निगम में जन अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करते हुए शहर के विकास को नई गति देने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

राज्य का दर्जा बहाल कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करे सरकार: रमन भल्ला

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का देशव्यापी संगठन सृजन अभियान केवल संगठन को मजबूत बनाने तक सीमित नहीं है बल्कि जम्मू-कश्मीर के लोगों की वास्तविक समस्याओं और आकांक्षाओं को प्रभावी ढंग से उठाने का भी माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोग अनेक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और कांग्रेस उनके अधिकारों तथा विकास के मुद्दों के लिए लगातार आवाज उठाती रहेगी।

खौड़ में जेकेपीसीसी जिला जम्मू ग्रामीण अध्यक्ष नीरज कुंदन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए भल्ला ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राज्य का दर्जा केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही, विकास कार्यों में तेजी और जनता की समस्याओं के प्रभावी समाधान से जुड़ा विषय है। उन्होंने

पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव जल्द कराने की भी मांग करते हुए कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब सत्ता जमीनी स्तर तक पहुंचे। भल्ला ने दैनिक वेतनभोगियों, कैजुअल लेबरों, जरूरत आधारित कर्मचारियों और संविदा कर्मियों के नियमितीकरण की मांग दोहराते हुए कहा कि वर्षों से सेवा दे रहे कर्मचारियों को अब भी अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से समयबद्ध नीति बनाकर उनकी समस्याओं का समाधान करने की अपील की। कांग्रेस नेता ने स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों और विभिन्न सरकारी विभागों में कर्मचारियों की भारी कमी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों, डॉक्टरों और अन्य आवश्यक कर्मियों के रिक्त पदों के कारण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं।

परिणाम जनता ने नकारा विपक्ष का झूठ, तीन निगमों में खिला कमल: पूर्व मुख्यमंत्री

प्रदेश की चार में से तीन नगर निगमों पर भाजपा ने शानदार जीत हासिल कर कमल खिलाया : जयराम

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि मंडी में अब यह रिवाज हो गया है कि कांग्रेस को एक ही सीट नसीब होती है। मंडी नगर निगम में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद पत्रकारों से बात करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि बीते विधानसभा चुनाव में मंडी जिला से कांग्रेस को दस में से मात्र एक ही सीट मिली है।

उससे पूर्व भी दस में से आठ भाजपा और एक कांग्रेस और एक निर्दलीय उम्मीदवार प्रकाश राणा को मिली थी, जो बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे। अब नगर निगम के चुनाव में भी आंकड़ा कुछ वैसा ही है। नगर निगम मंडी के लिए पंद्रह में चौदह वार्डों में चुनाव हुए, जिसमें बारह पर भाजपा के प्रत्याशी विजयी हुए हैं। एक कांग्रेस और एक आजाद प्रत्याशी विजयी

हुई है। उन्होंने कहा कि मंडी के अलावा धर्मशाला और सोलन में भाजपा ने जीत का परचम फहराया है। उन्होंने कहा कि धर्मशाला नगर निगम में कुल 17 सीटों में से भाजपा ने 11 पर जीत हासिल की है। जबकि कांग्रेस को यहां पांच सीटों पर जीत मिली है। उसी प्रकार सोलन में 17 में से दस में भाजपा, छह में कांग्रेस और एक पर निर्दलीय प्रत्याशी की जीत हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विशेषकर मुख्यमंत्री सुक्खू ने स्थानीय निकायों और पंचायतीराज संस्थाओं के चुनावों को टालने के प्रयास किए। उन्होंने कहा कि अब मुझे लगता है कि उनकी आशंका और डर सचा साबित हुआ है। उन्हें डर था कि चुनाव परिणाम में कांग्रेस हारेगी और पार्टी में अफरातफरी फैलेगी, पार्टी नेतृत्व पर प्रश्नचिन्ह लगेगा। उन्होंने कहा कि नगर परिषदों के परिणामों में भाजपा समर्थकों की जीत हुई तो उसे नहीं माना। दबाव डालने का प्रयास किया कि कांग्रेस को समर्थन देने को विवश हो जाए। जयराम ने कहा कि तीन चरणों में हुए पंचायतों के चुनाव में 70 प्रतिशत प्रधान-उप प्रधान भाजपा समर्थित जीते हैं। उसी प्रकार 28 में से 25 नगर परिषदों में भाजपा समर्थित जीते। जबकि बीडीसी और जिला परिषद के चुनाव आज निकलने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए यह संदेश है कि आपका वक्त अब पूरा हो गया है। जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आचार संहिता का उलंघन करते हुए मंडी में घोषणा की थी कि कांग्रेस के उम्मीदवार जीताओ और हर वार्ड को पचास लाख से एक करोड़ की राशि विकास कार्यों के लिए दी जाएगी। लेकिन मंडी वालों ने उनकी एक नहीं सुनी और भाजपा के पक्ष में अपना जनादेश दे दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हमारी कोशिश रहेगी कि मंडी में कांग्रेस को एक भी सीट न मिले। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंडी को साढ़े तीन साल में अपमानित ही किया है, दिया कुछ नहीं, बल्कि छीना है।

पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक : नायब सैनी

जनता से किए वादे पूरे करने में विफल रही आम आदमी पार्टी की सरकार

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी आपस में मिली हुई हैं और दोनों की विचारधारा एक जैसी है। पंजाब में हुए निकाय चुनावों में जिस प्रकार कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाई गईं, उससे लोकतांत्रिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि बैलट पेपर से चुनाव करवाकर पंजाब सरकार ने यह साबित कर दिया कि वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी हार से डरी हुई थी।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी रविवार को कपूरथला पहुंचे, जहां उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पंजाब सरकार ने जनता से बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन उन्हें पूरा करने में विफल रही। जनता अब समझ चुकी है कि केवल घोषणाएं करने और सब्जबाग दिखाने से विकास नहीं होता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार को जनता को यह बताना चाहिए कि चुनावों के दौरान किए गए वादों में से आखिर कितने वादे पूरे किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में विकास कार्यों के नाम पर अपेक्षित कार्य नहीं हुए और कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार खराब हुई है। पंजाब में गैंगस्टरवाद को बढ़ावा मिला, जिससे आम नागरिकों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा नशे के खिलाफ चलाई गई युद्ध नशे विरुद्ध मुहिम भी अपेक्षित परिणाम देने में असफल रही है। युवाओं को नशे से बचाने और नशे की समस्या को खत्म करने के लिए ठोस कार्रवाई की बजाय केवल प्रचार पर अधिक ध्यान दिया गया। सरकार को इस दिशा में गंभीर प्रयास करने चाहिए थे, लेकिन धरातल पर अपेक्षित परिणाम दिखाई नहीं दिए। हरियाणा में डबल इंजन सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों तक सुविधाएं पहुंचाने का कार्य किया है। केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना के साथ राज्य सरकार की चिरायु योजना को जोड़कर प्रदेश के लाखों परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिया गया है। गरीब और जरूरतमंद लोगों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार ने प्रभावी कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और विकासपरक नीतियों पर विश्वास जता रही है तथा आने वाले समय में पंजाब में कमल खिलाने का कार्य करेगी। जनता विकास, सुशासन और जवाबदेही की राजनीति चाहती है तथा केवल वादों से अब संतुष्ट नहीं होगी।

सैनी ने डेरा राधा स्वामी ब्यास में बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से की शिष्टाचार भेंट

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को डेरा राधा स्वामी सत्संग, ब्यास पहुंचकर डेरा प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा विभिन्न सामाजिक एवं आध्यात्मिक विषयों पर विचार-विमर्श किया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी कपूरथला पहुंचे, जहां उन्होंने प्रसिद्ध माता भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं देशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत समाज को जोड़ने तथा सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने का कार्य करती है। अपने कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कपूरथला के सर्कुलर रोड मार्केट क्षेत्र में लोगों से मुलाकात की तथा स्थानीय नागरिकों का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान लोगों में मुख्यमंत्री के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला।

देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपना संपूर्ण जीवन समाज राष्ट्र व संस्कृति के लिए किया समर्पितः कल्याण

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

महान विभूतियों के संस्कार और सेवा भाव को आत्मसात करे युवा पीढ़ी: हरविंदर कल्याण

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंदर कल्याण ने आज देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर जिला करनाल के गांव सदरपुर, रसूलपुर कलां और घरौंडा में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने देवी अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

श्री हरविंदर कल्याण ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपना संपूर्ण जीवन समाज, राष्ट्र व संस्कृति के लिए समर्पित किया। उन्होंने बेहद कठिन समय में, जब देश बाहरी आक्रमणों और कुरीतियों से जूझ रहा था, समाज और संस्कृति को बचाने का बीड़ा उठाया। उन्होंने सती प्रथा जैसी कुरीतियों को त्यागकर शिक्षा और शासन की जिम्मेदारी संभाली और सोमनाथ मंदिर जैसी सांस्कृतिक विरासत का पुनरुद्धार कर राष्ट्र की संस्कृति को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि भारत सोने की चिड़िया थी। पहले मुगलों और अंग्रेजों ने भारत को खूब लूटा व इतिहास से महापुरुषों का नाम हटाकर संस्कृति को खत्म करने का काम किया।

श्री हरविंदर कल्याण ने कहा कि वर्तमान सरकार ने सभी महापुरुषों की जयंतियां सरकारी स्तर पर मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इसका मुख्य उद्देश्य समाज को जातियों के बंधन से ऊपर उठाकर एक सूत्र में पिरोना है। उन्होंने कहा कि महापुरुष किसी एक विशेष वर्ग या जाति के नहीं होते, बल्कि उनके विचार पूरी मानवता की धरोहर होते हैं। जब 36 बिरादरी मिलकर ऐसे कार्यक्रम मनाती है तो समाज की एकता और अधिक मजबूत होती है।

विधानसभा अध्यक्ष ने विशेष रूप से युवा पीढ़ी और बच्चों को महापुरुषों के विचारों से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारी तरक्की केवल खुद तक सीमित नहीं होनी चाहिए। हमें अपने आसपास कमजोर या गरीब को भी देखना चाहिए और उनके हित के कार्य करना चाहिए। उन्होंने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे साधारण और गरीब परिवारों से निकलकर इन विभूतियों ने मेहनत और ईमानदारी के बल पर देश के सर्वोच्च पदों को सुशोभित किया।

मन की बात देश को जोड़ने और प्रेरित करने का सशक्त माध्यम : अनिल विज

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

खिलाड़ियों, युवाओं और समाजसेवियों की उपलब्धियों को देश के सामने लाता है मन की बात कार्यक्रमः विज

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि ह्लदेश हमारा है, इसे आगे बढ़ाने के लिए हमें स्वयं आगे आना होगा, यही ह्यमन की बातह्व कार्यक्रम का मूल उद्देश्य है।ह्व उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का ह्यमन की बातह्व कार्यक्रम अत्यंत प्रेरणादायक है, जिसने पूरे देश को एक सूत्र में बांधा है। श्री विज अंबाला छावनी में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम ह्यमन की बातह्व को सुनने एवं देखने के उपरांत मीडिया कर्मियों से बातचीत कर रहे थे। श्री विज ने कहा कि प्रधानमंत्री प्रत्येक माह ह्यमन की बातह्व के माध्यम से देशवासियों से सीधे संवाद करते हैं और विभिन्न क्षेत्रों में हो रही उपलब्धियों तथा सकारात्मक प्रयासों की जानकारी साझा करते हैं। उन्होंने बताया कि आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने उत्कृष्ट खिलाड़ियों गुरविंद्र सिंह और अन्वेष से दूरभाष पर बातचीत कर उनकी खेल उपलब्धियों की सराहना की तथा उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों को कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए चयनित होने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्री विज ने कहा कि उनकी उपलब्धियां अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेंगी और वे भी सकारात्मक ऊर्जा के साथ अपने खेल में आगे बढ़ेंगे। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भीषण गर्मी के मौसम में स्वयं को सुरक्षित रखने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की। उन्होंने देसी पेय पदार्थों के उपयोग पर बल देते हुए कहा कि लस्सी, आम पन्ना तथा आम से बने अन्य पारंपरिक पेय पदार्थ स्वास्थ्यवर्धक हैं।

युवाओं के भविष्य से कब तक खिलवाड़ करती रहेगी भाजपा सरकार: कुमारी सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सिरसा की सांसद, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा है कि देश की परीक्षा प्रणाली लगातार अव्यवस्था और विवादों का शिकार होती जा रही है। पहले नीट पेपर लीक, फिर एसएससी भर्ती प्रक्रिया में अव्यवस्था, उसके बाद सीबीएसई से जुड़े गंभीर सवाल और अब सीयूईटी परीक्षा में सामने आई गड़बड़ियों ने भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

कुमारी सैलजा ने कहा कि देश के लाखों युवा वर्षों तक मेहनत करते हैं, लेकिन भाजपा सरकार की नाकामी के कारण उनकी मेहनत और भविष्य दोनों दांव पर लग जाते हैं। हर बड़ी परीक्षा के बाद विवाद सामने आना इस बात का प्रमाण है कि सरकार परीक्षा और भर्ती व्यवस्था को पारदर्शी तथा विश्वसनीय बनाए रखने में पूरी तरह विफल रही है। सांसद ने प्रश्न उठाया कि आखिर शिक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री देश के युवाओं के भविष्य को लेकर कितने गंभीर हैं? जब एक के बाद एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएं विवादों और अव्यवस्था की भेंट चढ़ रही हैं, तब इसकी जवाबदेही कौन तय करेगा? सरकार में कोई भी जिम्मेदारी लेने को तैयार क्यों नहीं है?

कुमारी सैलजा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार युवाओं के साथ निरंतर न केवल भेदभाव कर रही है, बल्कि उनके जीवन और भविष्य के साथ भी खिलवाड़ कर रही है। बेरोजगारी पहले से ही युवाओं के सामने एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, और ऊपर से भर्ती परीक्षाओं तथा प्रवेश परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही गड़बड़िया उनकी उम्मीदों को तोडने का काम कर रही हैं।

सांसद ने केंद्र सरकार से मांग की कि परीक्षा एवं भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो तथा युवाओं का विश्वास बहाल करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। देश के लाखों छात्र और

उनके परिवार आखिर कब तक भाजपा सरकार की नाकामियों की कीमत चुकाते रहेंगे?

कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार अब प्रश्नपत्रों को हेलीकॉप्टरों और बुलेटप्रूफ वाहनों से पहुंचाने की बातें कर रही है, लेकिन देश का युवा जानना चाहता है कि आखिर हर परीक्षा के बाद विवाद क्यों खड़े हो रहे हैं? असली समस्या प्रश्नपत्रों के परिवहन की नहीं, बल्कि परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही और जिम्मेदारी के अभाव की है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रस्तावित 04 जून के उत्तराखंड दौरे की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा चार दिवसीय दौरे पर देहरादून पहुंचीं। देहरादून पहुंचने पर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर कुमारी सैलजा ने सभी नेताओं और कार्यकताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। अपने दौरे के दौरान कुमारी सैलजा विभिन्न बैठकों को संबोधित करेंगी तथा राहुल गांधी के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा कर उन्हें अंतिम रूप देंगी। कांग्रेस संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा पर भी चर्चा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी 4 जून को उत्तराखंड के अल्मोड़ा में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। कुमारी सैलजा का यह दौरा उसी कार्यक्रम की सफल तैयारियों को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

संक्षिप्त-समाचार

जेल वार्डन ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जींद। पिल्लूखेड़ा मंडी में रविवार को सस्पेंड चल रहे जेल वार्ड ने फांसी का फंदा लगा आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवाया है। मृतक परिजनों ने जेल वार्डन को मानसिक तौर पर परेशान बताया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पिल्लूखेड़ा मंडी निवासी 50 वर्षीय सुरेंद्र ने रविवार को अपने मकान मे फांसी का फंदा लगा लिया। परिजनों को घटना का उस समय पता चला जब सुरेंद्र काफी देर तक कमरे से बाहर नही आया। परिजनों ने जब अंदर जाकर देखा तो वह पंखे से फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। शोर मचाए जाने पर पड़ोसी मौके पर पहुंच गए और सुरेंद्र को फांसी के फंदे से उतार नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थिति का जायजा लिया। मृतक के परिजनों ने पुलिस को बताया कि सुरेंद्र जेल वार्डन के पद पर हिसार जेल में डयूटीरत था। फिलहाल वह सस्पेंड चल रहा था। जिसके कारण मानसिक रूप से परेशान रहता था। उसी मानसिक परेशानी के चलते उसने फांसी का फंदा लगा लिया। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया। पिल्लूखेड़ा थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मृतक जेल वार्डन पद से सस्पेंड था। जिसके चलते वह मानसिक रूप से परेशान था। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है।

लाखों रुपये की हेरोइन सहित तस्कर गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने सिरसा जिले क्षेत्र से एक नशा तस्कर को लाखों रुपये की हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी इंस्पेक्टर रविंद्र सिंह ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान सिरसा निवासी शेखर के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम नियमित गश्त एवं संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के लिए थेहड़ मोहल्ला क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक युवक आता दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर अचानक वापस मुडकर भागने की कोशिश करने लगा। युवक की गतिविधियों को देखते हुए पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की और शक के आधार पर तलाशी ली। तलाशी के दौरान युवक के कब्जे से लाखों रुपए की 25 ग्राम हेरोइन बरामद हुई जिस पर पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ शहर थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इसके अलावा सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम ने गांव शेरपुरा क्षेत्र से पांच जुआरियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक लाख रुपये की जुआराशि बरामद की है। सीआईए प्रभारी संदीप सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि गांव शेरपुरा में बड़े स्तर पर जुआ खेला जा रहा है। पुलिस ने मौके पर दबिश देकर पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के खिलाफ डिंग थाना में मामला दर्ज किया गया है।

अमेरिका से लौटे युवक की सड़क हादसे में मौत

यमुनानगर। यमुनानगर जिले में शनिवार देर रात हुए सड़क हादसे में अमेरिका से हाल ही में लौटे एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके तीन साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना असगरपुर गांव के निकट उस समय हुई, जब स्कॉर्पियो और थार वाहन के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। मृतक की पहचान यमुनानगर के लाहड़पुर निवासी 25 वर्षीय रितिक के रूप में हुई है। रितिक के पिता राजेंद्र कुमार पूर्व सरपंच रह चुके हैं। परिजनों के अनुसार रितिक करीब ढाई वर्ष पहले अवैध मार्ग से अमेरिका गया था, जहां वह ट्रक चालक के रूप में कार्यरत था। लगभग दो माह पूर्व ही उसे भारत वापस भेजा गया था। पुलिस को दी शिकायत के अनुसार शनिवार रात रितिक अपने मित्रों रजत, हर्ष और रिश्तेदार ललित के साथ स्कॉर्पियो वाहन में घूमने निकला था। चारों युवक रसूलपुर होते हुए कालाआंब की ओर जा रहे थे। देर रात असगरपुर के समीप पहुंचने पर सामने से आ रही तेज रफ्तार थार ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और कई बार पलटने के बाद जाकर रुकी।

हरियाणा सरकार गुरुग्राम में मेक इन हरियाणा पॉलिसी और 9 नई सेक्टरल पॉलिसी करेगी लॉन्च

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में होगा आयोजन

हरियाणा सरकार 1 जून, 2026 को गुरुग्राम में आयोजित होने वाले एक बड़े उद्योग एवं निवेश कार्यक्रम में अपनी फ्लैगशिप मेक इन हरियाणा पॉलिसी के साथ 9 नई सेक्टरल पॉलिसियों का शुभारंभ करेगी। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, निवेशक, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विदेशी प्रतिनिधिमंडल तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हितधारक भाग लेंगे। सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि नई पॉलिसी रूपरेखा हरियाणा को देश के अग्रणी विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और निवेश गंतव्य के रूप में और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में तैयार की गई है। इन नीतियों का उद्देश्य औद्योगिक विकास को गति देना, क्षेत्र-विशिष्ट औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना, एमएसएमई को प्रोत्साहन देना, रोजगार के अवसर सृजित करना, कारोबार सुगमता को बढ़ावा देना तथा भविष्य उन्मुख औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापनों (टङ्कव२) का आदान-प्रदान भी किया जाएगा, जो हरियाणा की औद्योगिक प्रगति और भविष्य की विकास दृष्टि में निवेशकों के मजबूत विश्वास को दशार्ता है। प्रवक्ता ने बताया कि नई नीति व्यवस्था तेज और प्रभावी प्रशासन, उद्योगों के साथ मजबूत साझेदारी, सुदृढ़ औद्योगिक तंत्र तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप विकास के प्रति हरियाणा सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

मजबूत कनेक्टिविटी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक राजनीतिक पहुंच, विश्वस्तरीय अवसंरचना, परिपक्व औद्योगिक आधार तथा तेजी से विकसित हो रहे लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के कारण हरियाणा ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, फूड प्रोसेसिंग, एडवांस मैन्युफैक्चरिंग, डेटा सेंटर, फार्मास्युटिकल एवं मेडिकल डिवाइस, खिलौना एवं खेल सामग्री निर्माण, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर तथा सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर रहा है। कार्यक्रम के दौरान राज्य में औद्योगिक विकास और निवेशक सुविधा को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कुछ महत्वपूर्ण नई घोषणाएं भी की जाएंगी।

शहीदों के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकताः राव इंद्रजीत सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने गांव खण्डोडा में अमर शहीद अरुण कुमार यादव की प्रतिमा का किया अनावरण

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय तथा संस्कृति राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने रविवार को रेवाड़ी जिला के गांव खण्डोडा में अमर शहीद अरुण कुमार यादव की प्रतिमा का अनावरण किया। शहीद अरुण कुमार यादव सिक्किम में डयूटी के दौरान आई प्राकृतिक आपदा में आमजन और अपने साथियों को बचाने के प्रयास में अपने शौर्य और वीरता का परिचय देते हुए 4 अक्तूबर, 2023 को देश सेवा करते हुए शहीद हो गए। इस अवसर पर विशेष रूप से बावल के विधायक डॉ. कृष्ण कुमार , कोसली के विधायक अनिल यादव व भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना पोपली विशेष रूप से मौजूद रही। केंद्रीय मंत्री ने गांवों के विकास के लिए 21 लाख रुपए देने की घोषणा भी की।

राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि शहीद अरुण कुमार यादव ने राष्ट्र की सेवा में अपना सर्वस्व समर्पित कर युवाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनको अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए सेना द्वारा 8 मेडल भी प्रदान किए गए जो इनके अदम्य साहस को दशार्ते है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल के तहत लेबनान देश में एक साल साहस और वीरता के साथ अपनी सेवाएं भी दी। देशवासी उनके बलिदान को सदैव स्मरण रखेंगे और आने वाली पीढियां उनसे राष्ट्रभक्ति एवं कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा प्राप्त करती रहेंगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमेशा से ही दक्षिण हरियाणा के युवा सेना में भर्ती होकर देश की हिफाजत के लिए आगे रहे हैं। उन्होंने उन माताओं-बहनों की भी सराहना की जिन्होंने अपने बच्चों और भाइयों को सेना में भर्ती कर देश की सुरक्षा के लिए सीमा पर तैनात किया है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने शहीद अरुण कुमार यादव की माता, पत्नी और बच्चों को भी विश्वास दिलाया कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। समारोह के दौरान ग्रामीणों द्वारा राजकीय विद्यालय का नामकरण शहीद अरुण कुमार यादव के नाम पर करने, गांव के जोहड़ों को नहरी पानी से जोडने तथा अन्य विकासात्मक मांगों का ज्ञापन भी प्रस्तुत किया गया। केंद्रीय मंत्री ने ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विषयों पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचार युवाओं को सफलता के पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देते हैंः रणबीर गंगवा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

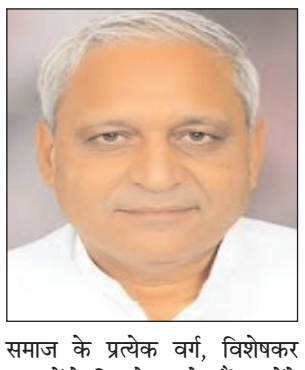

हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रधानमंत्री का मन की बात केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि देशवासियों से संवाद का प्रभावी माध्यम है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन और जनभागीदारी को बढ़ावा देता है।

श्री रणबीर गंगवा ने रविवार को जिला हिसार के सातरोड खास स्थित बूथ पर कार्यकताओं के साथ देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 134वें संस्करण को सामूहिक रूप से सुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी विचार समाज और राष्ट्र सेवा के पथ पर निरंतर आगे बढ़ने की नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का नेतृत्व देश को नई दिशा देने वाला है और उनके विचार समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी अपने विचारों के माध्यम से देशवासियों को सकारात्मक सोच, नवाचार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भरता तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हैं। उनके विचारों से युवा वर्ग प्रेरणा लेकर सफलता के पथ पर अग्रसर हो रहा है तथा राष्ट्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

हेरिटेज एंड सिटी वॉक 2026 : हरियाणा की विरासत से जुड़ने का बना सशक्त माध्यम

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा पर्यटन निगम द्वारा आओ चलें अपनी विरासत के साथ मुहिम के तहत गत 30 मई को राज्य के सात प्रमुख विरासत स्थलों पर हेरिटेज एंड सिटी वॉक 2026 का सफल आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य युवा पीढ़ी और आधुनिक समाज को हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं स्थापत्य विरासत से जोड़ना था।

इस विशेष आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों को उन ऐतिहासिक स्थलों, परंपराओं, स्मारकों और विरासतों को निकट से जानने और समझने का अवसर मिला, जो हरियाणा की पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में आयोजित इन वॉक्स के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न स्थलों के इतिहास, महत्व और उनसे जुड़ी रोचक कहानियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

हरियाणा के विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा राई, सोनीपत में एथनिक इंडिया राई से बड़खालसा स्मारक तक आयोजित हेरिटेज वॉक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण एवं संवर्धन आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में अपनी संस्कृति और इतिहास के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हरियाणा पर्यटन निगम के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम द्वारा हेरिटेज एंड सिटी वॉक का आयोजन सूरजकुंड, फरीदाबाद (सूरजकुंड जलाशय से असोला-भाटी वन्यजीव अभयारण्य तक), रेवाड़ी (सैंडपाइपर टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स से बड़ा तालाब तक), पिंजौर, पंचकूला (गुरुद्वारा मंजी साहिब, धारा मंडल पिंजौर, प्राकृतिक बावड़ी, भीमा देवी मंदिर स्थल संग्रहालय एवं यादविंद्रा गार्डन), मोरनी हिल्स (ऐतिहासिक मोरनी किले का विशेष भ्रमण), कुरुक्षेत्र (ज्योतिसर तीर्थ स्थल एवं सरोवर, विराट स्वरूप तथा महाभारत अनुभव केंद्र संग्रहालय) तथा बल्लभगढ़ (राजा नाहर सिंह महल से रानी की छतरी तक) में भी किया गया।

रेवाड़ी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्री लक्ष्मण सिंह यादव ने शिरकत की। इस आयोजन में विद्यार्थियों, स्थानीय निवासियों, पर्यटकों, विरासत प्रेमियों तथा प्रकृति प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया, स्थानीय परंपराओं को जाना और हरियाणा की सांस्कृतिक धरोहर के प्रति अपनी समझ एवं सराहना को और गहरा किया।

हेरिटेज एंड सिटी वॉक 2026 के माध्यम से हरियाणा पर्यटन ने विरासत संरक्षण, सांस्कृतिक संवर्धन और सतत पर्यटन को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया है। यह पहल आधुनिक पीढ़ी और राज्य की अमूल्य विरासत के बीच एक मजबूत संबंध स्थापित करने का महत्वपूर्ण माध्यम साबित हुई। प्रवक्ता ने इस सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी प्रतिभागियों, स्थानीय प्रशासन, विरासत विशेषज्ञों तथा अन्य हितधारकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह सार्थक पहल सफलतापूर्वक संपन्न हुई। उल्लेखनीय है कि निगम द्वारा पहली बार 27 सितंबर 2024 को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया था, जिसे लोगों का उत्साहजनक समर्थन मिला। इसी सफलता को देखते हुए अब दूसरी हैरिटेज एंड सिटी वॉक आयोजित की गई।

संपादकीय

भारत-बांग्लादेश सीमा को अभेद्य बनाने का अमित शाह का खाका

भारत की भौगोलिक सुरक्षा के संदर्भ में बांग्लादेश के साथ लगती लगभग चार हजार किलोमीटर लंबी सीमा हमेशा से एक जटिल और संवेदनशील प्रश्न रही है। यह सीमा न केवल प्राकृतिक रूप से चुनौतीपूर्ण है, बल्कि अनियंत्रित घुसपैठ, मानव तस्करी, मवेशी तस्करी और अवैध प्रवासन जैसी गंभीर समस्याओं का केंद्र भी बनती रही है। इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में एक व्यापक और दूरदर्शी रणनीति की घोषणा की है, जिसे 'स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट' का नाम दिया गया है। बीएसएफ के स्थापना के साठवें वर्ष के अवसर पर आयोजित रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान में अमित शाह ने यह स्पष्ट किया कि अब भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए केवल परंपरागत तरीकों पर निर्भर नहीं रहेगा, बल्कि आधुनिक तकनीक की शक्ति से इस चुनौती का स्थायी समाधान निकाला जाएगा। भारत-बांग्लादेश सीमा का एक बड़ा हिस्सा नदियों, दलदली भूमि, घने जंगलों और ऊबड़-खाबड़ इलाकों से गुजरता है। इस कारण वहाँ भौतिक बाड़ लगाना और निगरानी करना बेहद कठिन रहा है। वर्षों से यह सीमा छिद्रपूर्ण बनी हुई है और यहीं से अवैध घुसपैठिए भारतीय भूमि पर प्रवेश करते रहे हैं। पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा जैसे सीमावर्ती राज्यों में जनसांख्यिकीय असंतुलन की जो स्थिति उत्पन्न हुई है, उसे लेकर दीर्घकाल से चिंताएं व्यक्त की जाती रही हैं। अमित शाह ने इसे एक सुनियोजित षड्यंत्र की संज्ञा देते हुए कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों के जनसांख्यिकीय स्वरूप को जानबूझकर बदलने का प्रयास किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गहरी चिंता का विषय है। सरकार ने अगले एक वर्ष के भीतर पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगती लगभग छह हजार किलोमीटर की सीमा को तकनीकी रूप से सुसज्जित करने का निर्णय लिया है। इस 'स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट' के अंतर्गत ड्रोन, थर्मल कैमरे, उन्नत राडार प्रणालियाँ और स्वचालित निगरानी उपकरणों का एक समन्वित नेटवर्क तैयार किया जाएगा। यह केवल तकनीकी उपकरणों का संकलन नहीं होगा, बल्कि एक समेकित सुरक्षा तंत्र होगा जो सीमा पर किसी भी अनधिकृत गतिविधि को तत्काल पकड़ने में सक्षम होगा। सीमा सुरक्षा बल के जवानों को अब न केवल शारीरिक गश्त बल्कि उच्च तकनीकी निगरानी प्रणाली का भी सहयोग मिलेगा, जिससे मानवीय सीमाओं की भरपाई होगी और निगरानी की क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। 'स्मार्ट बॉर्डर' के साथ-साथ गृहमंत्री ने एक 'हाई-पावर्ड डेमोग्राफी मिशन' की स्थापना की भी घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्ष स्वतंत्रता दिवस के भाषण में इसकी घोषणा की थी और अब इसे क्रियान्वयन के चरण में लाया जा रहा है। इस मिशन का उद्देश्य सीमावर्ती राज्यों में अवैध प्रवासन के कारण उत्पन्न हो रहे जनसांख्यिकीय असंतुलन को रोकना और स्थानीय नागरिकों की जमीन, रोजगार और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा करना है। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि जिस प्रकार नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान में सफलता मिली, उसी दृढ़ता और संकल्प के साथ घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर किया जाएगा। अमित शाह ने एक महत्वपूर्ण वैचारिक बदलाव की ओर भी संकेत किया। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा केवल बीएसएफ की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक क्षेत्रीय दायित्व है जिसमें राज्य पुलिस, सीआरपीएफ, सेना और स्थानीय समुदाय सभी की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने एक 'चतुर्भुज सुरक्षा ग्रिड' की अवधारणा प्रस्तुत की जिसमें केंद्रीय बल, राज्य एजेंसियाँ, तकनीकी प्रणालियाँ और सीमावर्ती ग्रामीण समुदाय मिलकर एक अटूट सुरक्षा श्रृंखला बनाएंगे। जब तक यह चतुर्भुज ढाँचा पूरी तरह खड़ा नहीं हो जाता, तब तक सुरक्षित सीमा की कल्पना अधूरी रहेगी। सरकार की रणनीति केवल बाहरी घुसपैठ रोकने तक सीमित नहीं है। 'वाइब्रेंट विलेजेस प्रोग्राम-2' के माध्यम से सीमावर्ती गांवों के विकास को भी प्राथमिकता दी जा रही है। इस योजना के अंतर्गत पंद्रह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के सीमावर्ती गांवों में बुनियादी ढाँचे का विकास, रोजगार के अवसर और जीवनयापन की सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके पीछे सोच यह है कि जब सीमावर्ती गांवों के निवासी समृद्ध और सतर्क होंगे, तो वे स्वयं किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने में सक्षम होंगे और राष्ट्र की सुरक्षा में सहभागी बनेंगे। इस पूरी योजना में सबसे कठिन अध्याय पश्चिम बंगाल का है। बांग्लादेश से लगती सीमा का एक बड़ा भाग पश्चिम बंगाल से होकर गुजरता है और वहाँ बाड़बंदी का कार्य अभी तक अधूरा है। केंद्र सरकार का कहना रहा है कि राज्य सरकार द्वारा भूमि उपलब्ध न कराए जाने के कारण यह कार्य रुका हुआ है। अब जब पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बन चुकी है और सुवेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री पद संभाल रहे हैं, तो अपेक्षा की जाती है कि केंद्र और राज्य के बीच समन्वय बेहतर होगा और सीमा बाड़बंदी का अधूरा काम तेज गति से पूरा होगा। अमित शाह का यह खाका महज एक घोषणा नहीं, बल्कि भारत की सीमा सुरक्षा नीति में एक नई सोच का प्रतिबिंब है। तकनीक और मानव संसाधन का यह संयोजन, सामुदायिक भागीदारी और राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ मिलकर एक प्रभावी सुरक्षा तंत्र खड़ा कर सकता है। हालांकि चुनौतियाँ बड़ी हैं - भूगोल कठिन है, राजनीति उलझी हुई है और संसाधनों की माँग विशाल है - लेकिन जिस दृढ़ता और व्यापकता के साथ यह योजना तैयार की गई है, वह उत्साहजनक है।

कमजोर मानसून से लगेगा महंगाई का झटका, अर्थव्यवस्था होगी प्रभावित

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा(हि.स)

मौसम विभाग द्वारा 29 मई को जून से सितंबर मानसून के दौरान 10 प्रतिशत कम बरसात का पूर्वानुमान बेहद चिंताजनक का कारण बन गया है। इससे पहले जारी पूर्वानुमान में 8 प्रतिशत कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई थी। लगभग दस साल बाद देश में कमजोर मानसून के हालात रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के लिए यह इसलिए और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है कि एक और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर के आसार नहीं दिख रहे हैं और इसके कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश कच्चे तेल और गैस की समस्या से दो चार हो रहे हैं और इसका सीधा असर महंगाई बढ़ना हो रहा है। दूसरी ओर अब अलनीनों के प्रभाव से इस साल कमजोर मानसून के कारण 10 प्रतिशत कम बरसात होने से हालात और भी गंभीर होने की संभावना बनती जा रही है। करीब दस साल बाद ऐसे हालात बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि उत्तर पूर्व को छोड़कर समूचे देश में कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता है कि पिछले सालों में भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान लगभग सटीक रहने लगे हैं। मजे की बात यह है कि इस साल गर्मी भी भीषण पड़ रही है और पिछले एक माह में ही जलाशयों में उपलब्ध पानी में तेजी से कमी आई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश के प्रमुख 166 जलाशयों में कुल भराव क्षमता का 24 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है और तेजी से पानी कम होता जा रहा है। दक्षिण भारत के हालात अधिक गंभीर है और वहां लगभग 17 प्रतिशत ही पानी रह गया है। उत्तरी भारत के जलाशयों में 26 तो पश्चिमी भारत के जलाशयों में 28 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है। मानसून भी तय समय से बिलंबित हो रहा है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मानसूनी बरसात पर बहुत कुछ निर्भर करती है। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है। पूर्वानुमानों को मानें तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है। कमजोर मानसून के कारण भूजल स्तर में गिरावट, अधिक पानी पर निर्भर धान, तिलहन और दलहन की फसल प्रभावित होगी और इस कारण से खाद्य महंगाई बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। इससे आम आदमी की थाली पर असर पड़ेगा और सब्जी, दाल और अनाज सभी के भाव बढ़ने का असर दिखाई देगा। इसी तरह देश के अनेक हिस्सों में पीने के पानी की दिक्कत आम है। बांधों में तेजी से पानी की कमी और मानसून कमजोर रहने से पानी की कम आवक रहती है तो निश्चित रुप से सिंचाई व पेयजल दोनों के लिए पानी की दिक्कत होगी। जल विद्युत परियोजनाओं में विद्युत उत्पादन पर असर होगा तो कुल मिलाकर अर्थ व्यवस्था को प्रभावित होने से कोई नहीं रोक सकता।

दरअसल, देश में एक समय था जब सूखा आम होता था और व्यापक स्तर पर अकाल राहत कार्य संचालित होते थे। हांलाकि देश के हालातों में काफी सुधार हुआ है और अकाल को तो लगभग भूल ही चुके हैं। पर सवाल वहीं का वहीं है कि जल संचयन के जो प्रयास होने चाहिए थे और उनका जिस तरह का प्रभाव पड़ना चाहिए था वह अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार के सामने कमजोर मानसून के हालात से निपटने की बड़ी चुनौती आने वाली है। सबसे अधिक तो जल संग्रहण की चुनौती होगी क्योंकि प्राकृतिक जल संग्रहण के रास्ते शहरीकरण की भेंट चढ़ चुके हैं। दीर्घकालीन सोच के साथ ठोस प्रयास नहीं होने से बरसात के पानी का सही तरीके से संग्रहण भी नहीं हो पा रहा है। जितने पानी की सालभर आवश्यकता होती है उससे अधिक बरसाती पानी तो बह जाता है। इसके अलावा पानी का उपयोग और दुरुपयोग दोनों ही बढ़ गए हैं। कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की किस्में विकसित करने में हम अभी पूरी तरह से सफल नहीं हो पाए हैं। पांच नदियों के प्रदेश पंजाब तक में पानी का संकट होने लगा है। खेती ही नहीं घरेलू जरुरतों में भी पानी का उपयोग बहुत अधिक बढ़ गया है। शौचालय और कूलरों में पानी की खपत बहुत बढ़ गई है। जल बचाओ मात्र स्लोगन रह गया है और इसका असर दिखाई नहीं देता। इसी तरह से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार तो बहुत किये गये हैं पर उनके निर्माण में जिस तरह की लापरवाही बरती गई है वह किसी से छिपी नहीं है क्योंकि वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कितना सफल रहा है वह सामने हैं। बाहरमासी नदी-नाले तो अब कल्पना की बात हो गए हैं बल्कि बरसाती नदियां भी बरसात में एकाध बार ही पूरे वेग से बहती दिखती है। ऐसे में गंभीरता को तो समझा ही जा सकता है।

यह सोचना कि मानसून हमेशा सामान्य बना रहेगा, यह सोचना गलत होगा। जिस तरह वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जंगल घटते जा रहे हैं, पेड़-पौधे कम हो रहे हैं वह किसी और की देन नहीं हमारे कारण ही हो रहा है। हालात यह हो गए हैं कि सर्दी में सर्दी नहीं और गर्मी में गर्मी को तरसने लगे हैं। इस बार तो बसंत की प्रतीक्षा करते रह गए। जनवरी-फरवरी में सर्दी तो फिर मार्च-अप्रैल में गर्मी का असर देखा गया।

बसंत कब आया और कब गया पता ही नहीं चला। कहने का अर्थ है कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का परिणाम सामने हैं। प्राकृतिक विपदाएं अधिक होने लगी है। ग्लेशियरों में तेजी से बर्फ पिघल रही है, समय पर बर्फवारी कम होने लगी है। बेमौसम आंधी-ओलावृष्टि आम होती जा रही है। लिहाजा, मानसून को लेकर दीर्घकालीन रणनीति बनानी होगी ताकि कमजोर मानसून का जनजीवन और अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर नहीं पड़े। सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर इस दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारतीय इतिहास बोध और उसे बदलने के प्रयास

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स)

अभी तक भारतीय इतिहास बोध को अपनी मंशा के अनुसार बदलने की कोशिशें चल रही थीं, अब देवी-देवताओं पर भी हमले हो रहे हैं। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने मोहनजोदड़ो से प्राप्त 4300 वर्ष पुरानी पशुपति मुहर और मूलबंधासन योग मुद्रा में बैठी आकृति को शिव का रूप बताते हुए इसे भारत की सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत प्रतीक बताया है। एक इतिहासकार आद्रे ने इस दावे को खारिज कर दिया है और कहा है कि यह आकृति शिव की नहीं है। यह पश्चिमी संस्कृति और यूरेशियाई पशुओं के देवता से प्रभावित है। इसके पहले भी ऐसे लोग सिंधु सभ्यता पर बाहरी प्रभावों का जिक्र करते रहे हैं। दरअसल, 1922 में मोहनजोदड़ो में खुदाई के दौरान एएसआई के महानिदेशक मार्शल ने इसे शिव का रूप बताया था। उन्होंने अपनी किताब में भी शिव का प्रारंभिक रूप बताया है। लेखक अमीश ने मुहर पर अंकित जानवरों को विदेशी नहीं बताया। वे भारत में पाए जाते हैं।

दक्षिणी पश्चिमी ईरान में भी यह पशु प्राकृतिक रूप में नहीं पाए जाते। डॉ. एल. वेमसानी का तर्क ध्यान देने योग्य है। पशुपति मुहर में आकृति योग मुद्रा में है। पश्चिमी इतिहासकारों द्वारा बहुत पहले से ही भारतीय इतिहास को विकृत किया जाता रहा है। वामपंथी इतिहासकारों ने हम भारत के निवासियों को बाहर से आया हमलावर बताया था लेकिन यह झूठ पकड़ा गया। वे सिद्ध करना चाहते थे कि भारतीय ज्ञान, देवता और सभ्यता उधार के हैं। जबकि भारत में ऋग्वैदिक काल और उसके बहुत पहले से सांस्कृतिक निरंतरता है। आर्य आक्रमण का झूठ लोग जान गए हैं। शिव भारत के देवता ही हैं। यजुर्वेद का एक पूरा अध्याय शिव पर है। अब आर्य आक्रमण की बात करने वाले खिसियाए हुए हैं। संस्कृति मंत्रालय ने एक ट्वीट में लिखा है कि, 'भारत के अखंड और निरंतर चली आ रही सभ्यता की यह सबसे शक्तिशाली प्रतीकों में से एक है। अविभाजित भारत के मोहनजोदड़ो में मिली यह लगभग 4300 साल पुरानी मुहर एक योग मुद्रा में बैठे व्यक्ति को दिखाती है, जिसे व्यापक रूप से शिव पशुपति माना जाता है। यह आकृति मूलबंधासन में बैठी दिखाई देती है और उसके चारों ओर कई जानवर बने हुए हैं।'

इतिहास की वैज्ञानिक समझ से वर्तमान को बदलना मार्क्सवादी लक्ष्य था, उन्होंने वर्तमान की निजी जरूरतों के मुताबिक इतिहास बदला। यही काम अंग्रेजों ने किया। उन्होंने अंग्रेजी राज को जायज ठहराने के लिए भारत का नया इतिहास लिखाया। इतिहास से सीखकर वर्तमान बदलना अच्छा विचार है लेकिन अपनी आवश्यकतानुसार इतिहास बदलना महापाप है। इतिहास ने उन्हें दंडित किया। मार्क्सवादी इतिहास शेष रहे, लेकिन दोनों के विषाणु भारत में आज भी मौजूद हैं। भारत पर अंग्रेजी शासन के लिए भाषा, इतिहास, सभ्यता और संस्कृति का ज्ञान जरूरी था। बेशक पश्चिमी विद्वानों ने मेहनत की। पश्चिम की संस्कृति का मूलाधार यूनान था लेकिन विलियम जोंस ने थर्ड एनुअल डिसकोर्स एशियाटिक रिसर्चेज में कहा, 'यूनानी दार्शनिक पाइथागोरस और प्लेटो के उत्कृष्ट अनुभव प्राचीन भारतीय ऋषियों के अनुरूप थे। हिन्दू कला व शौर्य में विलक्षण थे। प्रशासन में सुयोग्य, विधि निर्माण में बुद्धिमान और ज्ञान में प्रवीण थे। डेविड कोफ जैसे विद्वानों को भारतीय समाज वैदिक आदर्शों से भटका हुआ लगा। वैदिक काल में मूर्ति पूजा नहीं थी।'

यह अध्ययन ईसाई मिशनरियों के लिए खतरनाक था। उनकी नजर में शासन के लिए अंग्रेजी और परमात्मा के मार्ग के लिए प्रभु ईशु ही विकल्प थे। इस चुनौती से जूझे एक अंग्रेज जेएस मिल। जेएस मिल ने 'हिस्ट्री ऑफ ब्रिटिश इंडिया' लिखकर भारत के सनातन ज्ञान पर हल्ला बोला। इतिहास में उन्हें 'उपयोगितावादी चिंतक' की सही संज्ञा मिली।

कांग्रेसजनों और मार्क्सवादियों का उपयोगितावाद विचारणीय है। बच्चे पढ़ें कि आर्यों ने ईरान के रास्ते आकर हड़प्पा सभ्यता नष्ट की। किले तोड़े। वे चरवाहे और लुटेरे थे। मोहन जोदड़ो और हड़प्पावासी सभ्य थे। हड़प्पा सभ्यता का पतन दरअसल 1750 ई. पूर्व के आसपास हुआ। कालीबंगा की खुदाई से मिले तथ्यों में यही समय सरस्वती के सूखने का भी है। ऋग्वेद में सरस्वती भरी पूरी वेगवती आराध्य नदी है। ऋग्वेद के बाद रचे गए यजुर्वेद में भी सरस्वती पूरे यौवन और उफान पर है। ऋग्वेद, यजुर्वेद के बाद सरस्वती सूखी और हड़प्पा सभ्यता का ह्रास हुआ। सरस्वती समय विभाजक रेखा है। उसे पार करके ही आर्य आक्रमण के झूठ का प्रचार संभव है। ऋग्वेद हड़प्पा सभ्यता से पुराना है। मिस्त्र और सुमेर की सभ्यता से भी प्राचीन। दयाराम साहनी व आर. के. बनर्जी ने हड़प्पा और मोहनजोदड़ो नामक दो प्राचीन नगरों की खोज (1921-22) की। हड़प्पा रावी तट पर था, मोहनजोदड़ो सिंध पर।

राम प्रसाद चंद ने आर्यों को हड़प्पा सभ्यता के नाश का अभियुक्त ठहराया। चंद ने ऋग्वेद का सहारा लिया। उन्होंने 'पणि' को इन नगरों का मूल निवासी बताया। इंद्र को पुरच्हा-पुरंदर ध्वंसक बताया। चंद के अनुसार इंद्र ने आर्य दिवोदास के लिए दास शंबर के पुर जीते। शंबर 'दास' था। पहाड़ पर रहता था, जबकि सच यह है कि पहाड़ पर न मोहन जोदड़ो था और न ही हड़प्पा। फिर ऋग्वेद (9.61.2) में दिवोदास के शत्रुओं की सूची में शंबर के साथ यदु और तुर्वस जैसे आर्य भी हैं यानी कथित आर्य हमले में दोनों तरफ आर्य थे। सवाल पेंचीदे हैं। उन्होंने ऋग्वेद को गवाह बनाया है यानी ऋग्वेद हड़प्पा सभ्यता के नाश (सरस्वती के सूख जाने) के बाद रचा गया। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के पुरातत्वविद् रेनफ्रीव ने लिखा-'आर्य आक्रमण का समय निर्धारण निःसंदेह डांवाडोल है।' ऋग्वेद 10-15 हजार वर्ष से ज्यादा पुराना है। पश्चिम के विद्वान भी इसे 2500-3000 वर्ष पुराना मानते हैं। सिंधु क्षेत्र में सिंधु लिपि थी। इसी से ब्राह्मी आई।

लैंगडन के अनुसार सिंधु की चित्र लिपि का समय 2800 ई.पू. है। उन्होंने लिखा-'इतिहास जितना मानता है, भारत में आर्य उससे कहीं अधिक प्राचीन हैं।' फिलाडेल्फिया के पुरातत्वविद डेल्स 1960 के दशक में पाकिस्तान में उत्खनन कार्य से जुड़े। उन्होंने 'द मिथिकल मैस्केयर ऑफ मोहनजोदड़ो' (मोहनजोदड़ो के हत्याकांड की कपोलकथा) में व्हीलर, चंद, मार्शल, मैकाय आदि सिद्धांतकारों की बातें काट दीं। रेनफ्रीव ने आर्यों को भारत का मूल निवासी माना, आर्य आक्रमण सिद्धांत को गलत बताया। उन्होंने लिखा-'ऋग्वेद के दर्जन भर प्रसंगों में से एक में भी आक्रमण का संकेत नहीं मिलता।'

प्रख्यात मार्क्सवादी विचारक डॉ. रामविलास शर्मा ने आर्य आक्रमण को भाषाविज्ञान की कल्पना बताते हुए लिखा-'सघोष महाप्राण ध्वनियों वाले भारतीय शब्दों के ईरानी, यूरोपियन प्रतिरूपों में सघोषता और महाप्राणता का संयोग नहीं होता। यह विशेषता केवल भारतीय आर्य भाषाओं की है। यही एक तथ्य आर्य आक्रमण सिद्धांत को ध्वस्त करने के लिए काफी है।' डॉ. अम्बेडकर ने ऋग्वेद के छठे, सातवें, आठवें और नौवें मंडल के सूक्तों के हवाले से लिखा-'लेखकों ने आर्य नस्ल का जो सिद्धांत बनाया वह वैज्ञानिक अनुसंधान का उल्टा है। भारत ही आर्यों का मूल निवास था।'

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज कार्यक्षेत्र में बड़े बदलाव करने से बचना आपके लिए लाभदायक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों को दोपहर से पहले पूरा करने का प्रयास करें। संपत्ति से जुड़े लेन-देन में आर्थिक लाभ मिलने के संकेत हैं। दांपत्य जीवन में चल रही परेशानियां कम होंगी और रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: सरकारी मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों में विश्वास और निकटता बढ़ेगी। समाजसेवा और परोपकार के कार्यों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सफलता मिलने के योग हैं। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: अपने कार्यों और उपलब्धियों को लेकर मन में कुछ असंतोष रह सकता है। किसी सामाजिक या पारिवारिक समारोह में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। नए अनुभव और अवसर आपके सामने आएंगे, इसलिए खुद को तैयार रखें। जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने से बचें। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: करियर संबंधी निर्णय स्वयं के विवेक से लेना अधिक उचित रहेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी और प्रियजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। कार्य समय पर पूरे होंगे जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। विद्यार्थियों को परीक्षा और प्रतियोगी क्षेत्रों में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। व्यापार में नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। प्रेम संबंधों में कुछ गलतफहमियां उत्पन्न हो सकती हैं। कानूनी मामलों में सफलता मिलने के संकेत हैं। पूर्व में किए गए प्रयासों का सकारात्मक परिणाम प्राप्त होगा। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: आज का दिन आपके लिए बेहद अनुकूल साबित हो सकता है। कार्यक्षेत्र में निर्धारित लक्ष्य आसानी से हासिल होंगे। निर्माण और विकास से जुड़े कार्यों में प्रगति देखने को मिलेगी। परिवार के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

तुला: नौकरी या करियर में बदलाव को लेकर विचार कर सकते हैं। आध्यात्मिक और धार्मिक विषयों में रुचि कुछ कम रह सकती है। आपके व्यक्तित्व और व्यवहार की लोग सराहना करेंगे। व्यवसाय में प्रदर्शन बेहतर रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: धार्मिक या आध्यात्मिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। संतान के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रह सकती है। रुके हुए निर्माण कार्य दोबारा गति पकड़ सकते हैं। अनावश्यक लोगों पर समय और ऊर्जा खर्च करने से बचें। *(सिटी दर्पण)*

धनु: किसी कारणवश मन थोड़ा उदास रह सकता है। नए लोगों पर तुरंत भरोसा करने से बचें। दिनचर्या में अव्यवस्था रहने के कारण कार्य प्रभावित हो सकते हैं। व्यापार में आर्थिक हानि की आशंका है, इसलिए लेन-देन में सावधानी रखें। *(सिटी दर्पण)*

मकर: आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच बनाए रखना आवश्यक होगा। दोपहर के बाद कोई सुखद समाचार मिलने की संभावना है। संतान की उपलब्धियों से गर्व और खुशी महसूस करेंगे। अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन आपके लिए उपयोगी साबित होगा। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: कार्यस्थल पर भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। समय का सही उपयोग करने में सफल रहेंगे। प्रेम संबंधों में निकटता और विश्वास बढ़ेगा। बच्चों के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। नौकरी के लिए इंटरव्यू दे रहे लोगों को सफलता मिलने के अच्छे संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*

मीन: आज आपके भीतर उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा भरपूर रहेगी। अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखें, सफलता मिलने की संभावना प्रबल है। वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों से संतुष्ट रहेंगे। विरोधी पक्ष आलोचना कर सकता है, लेकिन इससे प्रभावित न हों। *(सिटी दर्पण)*

क्या हम अपने किशोरों को समझ पा रहे हैं, एक सवाल जो पूरे समाज से है

डॉ. निवेदिता शर्मा (हि.स)

भोपाल में 17 वर्षीय बेटी ओजस्वी द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना ने सभी को झकझोर दिया है। एक होनहार बच्ची, एक संवेदनशील बेटी, जिसने अपने अंतिम शब्दों में सिर्फ इतना लिखा- 'सॉरी मम्मी-पापा, मैं अच्छी बेटी नहीं बन सकी...'। अब इसे हम क्या कहें? वास्तव में यह एक परिवार का दुख नहीं है, यह तो आधुनिक समाज की उस विफलता का प्रतीक है, जहां बच्चे अपनी भावनाओं को व्यक्त करने से पहले ही भीतर टूटने लगते हैं।

आज हर माता-पिता अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का सपना देखता है, किंतु इस दौड़ में हम यह भूल जाते हैं कि बच्चों का मन भी होता है, उनकी भावनाएं भी होती हैं और उनकी सहन करने की क्षमता भी सीमित होती है। भोपाल की यह घटना हमें चेतावनी देती है कि यदि समय रहते बच्चों की मानसिक स्थिति को नहीं समझा गया, तो हम प्रतिभाशाली पीढ़ी को खोते रहेंगे।

किशोरावस्था है भावनात्मक संघर्ष का कठिन दौर

जीवन का सबसे संवेदनशील समय 13 से 19 वर्ष की आयु माना जाता है। यही वह अवस्था है जब बच्चे शारीरिक, मानसिक और सामाजिक परिवर्तनों से गुजरते हैं। वे स्वयं को पहचानने की कोशिश करते हैं, अपनी जगह तलाशते हैं और लगातार तुलना के दबाव में रहते हैं। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन के अध्ययन के अनुसार भारत में 13 से 17 वर्ष की आयु के हर चार में से एक बच्चा डिप्रेशन की समस्या से जूझ रहा है। यह आंकड़ा देखा जाए तो उन लाखों बच्चों की खामोश पीड़ा है जो अंदर ही अंदर टूट रहे हैं।

आज का बच्चा बचपन से ही प्रतियोगिता में धकेल दिया जाता है। स्कूल में अच्छे अंक, कोचिंग का दबाव, प्रतियोगी परीक्षाएं, करियर की चिंता और दूसरों से बेहतर बनने की होड़ बच्चों को मानसिक रूप से थका रही है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़े बताते हैं कि पिछले एक दशक में छात्र आत्महत्या के मामलों में लगभग 65 प्रतिशत वृद्धि हुई है। वर्ष 2013 में जहां 8423 छात्रों ने आत्महत्या की थी, वहीं 2023 में यह संख्या बढ़कर 13,892 हो गई। यह आंकड़ा बताता है कि शिक्षा का दबाव अब प्रेरणा न होकर भय का कारण बनता जा रहा है।

Sapien Labs की ग्लोबल माइंड हेल्थ रिपोर्ट 22025 के अनुसार भारत के युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य लगातार कमजोर हो रहा है। 18 से 34 वर्ष के युवाओं का Mind Health Quotient काफी कम पाया गया। इसका अर्थ है कि नई पीढ़ी तनाव, भावनाओं और रिश्तों को संभालने में संघर्ष कर रही है।

डांट से अधिक संवाद है जरूरी

बच्चों को अनुशासन सिखाना आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है उनके मन को समझना। कई बार माता-पिता अनजाने में बच्चों पर अत्यधिक अपेक्षाओं का बोझ डाल देते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चा हर क्षेत्र में श्रेष्ठ हो, लेकिन यह नहीं समझते कि बच्चे भी थकते हैं, डरते हैं और टूटते हैं। उन्हें यह महसूस होना चाहिए कि असफल होने पर भी परिवार उनका साथ देगा। यदि बच्चा उदास है, चुप रहने लगा है, गुस्सा करने लगा है या अकेले रहना पसंद करने लगा है, तो यह सिर्फ 'जिद' नहीं हो सकती, बल्कि मानसिक तनाव का संकेत भी हो सकता है।

दूसरी ओर दुर्भाग्य से अधिकांश स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य को अभी भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। स्कूलों में नियमित काउंसलिंग, भावनात्मक शिक्षा, तनाव प्रबंधन और जीवन कौशल प्रशिक्षण की आवश्यकता है। शिक्षकों को यह प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए कि वे बच्चों में अवसाद, चिंता और आत्मघाती संकेतों को पहचान सकें। कई बच्चे घर की बजाय स्कूल में अपने मन की बात कहना अधिक सुरक्षित महसूस करते हैं, इसलिए शिक्षक विषय पढ़ाने के साथ ही संवेदनशील मार्गदर्शक भी होने चाहिए।

समाज की संवेदनहीनता भी जिम्मेदार

आज समाज बच्चों की उपलब्धियों की चर्चा तो करता है, लेकिन उनकी परेशानियों को अक्सर नजरअंदाज कर देता है। यदि कोई बच्चा मानसिक तनाव की बात करे, तो उसे 'कमजोर', 'नालायक' या 'ओवरसेंसिटिव' कह दिया जाता है। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर फैला कलंक बच्चों को मदद मांगने से रोकता है। उन्हें डर होता है कि लोग उनका मजाक उड़ाएंगे या उन्हें असफल समझेंगे। यही चुप्पी कई बार घातक बन जाती है। वास्तव में हमें यह समझना होगा कि मानसिक बीमारी भी उतनी ही वास्तविक है जितनी शारीरिक बीमारी। जैसे बुखार होने पर इलाज जरूरी होता है, वैसे ही अवसाद और चिंता की स्थिति में भावनात्मक सहायता और विशेषज्ञ परामर्श जरूरी है।

बच्चों को क्या चाहिए?

बच्चों को महंगे मोबाइल, बड़े स्कूल या केवल सुविधाएं नहीं चाहिएं। उन्हें चाहिए- समय, विश्वास, अपनापन और बिना शर्त प्यार। उन्हें यह भरोसा चाहिए कि वे अपनी गलतियां, डर और कमजोरियां अपने माता-पिता से साझा कर सकते हैं। हर परिवार को दिन में कुछ समय ऐसा जरूर निकालना चाहिए जब सभी सदस्य बिना मोबाइल के एक-दूसरे से बात करें। बच्चों की बातों को बीच में टोकने या जज करने के बजाय धैर्य से सुनना चाहिए। यदि बच्चा लगातार उदास रहता है, आत्महत्या जैसी बातें करता है, पढ़ाई में अचानक गिरावट आती है या व्यवहार बदलने लगता है, तो तुरंत विशेषज्ञ की सहायता लेनी चाहिए। समय पर मदद कई जिंदगियां बचा सकती है।

फिर भी यदि कभी किसी बच्चे या युवा के मन में आत्महत्या का विचार आए, तो तुरंत सहायता लें। मप्र में बाल अधिकार संरक्षण आयोग बाल अधिकारों की सुरक्षा हेतु निरंतर बच्चों के हित, सर्वोच्च देखभाल और चिंता के लिए ही कार्यरत है। यदि कहीं भी लगता है, कुछ भी गलत हो रहा है, यदि कहीं अंदर अवसाद या नकारात्मकता स्वयं पर हावी हो रही है तो बाल आयोग से सीधे संपर्क किया जा सकता है। प्रदेश में माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवजी ने अनेक योजनाएं मप्र के बच्चों के हित में चलायी हुई हैं, बच्चे और उनके अभिभावक दोनों ही अपने अनुरूप उन योजनाओं का लाभ उठाएं।

यदि कहीं कोई कठिनाई आ रही है तो मप्र बाल संरक्षण आयोग से सीधे https://www.cpcr.mp.gov.in पर संपर्क करें। हमारी वेबसाइट पर अनेक बातें एवं सुविधाओं के बारे में जानकारियां दी गई हैं। आप आयोग के ई-मेल mpcpcr@gmail.com पर दोस्त निवेदिता के नाम पत्र लिख सकते हैं। दूरभाष 0755-2559900/03/04/05/06 पर संपर्क कर सकते हैं। वेबसाइट पर दिए गए अध्यक्ष एवं सदस्यों के नंबरों पर सीधे फोन लगा सकते हैं। याद रखिए, हर बच्चा अनमोल है और हर जीवन बचाया जा सकता है। फिर कभी कोई- 'ओजस्वी' गले में फंदा न डाले, हम सभी के प्रयास यही होने चाहिए।

(लेखिका मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष हैं)

युद्ध नशों विरुद्ध के 15 महीने: नार्को-हवाला नेटवर्क को बड़ा झटका, 750 नशा तस्करों की 300 करोड़ की संपत्तियां जब्त

1 मार्च 2025 से अब तक 2950 किलोग्राम हेरोइन, 792 किलोग्राम अफीम, 666 क्विंटल भुक्की, 56 किलोग्राम आईसीई और 20 करोड़ रुपये की ड्रग मनी सहित 65 हजार नशा तस्कर गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

नशों के खिलाफ चल रही निर्णायक मुहिम 'युद्ध नशों विरूद्ध' के 15 महीने पूरे हो गए हैं। इस दौरान पंजाब पुलिस ने संगठित नशा तस्करी नेटवर्क के वित्तीय ढांचे को व्यवस्थित ढंग से ध्वस्त कर दिया है, जिससे पूरे राज्य में सक्रिय नार्को-हवाला सिंडिकेटों को बड़ा झटका लगा है। इस अभियान के परिणामस्वरूप लगभग 750 नशा तस्करों की 300 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध संपत्तियां रणनीतिक रूप से जब्त की गई हैं। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

डीजीपी ने कहा कि, पंजाब पुलिस ने केवल स्थानीय स्तर पर जब्ती तक सीमित न रहकर, सीमा पार से होने वाली तस्करी को वित्तीय सहायता प्रदान करने वाले तस्करों के व्यापक आर्थिक ढांचे को समाप्त करने पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया है।

उल्लेखनीय है कि इस नशा विरोधी अभियान की शुरूआत से ही पंजाब पुलिस राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में प्रतिदिन एक साथ नशा तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चला रही है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि अभियान शुरू होने के बाद से पंजाब पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत 46,937 एफआईआर दर्ज की हैं तथा 65,884 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि प्रवर्तन अभियानों के दौरान 2950 किलोग्राम हेरोइन, 792 किलोग्राम अफीम, 666 क्विंटल भुक्की, 71 किलोग्राम चरस, 986 किलोग्राम गांजा, 56 किलोग्राम आईसीई तथा 55 लाख नशीली गोलियों सहित भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं।

डीजीपी ने कहा कि इन बड़ी बरामदगियों के साथ-साथ पुलिस टीमों ने गिरफ्तार आरोपियों से 20 करोड़ रुपये की ड्रग मनी भी बरामद की है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक उन गुप्त हवाला चैनलों को आक्रामक ढंग से निशाना बनाना रहा है, जिनके माध्यम से नशे के कारोबार से अर्जित भारी मुनाफा विदेशी हैंडलरों और पाकिस्तानी आपूर्तिकर्ताओं तक पहुंचाया जाता था। उन्होंने बताया कि ये नेटवर्क शेल कंपनियों, व्हाट्सऐप और सिग्नल जैसे एन्क्रिप्टेड ऐप्स तथा वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय नंबरों के माध्यम से संचालित होते थे।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पंजाब पुलिस ने जांच अधिकारियों की सहायता के लिए प्रत्येक जिले में समर्पित वित्तीय जांच इकाइयां (एफआईयू) स्थापित की हैं, ताकि आरोपी किसी भी स्तर पर कानून के शिकंजे से बच न सकें। उन्होंने कहा कि इस संरचनात्मक सुधार के परिणामस्वरूप 65 हवाला ऑपरेटरों को गिरफ्तार किया गया तथा 8.85 करोड़ रुपये की हवाला राशि बरामद की गई। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण अभियानों में से एक में फगवाड़ा स्थित शर्मा फॉरेक्स मनी एक्सचेंज से 5.09 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त और फ्रीज की गईं। इस कार्रवाई से एक बड़े वित्तीय नेटवर्क का पदार्फाश हुआ, जो संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के माध्यम से पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के लिए ड्राइवरों के वेतन भुगतान की आड़ में धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) कर रहा था। सीमा पार नेटवर्क के एक अन्य महत्वपूर्ण हिस्से का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने लुधियाना में बीकानेर आधारित एक ऑपरेटर से 20.55 लाख रुपये बरामद किए, जो पाकिस्तान से जुड़े ड्रग कुरियरों को वित्तपोषित करने के लिए अग्रिम भुगतान का प्रबंधन करता था। इसी प्रकार अमृतसर में विदेशी मुद्रा तथा भारतीय मुद्रा सहित 1.24 करोड़ रुपये की बरामदगी से नार्को-हथियार गठजोड़ का भी खुलासा हुआ।

डीजीपी ने कहा कि यह अभूतपूर्व सफलता आधुनिक तकनीक और खुफिया जानकारी आधारित पुलिसिंग के व्यापक उपयोग से संभव हुई है। उन्होंने बताया कि पंजाब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम (पीएआईएस) के एकीकरण से जांच प्रक्रिया में क्रांतिकारी सुधार आया है। इस प्रणाली के माध्यम से 1.36 लाख एनडीपीएस एफआईआर तथा 93,000 से अधिक वॉयस सैंपलों के व्यापक डेटाबेस का प्रबंधन किया जा रहा है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि लगभग 43,400 मामलों के परस्पर संबंधों का व्यवस्थित विश्लेषण कर पूरी आपूर्ति श्रृंखला की पहचान पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप पुलिस ने 45,809 आपराधिक नेटवर्क कनेक्शनों का मानचित्रण किया। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में डिवाइस फॉरेंसिक की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। लैपटॉप और जब्त किए गए मोबाइल फोनों से प्राप्त तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्टेल द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे विदेशी वर्चुअल नंबरों और एन्क्रिप्टेड संचार तंत्र का पदार्फाश किया गया।

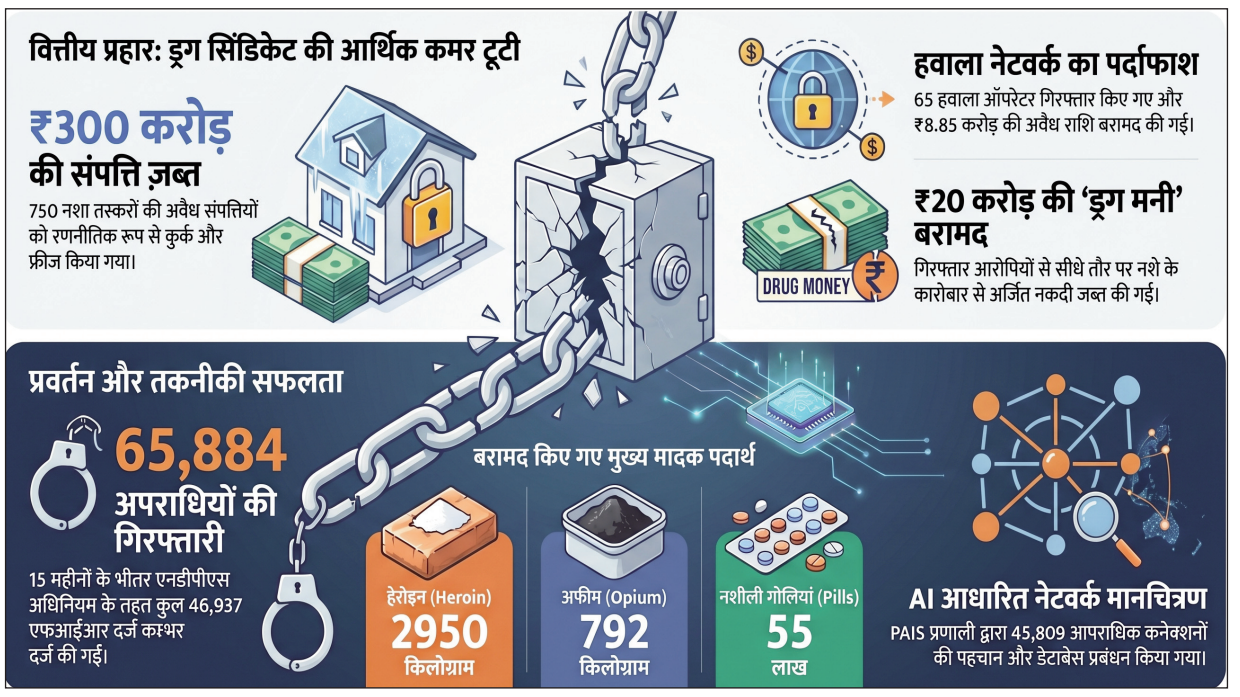

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने 8.76 करोड़ रुपये की लागत से बने सड़क विकास कार्य लोगों को समर्पित किए

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/संगरुर

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज क्षेत्र के गांवों में सड़क विकास के लिए तैयार किए गए विभिन्न परियोजनाओं को जनता को समर्पित किया। इन परियोजनाओं पर कुल लगभग 8.76 करोड़ रुपये की लागत आई है, जिससे गांवों की कनेक्टिविटी और यातायात सुविधाओं में बड़ा सुधार हुआ है। गांव डसका में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री ने बताया कि गांव बच्छूआना से गांव बरेटा (वाया डसका और बहादुरपुर) तक लगभग 10.5 किलोमीटर लंबी सड़क को 12 फुट से बढ़ाकर 18 फुट चौड़ा किया गया है। इस परियोजना पर लगभग 7 करोड़ 15 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पहले यह सड़क टूटी हुई और संकरी होने के कारण लोगों को आवागमन में भारी

कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था तथा दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता था। अब सड़क के चौड़ा होने से बच्छूआना, डसका और बहादुरपुर के निवासियों के लिए बरेटा जाना आसान हो गया है।

इसके अतिरिक्त, गांव डसका से खत्तरी वाला गांव तक लगभग 4 किलोमीटर लंबी नई सड़क का निर्माण किया गया है, जिस पर लगभग 1 करोड़ 27 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। पहले यह रास्ता कच्चा होने के कारण बारिश और गर्मी के मौसम में लोगों को काफी परेशानी होती थी, लेकिन अब यह समस्या पूरी तरह समाप्त हो गई है और दोनों गांवों के बीच संपर्क और मजबूत हो गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि डसका-बहादुरपुर रोड पर स्थित डेरा बाबा धौला पीर तक जाने वाली लगभग 1 किलोमीटर लंबी सड़क भी 34.50 लाख रुपये की लागत से तैयार की गई है। इस धार्मिक स्थल पर विभिन्न गांवों से आने वाले श्रद्धालुओं को अब बेहतर और सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब में बड़े स्तर पर सड़कों के निर्माण और नवीनीकरण का कार्य जारी है तथा लगभग 40 हजार किलोमीटर सड़कों को मजबूत किया जा रहा है। हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि क्षेत्र के लोगों ने भी स्वीकार किया है कि पिछले कई दशकों तक गांवों के विकास की उपेक्षा की गई, लेकिन वर्तमान सरकार गांवों और शहरों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इन सड़कों को जनता को समर्पित करके क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान किया गया है और आने वाले समय में पंजाब का सड़क ढांचा और अधिक मजबूत होगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

झिंझर की 'बोलेगा घनौर, बदलेगा दौर' पदयात्रा जारी

सिटी दर्पण संवाददाता
घनौर

यूथ अकाली दल के अध्यक्ष और घनौर हलका इंचार्ज सरबजीत सिंह झिंझर के नेतृत्व में 'बोलेगा घनौर, बदलेगा दौर' पदयात्रा रविवार को अपने दूसरे दिन में प्रवेश कर गई और घनौर हलके के गांवों से होती हुई आगे बढ़ती रही। दूसरे दिन यात्रा गांव पबरी, बादोली गुज्जरां, गंडेया खेड़ी, खानपुर गंडेया, महमूदपुर, आलममाजरा, खैरपुर, सैदखेड़ी, खानपुर और सुहरो से होकर गुजरी। 30 मई को शुरू हुई यह यात्रा 8 जून तक जारी रहेगी और घनौर क्षेत्र के 100 से अधिक गांवों को कवर करेगी।

एक गांव में मीडिया से बात करते हुए झिंझर ने मौजूदा और पिछली सरकारों पर घनौर के भोले-भाले लोगों का शोषण करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, घनौर के लोग बहुत सीधे-सादे हैं, लेकिन मौजूदा और पिछली सरकारों के नेताओं की चालाकी के कारण उन्हें लूटा गया है। झिंझर ने दावा किया कि घनौर के पंचायतों के लिए आवंटित 50 से 60 करोड़ रुपये का दुरुपयोग किया गया है, जिससे लोग दयनीय हालात में जीने को मजबूर हैं। उन्होंने मौजूदा सरकार पर लोगों की आवाज दबाने और सरकार के खिलाफ बोलने वालों को धमकाने का आरोप लगाया।

यूथ अकाली दल के नेता ने हलके की कई गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला परिषद चुनावों के दौरान महिलाओं के साथ धक्का-मुक्की और दुर्व्यवहार किया गया। उन्होंने अवैध खनन, मनरेगा के ठप पड़े होने, आटा-दाल योजना से लाभार्थियों के नाम काटे जाने और क्षेत्र में पीने के पानी की भारी कमी जैसे अनसुलझे मुद्दों की ओर भी इशारा किया। 2007 से 2017 के अकाली शासन से तुलना करते हुए झिंझर ने कहा कि उस दौर में गांव के लोग सीधे मुख्यमंत्री के पास जाकर अपने गांवों के लिए ग्रांट मांग सकते थे। उन्होंने कहा, अब हालात बिल्कुल अलग हैं – कोई ग्रांट नहीं है और लोगों को मुसीबतों में धकेला जा रहा है। झिंझर ने कहा कि यात्रा को नौजवानों का भरपूर समर्थन मिल रहा है और उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने घनौर के लोगों से बड़ी संख्या में यात्रा में शामिल होने की अपील की और कहा कि यह केवल एक मार्च नहीं बल्कि हलके के हर निवासी की गरिमा और अधिकारों के लिए एक आंदोलन है। उन्होंने कहा, यह यात्रा घनौर के लोगों की है – आइए, हमारे साथ चलिए और अपनी आवाज बुलंद कीजिए।

उपस्थित लोगों में स. सुच्चा सिंह जी अली माजरा सर्कल प्रधान, स. गुरजिंदर सिंह कबूलपुर सर्कल प्रधान, स. कुलविंदर सिंह लोहसिंबली सर्कल प्रधान, स. दीदार सिंह चटहेड़ी, स. गुरजंट सिंह महिदूदा, स. रघबीर सिंह सौंटा सर्कल प्रधान, स. समित्तर सिंह रुड़का सर्कल प्रधान, स. सुखविंदर सिंह सुक्खा यूथ प्रधान, मास्टर दविंदर सिंह टहिलपुरा सर्कल प्रधान, गुरबचन सिंह, उजागर सिंह, भूपिंदर सिंह डिप्टी, करनैल सिंह महिदूदपुर, गुरप्रीत सिंह सर्कल प्रधान खेड़ी गंडिया, जसपाल सिंह महिदूदपुर सर्कल प्रधान खैरपुर, जीत सिंह सूरम सैदखेड़ी सर्कल प्रधान, बिंदर सिंह भेड़वाल जय नगर सर्कल प्रधान, सुखविंदर सिंह आकड़, लाभ सिंह सरपंच आकड़, बलविंदर सिंह आकड़, हरचंद सिंह आकड़ी, गुरमीत सिंह टहिलपुरा, आदि उपस्थित रहे।

गैंगस्टरों ते वार का 131वां दिन पंजाब पुलिस द्वारा 433 स्थानों पर छापेमारी; 139 गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददात
चंडीगढ़

- पुलिस ने 86 के विरुद्ध एहतियाती कार्रवाई की, 12 पूछताछ के बाद रिहा
- एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गैंगस्टरों की सूचना दे सकते हैं

राज्य में चलाए जा रहे निर्णायक अभियान 'युद्ध गैंगस्टरों ते वारह्न' के 131वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे प्रदेश में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित एवं मैप किए गए 433 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'युद्ध गैंगस्टरों ते वारह्न' पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त राज्य बनाने के लिए छेड़ा गया एक निर्णायक अभियान है, जिसकी शुरूआत 20 जनवरी, 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं। 131वें दिन पुलिस टीमों ने पांच हथियारों सहित 139 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 32,927 हो गई है। इसके अतिरिक्त 86 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 12 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गोपनीय रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों की सूचना दे सकते हैं। इसके अलावा अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों संबंधी जानकारी भी साझा की जा सकती है।

पंजाब सरकार द्वारा बाढ़-रोधी कार्यों और आपदा प्रबंधन के लिए अग्रिम 146 करोड़ रुपये जारी किए

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- मान के नेतृत्व वाली सरकार प्रदेशवासियों के जान-माल की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध: मुंडियाँ
- वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए 100 करोड़ तथा बाढ़-रोधी सामग्री की खरीद के लिए 46 करोड़ जारी

पंजाब के राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियाँ ने आज बताया कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने बाढ़-रोधी कार्यों तथा राज्यभर में किसी भी प्राकृतिक आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अग्रिम रूप से 146 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आगामी मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए तथा बाढ़ जैसी किसी भी संभावित आपदा की स्थिति से तुरंत निपटने के लिए सरकार ने अग्रिम योजना बनाई है। ज़िला प्रशासनों को आवश्यक वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं ताकि वे आपदा प्रबंधन के साथ-साथ संभावित बाढ़ से होने वाले नुकसान को समय रहते कम कर सकें।

उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पंजाब के सभी ज़िलों को 100 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है ताकि ज़िला प्रशासन किसी भी संभावित प्राकृतिक आपदा से उत्पन्न परिस्थितियों का बिना किसी देरी के प्रभावी ढंग से सामना कर सके। उन्होंने आगे बताया कि इसके अतिरिक्त बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए नावों, बाढ़-रोधी सामग्री तथा अन्य आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु 46 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि भी जारी की गई है। इसके तहत प्रत्येक ज़िले को 2 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए हैं ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके।

आपदा प्रबंधन मंत्री ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा सभी ज़िलों की तैयारियों की लगातार समीक्षा की जा रही है तथा संबंधित अधिकारियों को मानसून सीजन से पहले सभी आवश्यक प्रबंध पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि समय पर धनराशि जारी होने से ज़िला प्रशासनों की आपदाओं से निपटने की क्षमता और अधिक मजबूत होगी।

स. हरदीप सिंह मुंडियाँ ने दोहराया कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य सरकार आपदा प्रबंधन, प्रदेशवासियों की सुरक्षा तथा बुनियादी ढांचे की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और लोगों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

संक्षिप्त-समाचार

जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य 13 जून 2026 तक चलेगा: डी.सी.

अमृतसर। डीसी अमृतसर दलविंदरजीत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा करवाई जा रही जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य 15 मई 2026 से शुरू हो चुका है, जो 13 जून 2026 तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि यह कार्य राष्ट्रीय महत्व का है और भविष्य में देश की विकास योजनाओं एवं नीतियों को तैयार करने में इसकी अहम भूमिका रहेगी। डी.सी. ने जिले के सभी निवासियों से अपील करते हुए कहा कि जनगणना के दौरान यदि कोई गणनाकार या जनगणना अधिकारी उनके घर जानकारी एकत्र करने के लिए आता है, तो उसे पूरा सहयोग दिया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा पूछे जाने वाले सभी प्रश्नों के सही, स्पष्ट और सटीक उत्तर दिए जाएं, ताकि जिले तथा देश के सही और विश्वसनीय आंकड़े तैयार किए जा सकें। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या की गिनती तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति का व्यापक आंकलन करने की प्रक्रिया है। इन आंकड़ों के आधार पर ही केंद्र एवं राज्य सरकारें भविष्य की योजनाएं तैयार करती हैं, जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, पेयजल, सड़क, बिजली तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित नीतियां शामिल होती हैं। श्री दलविंदरजीत सिंह ने कहा कि सही आंकड़े उपलब्ध होने से सरकार को जरूरतमंद वर्गों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहायता मिलती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रम में आए बिना इस प्रक्रिया में सकारात्मक सहयोग करें। इस अवसर पर डी.सी. ने जनगणना कार्य में लगे गणनाकारों एवं पर्यवेक्षकों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि जनगणना भारत सरकार का अत्यंत महत्वपूर्ण एवं समयबद्ध कार्य है, जिसे पूरी जिम्मेदारी, पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि डेटा संग्रहण के दौरान प्रत्येक जानकारी को सावधानीपूर्वक दर्ज किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी परिवार या व्यक्ति गणना से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि एकत्रित किया जाने वाला डेटा उच्च गुणवत्ता वाला, पूर्णतः सटीक तथा विश्वसनीय होना चाहिए, क्योंकि भविष्य में बनने वाली सभी सरकारी नीतियां एवं विकास योजनाएं इन्हीं आंकड़ों के आधार पर तैयार की जाएंगी। डी.सी. ने कहा कि जनगणना की सफलता जनता के सक्रिय सहयोग पर निर्भर करती है। उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से इस राष्ट्रीय दायित्व के निर्वहन में बढ़-चढ़कर भाग लेने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

एक किलो 145 ग्राम हेरोइन, 64 हजार रुपये ड्रग मनी सहित 4 आरोपी गिरफ्तार

अमृतसर। पुलिस कमिश्नर अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर आईपीएस के निर्देशों पर नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना इस्लामाबाद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एडीसीपी सिटी-1 श्री विशालजीत सिंह के दिशा-निर्देशों तथा एसीपी सेंट्रल श्री सुरिंदर सिंह की निगरानी में इंस्पेक्टर हरसंदीप सिंह, मुख्य अधिकारी थाना इस्लामाबाद अमृतसर के नेतृत्व में पुलिस चौकी कोट खालसा के इंचार्ज एसआई दविंदर सिंह की टीम ने कार्रवाई करते हुए 1 किलो 145 ग्राम हेरोइन, 64 हजार रुपये ड्रग मनी, एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा और एक एक्टिवा सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम द्वारा दो एक्टिवा सवार युवकों को शक के आधार पर रोककर जांच की गई। पकड़े गए आरोपियों की पहचान दानिश उर्फ नन्नू पुत्र सुनील गिल निवासी मकान नंबर 2193/13 गली मस्जिद वाली, लोहगढ़ चौक, थाना डी-डिवीजन अमृतसर तथा गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपा पुत्र रजिंदर सिंह निवासी बाबा नोढ़ सिंह गुरुद्वारा के नजदीक, गांव चीचा, थाना घरिंडा, अमृतसर के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 1 किलो 145 ग्राम हेरोइन, 64 हजार रुपये ड्रग मनी तथा एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद किया गया। इस संबंध में पुलिस चौकी कोट खालसा के इंचार्ज एसआई दविंदर सिंह द्वारा थाना इस्लामाबाद अमृतसर में मुकदमा नंबर 153 दिनांक 26 मई 2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पुलिस जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि गांव चीचा निवासी कंवलजीत सिंह उर्फ कंवल पुत्र पलविंदर सिंह, जो वर्तमान में एनडीपीएस एक्ट के अलग-अलग मामलों में सेंट्रल जेल अमृतसर में बंद है।

एनएफएचएस-6 की ऐतिहासिक सफलता के साथ निकोटीन के खिलाफ देश की लड़ाई में मिसाल बना पंजाब

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू सेवन के सबसे कम मामलों के साथ देश में अग्रणी बनकर उभरा पंजाब

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- डॉ. बलबीर सिंह ने तंबाकू सेवन की राज्य में अब तक की सबसे कम दर की सफलता को विश्व तंबाकू मुक्त विजन को समर्पित किया

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा करवाए गए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2023-24 (एनएफएचएस-6) के अनुसार, पंजाब ने देश में तंबाकू सेवन के सबसे कम मामलों के साथ जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है, जो विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम के अनुरूप है।

पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि यह देशव्यापी व्यापक सर्वेक्षण पंजाब को सभी भारतीय राज्यों में स्पष्ट रूप से शीर्ष स्थान पर स्थापित करता है और वैश्विक तंबाकू विरोधी अभियान के लिए एक प्रभावी मॉडल प्रस्तुत करता है। उन्होंने बताया कि राज्य में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों में तंबाकू उपयोग की दर अब तक की सबसे कम केवल 13.9 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो राष्ट्रीय औसत 36.3 प्रतिशत से आधे से भी कम है। महिलाओं में यह अंतर और भी अधिक स्पष्ट है। पंजाब में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं में तंबाकू उपयोग की दर मात्र 0.5 प्रतिशत दर्ज की गई है, जबकि राष्ट्रीय औसत 8.4 प्रतिशत है।

जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में यह उपलब्धि भारत के अन्य प्रमुख क्षेत्रों की तुलना में पंजाब के उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाती है तथा स्वास्थ्य प्रशासन में उसकी राष्ट्रीय नेतृत्वकारी भूमिका को और मजबूत करती है। साथ ही यह वैश्विक धूम्रपान-मुक्त लक्ष्यों की प्राप्ति को भी गति प्रदान करती है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना करते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि यह सफलता युवाओं और बच्चों को नशे के खतरे से बचाने के लिए राज्यभर में लागू किए गए निरंतर, बहुआयामी तंबाकू नियंत्रण ढांचे, सख्त कानूनी प्रवर्तन तथा सक्रिय सामुदायिक भागीदारी का प्रत्यक्ष परिणाम है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रोटोकॉल के अनुरूप एक स्वस्थ और नशामुक्त राज्य के निर्माण के लिए तंबाकू उल्लंघनों के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाई है। इसी संकल्प के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (सीओटीपीए), 2003 के अंतर्गत 22,054 चालान जारी किए गए हैं।

कैबिनेट मंत्री ने आगे बताया कि विश्व स्वास्थ्य संबंधी सलाहों के अनुरूप राज्य के क्लिनिकल सहायता ढांचे को और अधिक संस्थागत रूप दिया गया है। पंजाब के सभी जिलों में विशेष तंबाकू मुक्ति केंद्र पूरी तरह कार्यरत हैं, जो तंबाकू छोड़ने का प्रयास कर रहे लोगों को सुलभ चिकित्सा उपचार, परामर्श तथा मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान कर रहे हैं।

इस जनस्वास्थ्य उपलब्धि को आगे बढ़ाने वाली स्थानीय आईईसी (सूचना, शिक्षा एवं संचार) रणनीतियों का उल्लेख करते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि जमीनी स्तर पर सामुदायिक भागीदारी ने तंबाकू विरोधी अभियान को एक जनआंदोलन का रूप दे दिया है। पंजाब के 800 से अधिक गांव आधिकारिक रूप से स्वयं को पूर्णतः तंबाकू-मुक्त घोषित कर चुके हैं और अपने वातावरण की सुरक्षा के लिए सक्रिय भागीदार के रूप में कार्य कर रहे हैं।

भविष्य की पीढ़ियों को निकोटीन और तंबाकू की लत के शुरूआती संपर्क से बचाने, जो विश्व तंबाकू निषेध दिवस मिशन की प्रमुख प्राथमिकता है, के अंतर्गत राज्य ने राष्ट्रीय तंबाकू-मुक्त शैक्षणिक संस्थान (टीओईएफआई) दिशानिर्देशों के अनुसार पंजाब के 98.6 प्रतिशत स्कूलों को तंबाकू-मुक्त घोषित किया है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि पंजाब के लिए एनएफएचएस-6 का फील्डवर्क 1 मार्च 2024 से 1 अक्टूबर 2024 तक किया गया था, जिसमें 19,616 परिवारों, 20,135 महिलाओं और 3,160 पुरुषों का व्यापक सर्वेक्षण शामिल था।

राज्य की इस उपलब्धि को वैश्विक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार अपनी इस स्थिति को बनाए रखने तथा एक पूर्णतः स्वस्थ, जीवंत और तंबाकू-मुक्त समाज के निर्माण के लिए जन-जागरूकता अभियानों का विस्तार, कानूनों का सख्त क्रियान्वयन और सामुदायिक नेटवर्क को और मजबूत करना जारी रखेगी।

अमेरिका ने ओमान की खाड़ी में जहाज पर हेलफायर मिसाइल दागी, ईरान ने कहा-यह विश्वासघात

अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान के साथ शांति वार्ता पर संकट के बादल

चेतावनियों को ठेंगा दिखाने वाला 'एम/वी लियान स्टार' जहाज पूरी तरह तबाह

एजेंसी (हि.स.)

मस्कट (अमेरिका)

अमेरिका ने ओमान की खाड़ी में चेतावनी के बावजूद आगे बढ़ रहे व्यापारिक जहाज (टैंकर) को हेलफायर मिसाइल दागकर निष्क्रिय कर दिया। हेलफायर हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल है। अमेरिका की केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने अपने एक्स हैंडल पर यह जानकारी दी। सेंटकॉम अमेरिकी रक्षा विभाग की प्रमुख लड़ाकू कमान है।

यह मध्य पूर्व, मध्य एशिया और दक्षिण एशिया में अमेरिकी सुरक्षा हितों और सैन्य अभियानों का प्रबंधन करती है। ईरान ने अमेरिका के इस कदम की तीखी आलोचना की है। गल्फ न्यूज

फोटोः हि.स.

और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इससे दोनों देशों के बीच चल रही शांति वार्ता प्रभावित हो सकती है। सेंटकॉम ने कहा कि ओमान की खाड़ी में हेलफायर मिसाइल हमले में गाम्बिया का झंडा लगाकर गुजर रहे कमर्शियल जहाज को बेकार कर दिया गया है। यह जहाज चेतावनी को नजरअंदाज कर ईरानी बंदरगाह की ओर बढ़ता जा रहा था। ईरान के सर्वोच्च नेता के सलाहकार मोहसेन रजाई का कहना है कि अमेरिका सैन्य नाकाबंदी को जारी रखकर कूटनीतिक विश्वासघात कर रहा है। बेकार किए गए इस जहाज की पहचान एम/वी लियान स्टार के रूप में हुई है। बताया गया है कि अमेरिकी नौसेना और वायुसेना ने इसे अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में सैन्य नाकाबंदी के नियमों का उल्लंघन करते हुए आगे बढ़ते देखा। इसे 20 से ज्यादा बार चेतावनी दी गई। सेंटकॉम के अधिकारियों ने बताया कि जहाज के क्रू ने इन चेतावनियों का पालन नहीं किया।

तब इस पर मिसाइल हमला करना पड़ा। अब यह जहाज आगे नहीं बढ़ सकता। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि बावजूद इसके ईरान के साथ बातचीत अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शांति समझौता करने की जल्दबाजी नहीं है। वह ऐसा समझौता चाहते हैं जो उनके मानदंडों के अनुरूप हो।

राष्ट्रपति साफ कर चुके हैं कि ईरान को हर हाल में कुछ शर्तों को मानना होगा। समझौते का मसौदा तैयार है। ईरान को अपना परमाणु कार्यक्रम हर हाल में छोड़ना होगा। इसके बिना कोई भी समझौता असंभव है। पेंटागन प्रमुख हेगसेथ ने सिंगापुर में एक रक्षा शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेते हुए शनिवार को कहा कि जरूरत पड़ने पर वाशिंगटन को जंग फिर से शुरू करने में कोई गुरेज नहीं। अमेरिका के पास इसके लिए पर्याप्त साजो-सामान मौजूद है।

होर्मुज में संदिग्ध तैरती सुरंग मिलने से अलर्ट, ओमान ने जारी की चेतावनी

मस्कट (ओमान)। ओमान की समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने होर्मुज जलडमरूमध्य में एक संदिग्ध तैरती हुई सुरंग (माइन) देखे जाने के बाद चेतावनी जारी की है। एजेंसी ने नाविकों, मछुआरों और जहाजों से कहा है कि वे इस क्षेत्र से गुजरते समय बेहद सावधानी बरतें। एक्स पर जारी बयान में कहा गया कि ओमान के समुद्री क्षेत्र में होर्मुज के पास एक ऐसी वस्तु देखी गई है, जिसके माइन होने की आशंका है। इसलिए सभी समुद्री उपयोगकर्ताओं को सलाह दी गई है कि वे किसी भी संदिग्ध वस्तु से सुरक्षित दूरी बनाए रखें और उसकी जानकारी तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ओमान के अधिकारियों ने शनिवार को एक अलर्ट जारी किया। इसमें सभी जहाजों को सावधानी बरतने की चेतावनी दी गई। ओमान के मैरीटाइम सिक्योरिटी सेंटर ने दावा किया है कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास ओमान के जलक्षेत्र में एक संदिग्ध तैरती हुई वस्तु (संभवतः नौसैनिक सुरंग) देखी गई है। यह वस्तु जलडमरूमध्य के इनशोर ट्रैफिक जोन के ठीक पश्चिम में दिखी है। सलाह दी गई है किसभी नाविक, मछुआरे और कमर्शियल जहाज इससे दूरी बनाकर गुजरें और तत्काल सूचित करें। ओमान के रक्षा मंत्रालय ने भी इस सलाह को मानने का आह्वान किया है।

लेबनान में इजराइल और आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के बीच घमासान

आईडीएफ के जवान नबातीह के बिलकुल करीब

एजेंसी (हि.स.)

बेरूत (लेबनान)

दक्षिणी लेबनान में कोहराम मचा हुआ है। इजराइली सैनिकों और ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के बीच सैन्य टकराव थमने का नाम नहीं ले रहा। इस समय इजराइल का पूरा जोर लेबनान के प्रमुख शहर नबातीह को चारों ओर से घेरने पर लगा हुआ है। नबातीह हिजबुल्लाह का प्रमुख गढ़ है। उसके लगभग सारे प्रमुख कमांडर और नेता नबातीह में ही बाल-बच्चों के साथ रहते हैं।

शिया बहुल नबातीह को हिजबुल्लाह के सामाजिक आधार और प्रतिरोध की विचारधारा का मुख्य स्तंभ माना जाता है। वर्ष 1983 में अशूरा जुलूस के दौरान इजराइली सैनिकों के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह की चिंगारी यहीं से उठी थी। नबातीह इजराइल की सीमा के बिल्कुल करीब स्थित है। हिजबुल्लाह नबातीह से ही इजराइल के शहरों पर रॉकेट और मिसाइलें दागता है। नबातीह- नबातीह गवर्नरेट और काजा जिले का प्रशासनिक मुख्यालय है। अल

फोटोः हि.स.

जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के सैनिक हमला करते हुए नबातीह के बिलकुल करीब पहुंच गए हैं। साथ ही युद्ध से तबाह दक्षिण के कस्बों को जबरदस्ती आम लोगों से खाली कराया जा रहा है। आईडीएफ का लक्ष्य हिजबुल्लाह के ठिकानों और उसके कमांडरों का पूरी तरह सफाया करना है। लेबनान की सेना यह सब चुपचाप देख रही है। भू-राजनीतिक विश्लेषक जो मैकरॉन का कहना है कि लेबनानी सेना पूरी तरह से खिंची हुई है, क्योंकि इजराइली सैनिक लेबनानी इलाके पर अपना कब्जा बढ़ा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल की सेना लेबनान की लिटानी नदी के उत्तर की ओर बढ़ गई है। सैनिक नबातीह को धीरे-धीरे चारों ओर से घेर रहे हैं। हिजबुल्लाह ने आनन-फानन में उत्तरी इजराइल में नबातीह से रॉकेट हमले शुरू किए हैं। हमले की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने रक्षामंत्री इजराइल काट्ज, सैन्य प्रमुख इयाल जमीर और उत्तर में मोर्चों संभालने वरिष्ठ अधिकारियों से विचार-विमर्श किया है। हिजबुल्लाह ने शनिवार को नबातीह से इजराइल के उत्तर की ओर दर्जनों रॉकेट दागे। 17 अप्रैल को हुए सैन्य विराम के बाद पहली बार उत्तरी इजराइल के सफद और नाहरिया में रॉकेट से हमला किया गया है। इजराइली आर्मी रेडियो ने कहा है कि उत्तरी इजराइल में 1,099 बार चेतावनी सायरन बजाए गए। इस बीच, हिजबुल्लाह ने कहा कि उत्तरी इजराइल की नटुआ बस्ती के पास और गैलिली फॉरेस्ट मिलिट्री कैंप पर ड्रोन हमला किया गया है।

पाकिस्तान में 24 घंटों के दौरान हुए अलग-अलग सड़क हादसों में आठ लोगों की मौत

एजेंसी (हि.स.)

इस्लामाबाद

पाकिस्तान की संघीय राजधानी इस्लामाबाद और सिंध प्रांत की राजधानी कराची में पिछले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में आठ लोगों की मौत हो गई। इन हादसों में पांच लोग घायल हो गए। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद में शनिवार को भारा कहू अथल चौक पर हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और पांच गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि एक तेज गति कार ने दो कारों और कई मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी। इससे सड़क पर चार लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपित चालक अपनी कार छोड़कर फरार हो गया। सिंध पुलिस के अनुसार, कराची में शनिवार को कुछ ही घंटों के भीतर अलग-अलग इलाकों में हुई चार दुर्घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई। पहली दुर्घटना सोहराब गोठ में हुई। वहां सड़क पर बाइक फिसल जाने से एक मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई। दूसरी घटना में बलदिया रईस में तेज गति से चल रही एक कार ने एक मोटरसाइकिल चालक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। दुर्घटना के बाद कार चालक फरार हो गया। तीसरी घटना मलिर में हुई। यहां एक कार ने एक किशोर को कुचल दिया। दुर्घटना के बाद कार चालक फरार हो गया। कोरंगी क्रॉसिंग में एक टैंकर की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस वर्ष अकेले सिंध प्रांत में हुई यातायात दुर्घटनाओं में 415 लोगों की मौत हो चुकी है।

बांग्लादेश के फरीदपुर जिले में खसरे से मई में 18 की मौत

ढाका। बांग्लादेश के फरीदपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में खसरे से पीड़ित एक और बच्चे की मौत हो गई है। इस बच्चे की मौत के साथ फरीदपुर जिले में मई माह में ऐसी मौतों की संख्या बढ़कर 18 हो गई। मृतक तासिम झेनैदाह शहर के आसिम मिया का बेटा था। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, अस्पताल सूत्रों ने बताया कि तासिम को 29 मई को फरीदपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पिछले 24 घंटों के दौरान इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। फरीदपुर सिविल सर्जन कार्यालय के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले 24 घंटों में जिले भर के सरकारी अस्पतालों में खसरे के लक्षणों वाले 91 नए मरीज भर्ती हुए। इसी अवधि के दौरान 45 मरीज ठीक होकर घर लौट गए। वर्तमान में जिले के विभिन्न अस्पतालों में 183 मरीजों का इलाज चल रहा है, जिनमें फरीदपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती 118 बच्चे भी शामिल हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि संक्रमित मरीजों में अधिकतर बच्चे हैं। फरीदपुर के सिविल सर्जन डॉ. महमूदुल हसन ने कहा कि सरकारी निदेर्शों के अनुसार जरूरी दवाएं, उपकरण और कर्मचारियों की व्यवस्था कर ली गई है। उन्होंने कहा कि खसरे के मामलों में बढ़ोतरी इसलिए हो सकती है क्योंकि बकरीद की छुट्टियों के दौरान अलग-अलग इलाकों से बच्चे अपने गांवों में वापस आए थे।

असम विधानसभा सचिवालय में नियम विरुद्ध नियुक्तियों पर गिरी गाज, 28 सेवाएं समाप्त

एजेंसी (हि.स.)

गुवाहाटी

असम विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी के कार्यकाल के दौरान हुई कथित अनियमित नियुक्तियों को लेकर विधानसभा सचिवालय में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा के बाद अब तक कुल 28 कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नियुक्तियों में नियमों और निर्धारित प्रक्रियाओं की अनदेखी किए जाने के आरोपों के बाद विधानसभा सचिवालय ने भर्ती मामलों की जांच शुरू की थी। समीक्षा के दौरान कई नियुक्तियां नियमों के अनुरूप नहीं पाई गईं, जिसके आधार पर संबंधित कर्मचारियों को पदमुक्त करने का निर्णय लिया गया। कार्रवाई के पहले चरण में 29 मई को 12 कर्मचारियों को सेवा से मुक्त किया गया था। इसके बाद शनिवार को 16 अन्य कर्मचारियों की सेवाएं भी समाप्त कर दी गईं। इस तरह दो चरणों में कुल 28 कर्मचारियों को पद से हटाया जा चुका है। सूत्रों के अनुसार, भर्ती संबंधी मामलों की जांच और समीक्षा प्रक्रिया अभी भी जारी है। प्रशासन का कहना है कि नियुक्तियों में पारदर्शिता, जवाबदेही और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। प्रशासनिक हलकों में इस कार्रवाई को विधानसभा सचिवालय में भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और नियमसम्मत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वहीं, मामले से जुड़े अन्य नियुक्तियों की भी जांच की जा रही है और भविष्य में और कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया गया है।

नारायणपुर सड़क हादसे में दो बाइक सवारों की मौके पर मौत

लखीमपुर (असम)। नारायणपुर में शनिवार देर रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक टाटा टियागो कार और दो मोटरसाइकिलों के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवारों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान नारायणपुर के टिकिराई गांव निवासी भाईटी पेगू और दीपज्योति दलै के रूप में की गई है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और राहत कार्य में सहयोग किया। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही, दुर्घटना से संबंधित आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

रेल यात्रियों के मोबाइल चुराने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार, छह मोबाइल बरामद

एजेंसी (हि.स.)

सीवान

रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीवान की क्राइम प्रिवेंशन एंड डिटेक्शन स्क्वाड एवं जीआरपी ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए रेल यात्रियों के कीमती सामानों की चोरी करने वाले दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चोरी के छह मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 1.50 लाख रुपये बताई गई है। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त वाराणसी के निर्देश तथा आरपीएफ पोस्ट सीवान के प्रभारी निरीक्षक सुभाष चंद्र यादव के पर्यवेक्षण में रविवार को सीवान रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-4 के समीप झाड़ियों में छिपे दो संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की गई. तलाशी के दौरान उनके पास से विभिन्न कंपनियों के कुल छह चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पकड़े गए आरोपितों की पहचान पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले के जमुड़िया थाना क्षेत्र के निंधा निवासी 26 वर्षीय संजय नोनिया तथा झारखंड के साहेबगंज जिले के राजमहल थाना क्षेत्र के बाबुपुर तीनपहाड़ निवासी 23 वर्षीय करण कुमार के रूप में हुई है। पूछताछ में पता चला कि दोनों आरोपित पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार के विभिन्न रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनों में घूम-घूमकर रेल यात्रियों के मोबाइल एवं अन्य कीमती सामानों की चोरी करते थे। बरामद मोबाइल फोन में एक एप्पल, एक रेडमी, एक नोकिया, दो रियलमी तथा एक वीवो कंपनी का मोबाइल शामिल है। इस मामले में रेल थाना सीवान में कांड संख्या 89/26 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 317(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

विविध दर्पण

वैश्विक अभिभावक दिवस

बच्चों के सर्वांगीण विकास में माता-पिता की भूमिका का सम्मान

दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष 1 जून को वैश्विक अभिभावक दिवस (ग्लोबल डे ऑफ पैरेंट्स) मनाया जाता है। यह दिवस बच्चों के पालन-पोषण, शिक्षा, सुरक्षा और व्यक्तित्व निर्माण में माता-पिता तथा अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मान देने के लिए समर्पित है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2012 में इस दिवस को मनाने की घोषणा की थी, जिसके बाद से हर वर्ष विश्व समुदाय अभिभावकों के योगदान को विशेष रूप से याद करता है। बच्चों के जीवन में परिवार पहली पाठशाला माना जाता है और माता-पिता उनके पहले शिक्षक होते हैं। बचपन में मिलने वाले संस्कार, मूल्य, व्यवहार और जीवन कौशल किसी भी व्यक्ति के भविष्य की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में वैश्विक अभिभावक दिवस केवल सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि परिवार की भूमिका और जिम्मेदारियों के प्रति समाज को जागरूक करने का भी माध्यम है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, परिवार समाज की मूल इकाई है और बच्चों के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक तथा सामाजिक विकास के लिए सुरक्षित और सहयोगपूर्ण पारिवारिक वातावरण आवश्यक है। माता-पिता न केवल बच्चों की मूलभूत जरूरतों को पूरा करते हैं, बल्कि उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करने, नैतिक मूल्यों को अपनाने और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा भी प्रदान करते हैं। आज के बदलते सामाजिक और आर्थिक परिवेश में अभिभावकों की भूमिका पहले की तुलना में अधिक जटिल हो गई है। डिजिटल तकनीक, इंटरनेट और सामाजिक मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच बच्चों को सुरक्षित और संतुलित वातावरण उपलब्ध कराना एक बड़ी जिम्मेदारी बन गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के साथ संवाद, विश्वास और सकारात्मक सहभागिता उनके स्वस्थ विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वैश्विक अभिभावक दिवस की शुरूआत

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2012 में एक प्रस्ताव पारित कर 1 जून को वैश्विक अभिभावक दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य दुनिया भर के अभिभावकों द्वारा बच्चों के पालन-पोषण और विकास में दिए जाने वाले निस्वार्थ योगदान को मान्यता देना है। बाल अधिकारों के क्षेत्र में कार्यरत अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का कहना है कि परिवार बच्चों के भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य की नींव तैयार करता है। एक सहयोगी और सुरक्षित पारिवारिक माहौल बच्चों में आत्मविश्वास, सामाजिक कौशल और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में मदद करता है। इसके विपरीत असुरक्षित या तनावपूर्ण वातावरण बच्चों के विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। भारत जैसे देश में परिवार व्यवस्था सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण आधार रही है। संयुक्त परिवार से लेकर एकल परिवार तक, माता-पिता बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कार निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। बदलती जीवनशैली और व्यस्त दिनचर्या के बावजूद अभिभावकों की जिम्मेदारी कम नहीं हुई है, बल्कि बच्चों की नई आवश्यकताओं के अनुरूप और बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना, उनकी समस्याओं को सुनना, उन्हें निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने में मदद करना और सकारात्मक अनुशासन अपनाना आधुनिक अभिभावकत्व के महत्वपूर्ण पहलू हैं। इससे बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है और परिवार के भीतर विश्वास का वातावरण मजबूत बनता है।

बच्चों के विकास में परिवार की भूमिका

परिवार बच्चों को सुरक्षा, स्नेह और सामाजिक पहचान प्रदान करता है। यहीं से वे भाषा, व्यवहार, नैतिक मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारियों को सीखते हैं। प्रारंभिक वर्षों में पारिवारिक वातावरण का प्रभाव बच्चों के व्यक्तित्व पर दीर्घकालिक रूप से पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न बाल कल्याण संगठनों द्वारा समय-समय पर यह रेखांकित किया जाता रहा है कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए अभिभावकों को पर्याप्त सामाजिक और आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया जाना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पोषण और सुरक्षित वातावरण बच्चों के समग्र विकास के लिए आवश्यक हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी अभिभावकों की भूमिका विशेष रूप से सामने आई थी। स्कूलों के बंद रहने और घरों से पढ़ाई की व्यवस्था के बीच माता-पिता ने बच्चों की शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और दैनिक गतिविधियों को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अनुभव ने परिवार संस्था के महत्व को और अधिक स्पष्ट किया।

जिम्मेदार अभिभावकत्व क्यों जरूरी

विशेषज्ञों के अनुसार, जिम्मेदार अभिभावकत्व में बच्चों की शारीरिक जरूरतों के साथ-साथ उनकी भावनात्मक और मानसिक आवश्यकताओं पर भी ध्यान देना शामिल है। सकारात्मक संवाद, प्रोत्साहन और मार्गदर्शन बच्चों में आत्मविश्वास तथा नेतृत्व क्षमता विकसित करने में मदद करते हैं। वर्तमान समय में बच्चों को डिजिटल दुनिया से जुड़े अवसरों और चुनौतियों दोनों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अभिभावकों की भूमिका केवल संरक्षक की नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भी हो गई है। उन्हें बच्चों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, सामाजिक व्यवहार और जिम्मेदार नागरिकता के बारे में जागरूक करना होता है।

दिवस का मुख्य संदेश

वैश्विक अभिभावक दिवस का मुख्य उद्देश्य यह संदेश देना है कि बच्चों का उज्ज्वल भविष्य मजबूत परिवारों और जिम्मेदार अभिभावकों पर निर्भर करता है। समाज और सरकारों को भी ऐसी नीतियों और व्यवस्थाओं को बढ़ावा देना चाहिए जो परिवारों को सशक्त बनाएं और बच्चों के विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें। वैश्विक अभिभावक दिवस परिवार, प्रेम, जिम्मेदारी और समर्पण के उन मूल्यों का उत्सव है जो किसी भी समाज की स्थिरता और प्रगति की आधारशिला होते हैं। यह दिवस माता-पिता और अभिभावकों के उस अमूल्य योगदान को सम्मानित करता है, जो वे आने वाली पीढ़ियों के निर्माण में प्रतिदिन निभाते हैं। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए परिवारों को सशक्त बनाना और अभिभावकों को आवश्यक सहयोग प्रदान करना आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना पहले था।

विश्व दुग्ध दिवस 2026: पोषण, आजीविका और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती का प्रतीक

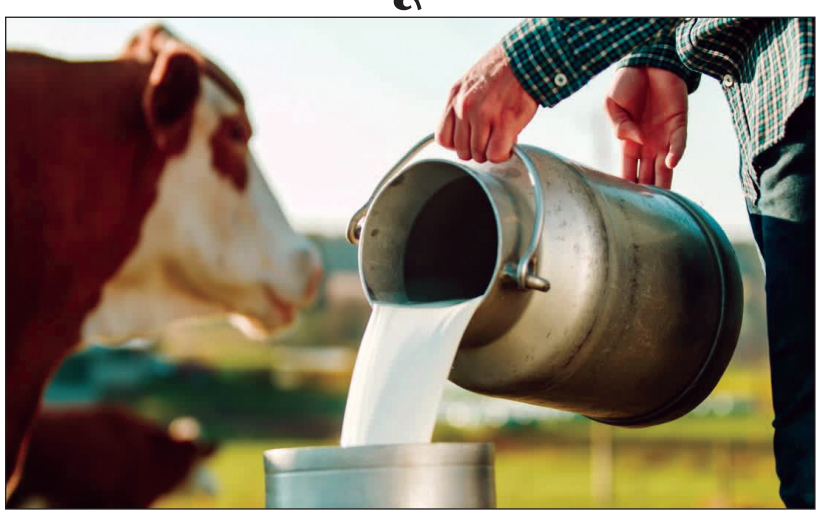

विश्व दुग्ध दिवस हर वर्ष 1 जून को दुनिया भर में मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य दूध और दुग्ध उत्पादों के पोषण मूल्य, खाद्य सुरक्षा में उनकी भूमिका तथा दुग्ध उद्योग के सामाजिक और आर्थिक योगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने वर्ष 2001 में इस दिवस की शुरूआत की थी। तब से यह दिन दुनिया के अनेक देशों में दूध उत्पादन, पशुपालन और पोषण संबंधी जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। भारत के संदर्भ में विश्व दुग्ध दिवस का महत्व और भी अधिक है, क्योंकि देश न केवल दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक है, बल्कि करोड़ों ग्रामीण परिवारों की आजीविका भी इसी क्षेत्र पर निर्भर है। दुग्ध उत्पादन ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दूध को संपूर्ण आहार माना जाता है क्योंकि इसमें शरीर के विकास और स्वास्थ्य के लिए आवश्यक अनेक पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन-डी, विटामिन-बी12, पोटैशियम और अन्य आवश्यक खनिज मौजूद होते हैं। चिकित्सक और पोषण विशेषज्ञ संतुलित आहार के हिस्से के रूप में दूध और दुग्ध उत्पादों के नियमित सेवन की सलाह देते हैं।

विशेष रूप से बच्चों, किशोरों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों के लिए दूध पोषण का महत्वपूर्ण स्रोत माना जाता है। भारत में दुग्ध क्षेत्र का विकास एक लंबी और प्रेरणादायक यात्रा का परिणाम है। स्वतंत्रता के शुरूआती वर्षों में देश को दूध की कमी का सामना करना पड़ता था, लेकिन 1970 के दशक में शुरू किए गए 'ऑपरेशन फ्लड' ने इस स्थिति को बदल दिया। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के नेतृत्व में संचालित इस कार्यक्रम ने सहकारी दुग्ध आंदोलन को नई दिशा दी और लाखों किसानों को संगठित बाजार से जोड़ने का काम किया। इसके परिणामस्वरूप देश में दूध उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और भारत धीरे-धीरे विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश बन गया।

विश्व दुग्ध दिवस की शुरूआत

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने वर्ष 2001 में विश्व दुग्ध दिवस मनाने की शुरूआत की थी। इसका उद्देश्य दूध के पोषण महत्व और दुग्ध उद्योग के आर्थिक योगदान के बारे में वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ाना है। हर वर्ष विभिन्न देशों में इस अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम, संगोष्ठियां और विशेष अभियान आयोजित किए जाते हैं। भारत सरकार भी दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। राष्ट्रीय पशुधन मिशन, राष्ट्रीय डेयरी योजना और डेयरी प्रसंस्करण एवं अवसंरचना विकास से संबंधित कार्यक्रमों के माध्यम से पशुपालकों को सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अलावा, पशुओं की नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान, पशु स्वास्थ्य सेवाओं और आधुनिक डेयरी सुविधाओं के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती आबादी और पोषण संबंधी जरूरतों को देखते हुए दुग्ध क्षेत्र की भूमिका आने वाले वर्षों में और महत्वपूर्ण होगी। हालांकि इस क्षेत्र के सामने कई चुनौतियां भी हैं। पशुओं के चारे की लागत में वृद्धि, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, पशु रोगों की रोकथाम और दुग्ध गुणवत्ता बनाए रखना प्रमुख चुनौतियों में शामिल हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए वैज्ञानिक पशुपालन, बेहतर प्रबंधन और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर जोर दिया जा रहा है।

भारत की वैश्विक स्थिति

भारत कई वर्षों से विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश बना हुआ है। देश का कुल दूध उत्पादन लगातार बढ़ रहा है और वैश्विक उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी महत्वपूर्ण मानी जाती है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, पंजाब, हरियाणा और आंध्र प्रदेश सहित कई राज्य दुग्ध उत्पादन में अग्रणी हैं। दूध और दुग्ध उत्पादों की मांग भी लगातार बढ़ रही है। शहरीकरण, बढ़ती आय और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के कारण दूध, दही, पनीर, घी और अन्य दुग्ध उत्पादों की खपत में वृद्धि दर्ज की जा रही है। इससे डेयरी उद्योग को नए अवसर मिल रहे हैं और किसानों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित हो रहे हैं। विश्व दुग्ध दिवस केवल दूध के महत्व को रेखांकित करने का अवसर नहीं है, बल्कि उन लाखों पशुपालकों और डेयरी किसानों के योगदान को सम्मान देने का भी दिन है, जो प्रतिदिन उपभोक्ताओं तक पौष्टिक दूध पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी देश की खाद्य और पोषण सुरक्षा को मजबूत आधार प्रदान करती है।

दूध के प्रमुख पोषक तत्व

दूध में उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन, कैल्शियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, विटामिन-बी12 और अन्य आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने, मांसपेशियों के विकास तथा शरीर की सामान्य वृद्धि और स्वास्थ्य बनाए रखने में सहायक माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, संतुलित आहार, स्वच्छ दुग्ध उत्पादन और सुरक्षित प्रसंस्करण व्यवस्था पर ध्यान देकर दूध के पोषण लाभों को अधिक प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाया जा सकता है। इसी उद्देश्य से विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर सरकारें, डेयरी संस्थान, सहकारी समितियां और विभिन्न संगठन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। विश्व दुग्ध दिवस का संदेश स्पष्ट है कि दूध केवल एक खाद्य पदार्थ नहीं, बल्कि पोषण, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और आर्थिक सशक्तीकरण का महत्वपूर्ण माध्यम है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में दुग्ध क्षेत्र की निरंतर प्रगति न केवल किसानों की समृद्धि से जुड़ी है, बल्कि देश की पोषण सुरक्षा और समावेशी विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स में गुजरात के राहुल जाखड़ ने रचा इतिहास

हांगकांग में डेकाथलॉन स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

एजेंसी (हि.स.)
वापी

- विश्व रैंकिंग के शीर्ष-8 में बनाई जगह

गुजरात के खेल जगत के लिए गर्व का क्षण सामने आया है। वलसाड जिले के चरवाड़ा गांव के 18 वर्षीय युवा एथलीट राहुल जाखड़ ने हांगकांग (चीन) में आयोजित 22वीं एशियन यू-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में डेकाथलॉन स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। राहुल ने न केवल भारत को स्वर्ण पदक दिलाया, बल्कि अंडर-20 वर्ग में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया।

27 से 31 मई तक आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में राहुल जाखड़ ने एथलेटिक्स की सबसे कठिन मानी जाने वाली डेकाथलॉन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया। डेकाथलॉन में खिलाड़ियों को दो दिनों के दौरान 10 अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग लेना होता है, जिनमें 100 मीटर, 400 मीटर, 110 मीटर हर्डल्स, 1500 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जेवलिन थ्रो और पोल वॉल्ट शामिल हैं।

राहुल ने इन सभी स्पधाओं में बेहतरीन संतुलन और निरंतरता दिखाते हुए कुल 7,185 अंक हासिल किए। इस प्रदर्शन के साथ वह एशिया के सर्वश्रेष्ठ यू-20 डेकाथलीट बन गए हैं। साथ ही उन्होंने विश्व रैंकिंग में भी शीर्ष-8 खिलाड़ियों में स्थान बना लिया है मैदान देखकर जागा था एथलीट बनने का सपना

मूल रूप से राजस्थान के सीकर जिले से संबंध रखने वाले राहुल का परिवार पिछले लगभग 30 वर्षों से वलसाड के वापी में रहकर निर्माण व्यवसाय से जुड़ा हुआ है। राहुल की सफलता की कहानी किसी प्रेरणादायक फिल्मी कथा से कम नहीं है। कुछ वर्ष पहले राहुल अपने पिता के साथ शाम के समय टहलने निकले थे। एक मैदान में खिलाड़ियों को अभ्यास करते देख उनके मन में एथलीट बनने की इच्छा जागी। अगले ही दिन उन्होंने भी दौड़ का अभ्यास शुरू कर दिया। बाद में स्कूल की ओर से खेल महाकुंभ में भाग लेकर लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता, जिसने उनके आत्मविश्वास को नई उड़ान दी।राहुल ने अपने खेल करियर की शुरूआत बनासकांठा के गढ़ स्थित जिला स्तरीय खेल विद्यालय (DLSS) में कोच विपुल चौधरी के मार्गदर्शन में की। वर्ष 2024 में उनकी प्रतिभा को देखते हुए उन्हें स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ गुजरात (SAG) के नडियाद स्थित हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में चयनित किया गया।

फोटोः हि.स.

यहां कोच शिवम उपाध्याय, धर्मेंद्र परमार और सतेश उपाध्याय के मार्गदर्शन में राहुल ने डेकाथलॉन की जटिल तकनीकों में महारत हासिल की। आज वही युवा, जो कभी मैदान के बाहर खड़े होकर खिलाड़ियों को देखा करता था, एशिया के विजेता मंच पर खड़ा होकर देश और गुजरात का नाम रोशन कर रहा है।

राहुल जाखड़ ने अपनी सफलता का श्रेय गुजरात सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं और प्रशिक्षण व्यवस्था को देते हुए कहा, गुजरात सरकार ने हमें जो विश्वस्तरीय सुविधाएं और अवसर प्रदान किए हैं, उसी की बदौलत यह उपलब्धि संभव हो पाई है। अब मेरा अगला लक्ष्य कॉमनवेल्थ गेम्स और ओलंपिक में भारत का तिरंगा लहराना है, जिसके लिए मैं दिन-रात मेहनत करने को तैयार हूं।

राहुल जाखड़ की यह उपलब्धि साबित करती है कि दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और सही मार्गदर्शन के दम पर ग्रामीण स्तर से निकली प्रतिभाएं भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर इतिहास रच सकती हैं।

ब्रिटिश ओपन स्क्वाश: अभय सिंह और वीर चोटरानी दूसरे दौर में, टंडन व अनाहत बाहर

- भारतीय खिलाड़ियों का मिला-जुला प्रदर्शन, अभय और चोटरानी ने दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी (हि.स.)
बर्मिंघम

प्रतिष्ठित ब्रिटिश ओपन स्क्वाश चैंपियनशिप में भारत के अभय सिंह और वीर चोटरानी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष एकल वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। हालांकि, अन्य भारतीय खिलाड़ी रमित टंडन और महिला वर्ग में अनाहत सिंह को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज अभय सिंह ने कोलंबिया के मैटियस नुडसेन को एकतरफा मुकाबले में 11-8, 11-5, 11-4 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। अभय ने पूरे मैच के दौरान आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

एक अन्य मुकाबले में विश्व के 44वें नंबर के खिलाड़ी वीर चोटरानी ने पाकिस्तान के नूर जमां को 11-8, 12-14, 11-6, 11-7 से पराजित

किया। पहला गेम जीतने के बाद चोटरानी दूसरा गेम गंवा बैठे, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अगले दो गेम अपने नाम किए और मुकाबला जीत लिया।

भारतीय खिलाड़ी अभय सिंह ने कोलंबिया के मैटियस नुडसेन के खिलाफ लगातार तीन गेम जीतकर सीधे सेटों में मुकाबला अपने नाम किया। उनकी जीत का अंतर दर्शाता है कि उन्होंने मैच पर शुरू से अंत तक नियंत्रण बनाए रखा। भारत को उस समय झटका लगा जब अनुभवी खिलाड़ी रमित टंडन अपना मुकाबला पूरा नहीं कर सके। फ्रांस के ऑगस्टे डुसोर्ड के खिलाफ मैच के दौरान टंडन को बीच में ही हटना पड़ा। मुकाबला छोड़ने के समय वह 14-12, 4-7 से पीछे चल रहे थे। महिला एकल वर्ग में भारत की उम्मीदें भी पहले दौर में ही समाप्त हो गईं। विश्व रैंकिंग में 21वें स्थान पर मौजूद अनाहत सिंह को मिस्र की नार्डिन गारास के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। विश्व की 36वें नंबर की खिलाड़ी गारास ने यह मुकाबला 11-8, 8-11, 11-8, 11-9 से जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। वीर चोटरानी ने पाकिस्तान के नूर जमां के खिलाफ चार गेम तक चले मुकाबले में धैर्य और संयम का परिचय दिया। दूसरा गेम गंवाने के बावजूद उन्होंने अगले दोनों गेम जीतकर मैच अपने पक्ष में कर लिया। ब्रिटिश ओपन को विश्व स्क्वाश की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में गिना जाता है।

अनाहत का अभियान समाप्त

भारत की युवा स्टार अनाहत सिंह ने मिस्र की नार्डिन गारास को कड़ी चुनौती दी, लेकिन निर्णायक क्षणों में मिस्र की खिलाड़ी अधिक प्रभावी साबित हुईं। चार गेम तक चले मुकाबले के बाद अनाहत को हार स्वीकार करनी पड़ी। भारतीय चुनौती अब पुरुष वर्ग में अभय सिंह और वीर चोटरानी पर टिकी है। दोनों खिलाड़ी दूसरे दौर में भी अपने अच्छे प्रदर्शन को जारी रखते हुए आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे। उनके प्रदर्शन पर भारतीय स्क्वाश प्रेमियों की निगाहें बनी रहेंगी।

कुछ कोच अहंकारी और बदलाव स्वीकारने को तैयार नहीं: अंतिल

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता और विश्व रिकॉर्डधारी भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल ने भारतीय खेलों की कोचिंग व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि कुछ कोच अत्यधिक अहंकारी, जिद्दी और पुराने तौर-तरीकों पर अड़े रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे कई कोच खिलाड़ियों के साथ उचित व्यवहार नहीं करते और समय के साथ सीखने तथा अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाने के लिए भी तैयार नहीं होते। हाल ही में बेंगलुरु में आयोजित प्रतियोगिता में एफ64 भाला फेंक वर्ग में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ने वाले अंतिल ने एक साक्षात्कार में कहा कि खेल जगत में अधिकांश कोच मेहनती और समर्पित हैं, लेकिन एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो आधुनिक तकनीकों और बदलती जरूरतों को स्वीकार करने से हिचकिचाता है। सुमित ने कहा, कुछ कोच अत्यधिक अहंकारी होते हैं। वे सीखने या समय के साथ बदलने के लिए तैयार नहीं रहते। मैंने ऐसे प्रशिक्षकों को देखा है जो नई चीजों को स्वीकार ही नहीं करना चाहते। सुमित अंतिल द्वारा लगाए गए आरोपों के संबंध में संपर्क किए जाने पर संबंधित पूर्व कोच ने कहा कि उन पर लगाए गए आरोप सही नहीं हैं। उन्होंने आरोपों को खारिज करते हुए अपनी असहमति व्यक्त की।

भारतीय पैरा खेलों के सबसे बड़े सितारों में शामिल सुमित अंतिल के ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब देश में खेल संरचना, खिलाड़ी कल्याण और पेशेवर कोचिंग व्यवस्था को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के बीच स्वस्थ संवाद, पारदर्शिता तथा पारस्परिक सम्मान ही बेहतर प्रदर्शन और दीर्घकालिक सफलता की आधारशिला बन सकते हैं।

निर्णायक मुकाबले में जीत के लिए तैयार भारत

एजेंसी (हि.स.)
ब्रिस्टल

- श्रृंखला अपने नाम करने का भरोसा: श्रीचरणी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरणी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में मिली हार के बाद कहा कि जीत से टीम का आत्मविश्वास और बढ़ता, लेकिन खिलाड़ी अब निर्णायक तीसरे मैच में जीत दर्ज कर श्रृंखला अपने नाम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के दूसरे मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड ने भारत को 26 रन से हराकर श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी।

भारतीय टीम ने पहला मुकाबला 38 रन से जीतकर बढ़त बनाई थी, लेकिन दूसरे मैच में इंग्लैंड ने वापसी करते हुए मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया। अब श्रृंखला का फैसला तीसरे और अंतिम मैच में होगा। यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए विशेष महत्व रखती है क्योंकि 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में महिला टी20 विश्व कप का आयोजन शुरू होने जा रहा है। ऐसे में दोनों टीमें विश्व कप से पहले अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी हैं। मैच के बाद पत्रकारों से बातचीत में श्रीचरणी ने कहा कि टीम का लक्ष्य हर मुकाबला जीतना होता है क्योंकि लगातार जीत से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि यदि भारतीय टीम दूसरा मैच भी जीत जाती तो लगातार दूसरी सफलता से टीम का मनोबल और ऊंचा होता।श्रीचरणी ने कहा, हमारे लिए हर मैच महत्वपूर्ण है। जीत से आत्मविश्वास बढ़ता है और टीम को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। यदि हम यह मैच जीतते तो यह लगातार दूसरी जीत होती, जिससे हमें और अधिक भरोसा मिलता। हालांकि अब हमारे सामने एक अच्छी चुनौती है और हम उसका सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। तीन मैचों की टी20 श्रृंखला

फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। भारत ने पहला मुकाबला 38 रन से जीता था, जबकि इंग्लैंड ने दूसरे मैच में 26 रन से जीत दर्ज की। अब तीसरा मुकाबला श्रृंखला का निर्णायक मैच होगा। दूसरे टी20 मैच में श्रीचरणी भारतीय टीम की सबसे प्रभावी गेंदबाजों में शामिल रहीं। उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट अपने नाम किए और इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम पर दबाव बनाए रखा। उनकी गेंदबाजी ने एक बार फिर यह साबित किया कि वह सीमित ओवरों के प्रारूप में भारत की महत्वपूर्ण स्पिन विकल्प हैं। अपनी गेंदबाजी शैली और रणनीति के बारे में बात करते हुए श्रीचरणी ने कहा कि वह अपनी स्वाभाविक ताकत पर भरोसा करती हैं और अनावश्यक प्रयोग करने के बजाय अपनी मूल क्षमता को बेहतर ढंग से इस्तेमाल करने का प्रयास करती हैं। उन्होंने कहा, मैं हमेशा अपनी मजबूत पक्ष को ध्यान में रखकर गेंदबाजी करती हूं। मैं कुछ अलग या नया करने की कोशिश नहीं करती। मेरा मानना है कि गेंद को प्रभावी तरीके से टर्न कराना मेरी सबसे बड़ी ताकत है और मैं उसी पर ध्यान केंद्रित करती हूं।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही यह टी20 श्रृंखला आगामी महिला टी20 विश्व कप की तैयारी का अहम हिस्सा मानी जा रही है। दोनों टीमें अपनी संयोजन, रणनीति और खिलाड़ियों की फॉर्म को परखने का प्रयास कर रही हैं। भारतीय महिला टीम के लिए यह श्रृंखला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विश्व कप में उसे मजबूत टीमों के खिलाफ चुनौतीपूर्ण मुकाबले खेलने हैं। इंग्लैंड जैसी शीर्ष टीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने से खिलाड़ियों को अपनी कमियों और मजबूत पक्षों का बेहतर आकलन करने का अवसर मिल रहा है।

फ्रेंच ओपन: कोको गॉफ तीसरे दौर में बाहर, नाओमी ओसाका ने बढ़ाया कदम

एजेंसी (हि.स.)
पेरिस

फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग में बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जब मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ का खिताब बचाने का अभियान तीसरे दौर में ही समाप्त हो गया। वहीं, चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने शानदार संघर्षपूर्ण जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश कर लिया।

विश्व टेनिस की प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल अमेरिकी स्टार गॉफ को रूस की अनास्तासिया पोटापोवा ने तीन सेटों तक चले रोमांचक मुकाबले में 4-6, 7-6 (1), 6-4 से पराजित किया। पोटापोवा ने पूरे मैच में लंबी बेसलाइन रैलियों और बेहतरीन कोर्ट कवरेज के जरिए गॉफ को कड़ी टक्कर दी और अंततः जीत हासिल कर टूर्नामेंट के सबसे बड़े उलटफेरों में से एक को अंजाम दिया। पहला सेट गंवाने के बाद पोटापोवा ने शानदार वापसी की। दूसरे सेट के टाईब्रेक में उन्होंने दबदबा बनाते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया और फिर निर्णायक सेट में संयमित खेल

दिखाकर जीत अपने नाम कर ली। मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ तीसरे दौर में ही प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। अनास्तासिया पोटापोवा ने तीन सेटों तक चले मुकाबले में उन्हें 4-6, 7-6 (1), 6-4 से हराया। दूसरी ओर, जापान की स्टार खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने अपना शानदार अभियान जारी रखा। अपने करियर के 100वें ग्रैंड स्लैम मुकाबले में उन्होंने 18 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी इवा जोविक को लगभग तीन घंटे तक चले कड़े मुकाबले में 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया। ओसाका और जोविक के बीच मुकाबला बेहद प्रतिस्पर्धी रहा। दोनों खिलाड़ियों ने उच्च स्तरीय टेनिस का प्रदर्शन किया, लेकिन निर्णायक क्षणों में ओसाका का अनुभव उनके काम आया।

पीएसजी ने लगातार दूसरी बार जीता खिताब

- रोमांचक फाइनल में पेनल्टी शूटआउट से हुआ फैसला

एजेंसी (हि.स.)
बुडापेस्ट

पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने यूरोपीय फुटबॉल में अपना दबदबा कायम रखते हुए लगातार दूसरी बार यूईएफए चैंपियंस लीग का खिताब जीत लिया। बुडापेस्ट के पुस्कास स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में पीएसजी ने इंग्लैंड के आर्सेनल को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से पराजित कर ट्रॉफी अपने नाम की।

निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय की समाप्ति तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर थीं। इसके बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ, जिसमें पीएसजी के खिलाड़ियों ने बेहतर संयम दिखाया और लगातार दूसरी बार यूरोप की सबसे प्रतिष्ठित क्लब प्रतियोगिता का खिताब जीतने में सफलता हासिल की। इस जीत के साथ

पीएसजी आधुनिक चैंपियंस लीग युग में लगातार दो बार खिताब जीतने वाली चुनिंदा टीमों में शामिल हो गई है। इससे पहले यह उपलब्धि सबसे अधिक 15 बार की चैंपियन रियाल मैड्रिड ने हासिल की थी।

फाइनल मुकाबले की शुरूआत आर्सेनल के लिए शानदार रही। इंग्लिश क्लब ने छठे मिनट में काई हावर्ट्ज.के गोल की बदौलत बढ़त हासिल कर ली। शुरूआती झटके के बावजूद पीएसजी ने अपना धैर्य बनाए रखा और लगातार आक्रमण करते हुए मैच में वापसी की कोशिश जारी रखी। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 से बराबर रहा। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में पीएसजी ने आर्सेनल को 4-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया। दूसरे हाफ में पीएसजी के दबाव का असर दिखा और 65वें मिनट में उसे पेनल्टी मिली। स्टार खिलाड़ी ओस्मान डेम्बेले ने इस अवसर को भुनाते हुए गोल दागा और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने कई अवसर बनाए, लेकिन कोई भी निर्णायक बढ़त हासिल नहीं कर सकी। लगभग एक दशक बाद चैंपियंस लीग फाइनल अतिरिक्त समय तक पहुंचा। अतिरिक्त समय में भी दोनों टीमों की रक्षा पंक्तियां मजबूत रहीं और मैच का परिणाम नहीं निकल सका। अंततः विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ।

निर्णायक क्षण तब आया जब आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मैगाल्हेस अपनी टीम की अंतिम पेनल्टी को गोलपोस्ट के ऊपर मार बैठे। उनकी इस चूक ने पीएसजी की जीत सुनिश्चित कर दी और फ्रांसीसी क्लब के खिलाड़ियों तथा समर्थकों के बीच जश्न का माहौल बन गया। पीएसजी के कप्तान मार्किनहोस ने जीत के बाद कहा कि लगातार दूसरी बार चैंपियन बनना आसान नहीं था। उन्होंने टीम की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए इसे पूरे क्लब के लिए अविस्मरणीय उपलब्धि बताया।

जीत के बाद पीएसजी के कप्तान मार्किनहोस ने कहा कि टीम ने पूरे सत्र में कठिन परिश्रम किया और उसी का परिणाम इस ऐतिहासिक सफलता के रूप में सामने आया।

नॉर्वे शतरंज: गुकेश ने प्रज्ञानानंदा को हराया

- खिताब की दौड़ में बनाए रखी दावेदारी

एजेंसी (हि.स.)
ओस्लो

विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने हमवतन आर प्रज्ञानानंदा को क्लासिकल मुकाबले में पराजित कर पूरे तीन अंक हासिल किए। इस महत्वपूर्ण जीत के साथ गुकेश ने खिताब की दौड़ में अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है। वहीं महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने शानदार जीत दर्ज कर पहली बार अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

अपना 20वां जन्मदिन मनाने के दो दिन बाद गुकेश ने प्रज्ञानानंदा के खिलाफ संयमित और प्रभावी खेल का प्रदर्शन किया। क्लासिकल मुकाबले में मिली जीत से उनके कुल 6.5 अंक हो गए हैं और वह प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। जीत के बाद

स्टेडियम में मौजूद शतरंज प्रेमियों ने विश्व चैंपियन गुकेश के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और उनसे ऑटोग्राफ भी लिए। इस हार के बावजूद प्रज्ञानानंदा छह अंकों के साथ चौथे स्थान पर बने हुए हैं। जर्मनी के ग्रैंडमास्टर विंसेंट कीमर पांच अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। पांच दौर की समाप्ति के बाद अलीरेजा फि रोजा 10 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर कायम हैं। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो 8.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि गुकेश 6.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। प्रतियोगिता में एक बड़ा उलटफेर तब देखने को मिला जब मौजूदा चैंपियन और मेजबान देश के दिग्गज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इस हार से कार्लसन की मुश्किलें बढ़ गई हैं और वह छह खिलाड़ियों की तालिका में सबसे निचले स्थान पर पहुंच गए हैं। वेस्ली सो ने इस जीत के साथ अपने अंक बढ़ाकर 8.5 कर लिए और वह दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वहीं फ्रांस के अलीरेजा फि रोजा लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए 10 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं और खिताब के प्रबल दावेदार नजर आ रहे हैं। नॉर्वे शतरंज के मौजूदा चैंपियन मैग्नस कार्लसन पांच दौर के बाद 4.5 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर खिसक गए हैं। घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहे कार्लसन के लिए अब वापसी की राह चुनौतीपूर्ण हो गई है।

महिला वर्ग में भारत के लिए दिन और भी यादगार रहा। विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख ने चीन की झू जिनर को क्लासिकल मुकाबले में हराकर पूरे तीन अंक अर्जित किए। दिव्या ने 84 चालों तक चले लंबे मुकाबले में धैर्य और रणनीतिक कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। इस सफलता के साथ दिव्या के कुल 8.5 अंक हो गए हैं और वह पहली बार छह खिलाड़ियों की तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई हैं। उनका यह प्रदर्शन भारतीय महिला शतरंज के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

भविष्य के टेस्ट खिलाड़ी हैं सूर्यवंशी, उन पर दबाव बनाना ठीक नहीं: सचिन तेंदुलकर

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारतीय क्रिकेट के नए उभरते सितारे और युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की जमकर सराहना की है। तेंदुलकर ने सूर्यवंशी को एक 'विशेष' (स्पेशल) प्रतिभा करार देते हुए कोच और मेंटर्स (मार्गदर्शकों) से एक खास अपील की है। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट में तेजी से आगे बढ़ रहे इस युवा खिलाड़ी के स्वाभाविक और नैसर्गिक खेल के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ या हस्तक्षेप नहीं किया जाना चाहिए।

'क्रिकइन्फो ऑनर्स' कार्यक्रम के दौरान तेंदुलकर ने सूर्यवंशी की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा, आज हर कोई सूर्यवंशी के बारे में बात कर रहा है। मैंने खुद उन्हें बल्लेबाजी करते देखा है और यह वाकई एक शानदार अनुभव था। वह सचमुच कुछ खास हैं। मुझे सिर्फ उनकी गेंद को हिट करने की क्षमता ने ही नहीं, बल्कि उनकी कलाई के अद्भुत इस्तेमाल ने भी बेहद प्रभावित किया है। तेंदुलकर ने आगे कहा कि मैदान के हर

कोने में शॉट खेलने के लिए कलाई का बेहतर इस्तेमाल बहुत जरूरी है। सूर्यवंशी गेंद को ताकत से मारने के बजाय बाकी बल्लेबाजों की तुलना में उसकी लाइन और लेंथ को बहुत पहले भांप लेते हैं और सहजता से छक्का जड़ देते हैं। तेंदुलकर ने उम्मीद जताई कि सूर्यवंशी में भविष्य में टेस्ट क्रिकेट में भारत का प्रतिनिधित्व करने का पूरा हुनर है, लेकिन उन्होंने आगाह भी किया कि इतनी कम उम्र में इस किशोर खिलाड़ी से बहुत अधिक उम्मीदें पालना सही नहीं है। मैं उनसे यही कहूंगा कि वे जैसे हैं, वैसे ही बने रहें। क्रिकेट में आपके करियर के आखिरी दिन और आखिरी गेंद तक समस्याएं और चुनौतियां बनी रहेंगी। गेंदबाज हमेशा नई चुनौती पेश करेगा, यह आप पर निर्भर करता है कि आप उससे कैसे निपटते हैं।

अंडर-18 महिला एशिया कप

नौशीन, श्रुति और किरण के गोल से भारतीय टीम पूल ए में शीर्ष पर पहुंची

भारत ने कोरिया को 3-1 से हराया, लगातार दूसरी जीत दर्ज

एजेंसी (हि.स.)
काकामिगाहारा (जापान)

- पेनल्टी कॉर्नर में भारत की बढ़त

भारतीय महिला हॉकी टीम ने अंडर-18 एशिया कप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पूल ए के दूसरे मुकाबले में कोरिया को 3-1 से पराजित कर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने प्रतियोगिता में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है तथा पूल तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।

भारत की ओर से नौशीन नाज, श्रुति कुमारी और किरण एक्का ने एक-एक गोल दागा। इससे पहले भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में मलेशिया को हराया था और अब कोरिया के खिलाफ जीत के साथ उसका विजयी अभियान जारी है। भारतीय टीम ने मुकाबले की शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और शुरूआती मिनटों में ही कोरियाई रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। टीम को पहले क्वार्टर में पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसका नौशीन नाज ने चौथे मिनट में सफलतापूर्वक गोल में बदलकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में मलेशिया को हराया था। कोरिया के खिलाफ मिली जीत के बाद टीम के छह अंक हो गए हैं और वह पूल ए में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है।

पहले गोल के बाद भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपना दबदबा बनाए रखा। दूसरे क्वार्टर में टीम ने लगातार हमले जारी रखे और 21वें मिनट में श्रुति कुमारी ने शानदार मैदानी गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। इस गोल ने भारत को हाफ टाइम तक मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में कोरिया ने वापसी की कोशिश की और तीसरे क्वार्टर के 41वें मिनट में

ग्योंगमिन रियू ने गोल कर अपनी टीम का खाता खोला। इस गोल से कोरिया ने अंतर 2-1 कर दिया और मुकाबले में रोमांच बढ़ गया।

हालांकि भारतीय टीम ने दबाव में संयम बनाए रखा और कोरिया को ज्यादा देर तक वापसी का मौका नहीं दिया। कोरिया के गोल के महज दो मिनट बाद भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे किरण एक्का ने गोल में बदलकर टीम की बढ़त फिर दो गोल की कर दी। इस गोल ने भारत की जीत लगभग सुनिश्चित कर दी। मुकाबले में भारत को चार पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जबकि कोरिया को केवल दो पेनल्टी कॉर्नर प्राप्त हुए। भारतीय टीम ने मिले अवसरों का बेहतर उपयोग करते हुए मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। पूरे मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने गेंद पर बेहतर नियंत्रण रखा और आक्रमण तथा रक्षा दोनों विभागों में संतुलित प्रदर्शन किया। टीम की तेज गति, सटीक पासिंग और गोल करने के अवसरों को भुनाने की क्षमता ने उसे बढ़त दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत अब 2 जून को पूल ए के अपने अंतिम लीग मैच में सिंगापुर का सामना करेगा। टीम की कोशिश जीत की लय को बरकरार रखते हुए पूल चरण का समापन शीर्ष स्थान के साथ करने की होगी।

भारतीय टीम की लगातार दो जीतों ने उसे पूल ए की अंक तालिका में छह अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंचा दिया है। खिलाड़ियों के आत्मविश्वास में भी बढ़ोतरी हुई है और टीम टूर्नामेंट में मजबूत दावेदार के रूप में उभर रही है। नौशीन नाज, श्रुति कुमारी और किरण एक्का के गोल भारतीय टीम की आक्रामक क्षमता को दर्शाते हैं। युवा खिलाड़ियों के प्रभावी प्रदर्शन ने संकेत दिया है कि भारतीय महिला हॉकी का भविष्य मजबूत हाथों में है। मलेशिया और कोरिया जैसी टीमों के खिलाफ लगातार जीत से भारतीय टीम का मनोबल ऊंचा है। अब उसकी निगाहें सिंगापुर के खिलाफ अगले मुकाबले पर हैं, जहां जीत दर्ज कर वह पूल चरण में अपना दबदबा कायम रखने का प्रयास करेगी।

सभी वर्ग अपने युवाओं को नशा से दूर कर लें तो पूरा समाज नशा मुक्त हो जाएगा : गुलाब चंद कटारिया

जाट भवन में आओ नशामुक्त भविष्य का मिलकर निर्माण करें विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने समाज के सभी वर्गों से आान किया कि वे अपने - अपने वर्ग के युवाओं को नशा से दूर कर लें तो पूरा समाज नशा मुक्त हो जाएगा। अगर समय रहते नहीं संभले तो नशा भावी पीढ़ी को मानसिक और शारीरिक तौर पर खोखला कर देगा। कटारिया आज यहां सेक्टर 27 स्थित जाट भवन में आओ नशामुक्त भविष्य का मिलकर निर्माण करें नामक राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर एक स्मारिका का भी विमोचन किया गया।

राज्यपाल ने जाट समाज द्वारा नशा के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए समाज के अन्य वर्गों को भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठनों का प्रभाव ज्यादा पड़ता है। जिस प्रकार समाज ने दहेज प्रथा या अन्य सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अपना अभियान चलाकर लोगों में जागृति लाने का काम किया है , उसी प्रकार नशा के खिलाफ भी सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। कटारिया ने विभिन्न जेलों में नशा बेचने के आरोप में पकडे गए लोगों से किया गया संवाद सांझा करते हुए बताया कि कुछ लोग धन दौलत कमाने के चक्कर में गरीब लोगों और विशेष कर युवाओं को अपने जाल में फांसते हैं , असली दोषी इनको बरगलाने वाला है न कि नशा करने वाला। उन्होंने अभिभावकों से भी अपने बच्चों की मित्र मंडली पर नजर रखने की हिदायत दी और कहा कि किसी भी युवा पर सबसे ज्यादा प्रभाव उसके संगी -साथियों का पड़ता है। उन्होंने कहा कि नशा करने वालों से नफरत करने की बजाए उनको प्यार से समझाएं। भारत के एडिशनल

सॉलिसिटर जरनल एवं पूर्व सांसद सत्यपाल जैन ने सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जो व्यक्ति नशा करते हैं वो बाहरी तौर पर बेशक स्वस्थ दिखाई देते हैं लेकिन वो अंदर से खोखले हो चुके होते हैं। उन्होंने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि भारत में फिलहाल 8 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जो किसी न किसी नशा के आदी हैं।

सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस मदन लोकुर ने नशा के मामले में कई कानूनी पहलुओं की जानकारी दी और बताया कि दवा के रूप में कुछ ड्रग की अनुमति तो संविधान में दी गई है , लेकिन नशा के तौर पर अत्यधिक मात्रा की मनाही है। जाट सभा के अध्यक्ष एवं सेमिनार आयोजन समिति के चेयरमैन डॉ एम.एस मलिक (पूर्व डीजीपी , हरियाणा पुलिस) ने सभी अतिथियों के स्वागत करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को नशा से बचाने के लिए यह सेमिनार आयोजित किया जा रहा है। जाट भवन, चण्डीगढ़ के कार्यालय सचिव प्रेम सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर पंजाब यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ रेणु विग, पूर्व डीजीपी डॉ. के पी सिंह, लेफ्टिनेट जरनल सुखदीप सिंह सांगवान, पूर्व डीजीपी जी.एस मलही, ईडी के पूर्व डायरेक्टर करनेल सिंह, एनसीबी जोनल यूनिट चंडीगढ़ के अतिरिक्त डायरेक्टर अमनजीत सिंह, डॉ ईश्वर सिंह, डॉ सुमन सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता रामकुमार मलिक, रम्मी मलिक, डॉ एच के बाली, आकाश गोयल, प्रोफेसर हरबंस, रिपन महत्ता समेत कई विषय विशेषज्ञों को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। सेमिनार में सीनियर ड्रग कंट्रोलर डॉ. सारिका मालिक ,जाट सभा के उपाध्यक्ष जयपाल पुनिया , सचिव बी एस गिल, महावीर फौगाट, जे.एस ढिल्लों, नरेश दहिया, विमल जून, डॉ सत्यव्रत धनखड़, मनबीर सिंह सांगवान, सुरेंद्र बांगड़, अशोक श्योकंद, सुखबीर सिंह हुडा, प्रेम सिंह, डॉ सतबीर सिंह सैनी, सतीश कुमार, प्रेम सिंह, डॉ सतबीर सिंह सैनी, आनंद लाठर, कपिल मल्हान समेत कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित थे।

टीआईई चंडीगढ़ ने प्रगति 2026 में महिला चेंजमेकर्स का किया सम्मान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

महिला उद्यमिता, नेतृत्व और नवाचार को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, टीआईई चंडीगढ़ ने हयात रीजेंसी, चंडीगढ़ में प्रगति -समय से आगे बढ़ती महिलाएं विकास शिखर सम्मेलन 2026 का सफल आयोजन किया। इस शिखर सम्मेलन में उद्यमियों, पेशेवरों, नीति-निमार्ताओं, निवेशकों, शिक्षाविदों और विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह आयोजन प्रेरणादायक संवाद, सीखने, आपसी संपर्क बढ़ाने और सम्मान प्रदान करने का एक प्रभावशाली मंच बना। टीआईई महिला पहल के अंतर्गत आयोजित प्रगति का उद्देश्य महिला नेताओं की उपलब्धियों का सम्मान करने के साथ-साथ उनके विकास, मार्गदर्शन और सहयोग के लिए सार्थक अवसर उपलब्ध कराना था। पिछले दो दशकों से क्षेत्र में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा दे रही टीआईई चंडीगढ़ ने इस शिखर सम्मेलन को केवल सम्मान तक सीमित न रखते हुए इसे एक ऐसे मंच के रूप में तैयार किया, जहां उभरती और स्थापित महिला उद्यमियों को व्यावहारिक मार्गदर्शन, आपसी संपर्क के अवसर और आवश्यक सहयोग व्यवस्था तक पहुंच प्राप्त हो सके। कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत संबोधन और दीप प्रज्ज्वलन समारोह के साथ हुई, जिसके बाद कई प्रेरक मुख्य वक्तव्य और विशेष संवाद सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में से एक उद्देश्य आधारित पहचान निर्माण पर केंद्रित चर्चा रही, जिसमें स्नोबेरी इंडिया की सह-संस्थापक यामिनी जैन ने अपने विचार साझा किए। इसके अलावा, प्रतिभागियों को टीआईई चंडीगढ़ के मुख्य मार्गदर्शक तथा स्मार्टडाटा एंटरप्राइजेज के वैश्विक मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक अजय तिवारी से उद्यमिता से जुड़े महत्वपूर्ण अनुभव और व्यावहारिक सुझाव प्राप्त हुए। सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण डॉ. मधु चितकारा के साथ प्रेरणादायक संवाद रहा। उन्होंने एक शैक्षणिक संस्थान के निर्माण और नेतृत्व की अपनी यात्रा साझा की। कार्यक्रम में नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी) के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया और महिला उद्यमियों के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी।

एक वोट से हारी भाजपा प्रत्याशी ने मोहाली प्रशासन पर लगाए सरकार के अधीन काम करने का आरोप

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मोहाली के अधीन आते गाँव बल्लोमाजरा (वार्ड नम्बर 47) से नगर निगम चुनाव लड़ रही भाजपा उम्मीदवार सुखदीप कौर ने चुनाव परिणाम के दौरान मोहाली प्रशासन और पुलिस प्रशासन पर धक्केशाही और सरकार के अधीन काम करने के आरोप लगाए हैं।

सुखदीप कौर ने मोहाली प्रशासन और पुलिस प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि गत दिवस 29 मई को आए चुनाव परिणाम के दौरान उन्हें आप उम्मीदवार परमिंदर कौर से 1 वोट से हारे घोषित किया गया। 1624 पोल हुई वोट में उन्हें 424 वोट मिले, जबकि परमिंदर कौर को 425 वोट हासिल हुई और उसे विजयी घोषित कर दिया गया। उन्होंने इस को लेकर आर ओ (एस डी एम) दमनदीप कौर व शमिंदर सिंह और अन्य से काउंटिंग को लेकर आपति जताई। लेकिन आर ओ दमनप्रीत कौर ने उनकी एक न-सुनी और पुलिस प्रशासन को बोलकर उन्हें धक्के मार कर हाल से बाहर करवा दिया। उन्होंने बड़ा शोर मचाया और प्रशासन और पुलिस बल द्वारा की गई धक्केशाही के खिलाफ खूब शोर मचाया। लेकिन कोई हल नही निकला।

सुखदीप कौर ने बताया कि सरकार की धक्केशाही इतनी जबरदस्त रही कि उन्होंने विजेता उम्मीदवार को दिए विनिंग सर्टिफिकेट में उनके हस्ताक्षर करवाना ही मुनासिब नही समझा। उन्होंने कहा कि इन निगम चुनावों में सरकार की तरफ से पूरी तरह धक्केशाही और गुंडागर्दी की गई है। आप सरकार ने अपने उम्मीदवारों को जिताने में कोई कसर नही छोड़ी। सरकार ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल की पूरी मदद ली है। उन्होंने मांग की कि उनके वार्ड में पुनः से निष्पक्ष चुनाव करवाए जाएं। जिससे कि सही और उचित उम्मीदवार ही जीते।

चंडीगढ़ के गांवों की समस्याओं को प्रशासक के समक्ष रखा भाजपा नेताओं ने, मिला निजात का आश्वासन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी, चण्डीगढ़ के पूर्व अध्यक्ष संजय टंडन तथा भाजपा प्रदेश महामंत्री रामवीर भट्टी के नेतृत्व में चण्डीगढ़ के सभी गांवों की समस्याओं को प्रशासक गुलाब चंद कटारिया के समक्ष रखा गया। इस दौरान गांवों की खेती योग्य जमीनों की सीएलयू (चेंज ऑफ लैंड यूज) से संबंधित मुद्दों तथा गांवों की मूलभूत सुविधाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से गांवों में पेयजल समस्या के समाधान, रेड लाइन के बाहर बने मकानों को पानी के कनेक्शन उपलब्ध करवाने तथा चंडीगढ़ के सभी गांवों को नहरी पानी से जोड़ने की मांग रखी गई।

इसके साथ ही गांव दरिया की समस्याओं से भी प्रशासक को अवगत कराया गया। काउंसलर सरदार धर्मिंदर सिंह सैनी ने चंडीगढ़ प्रशासन के समक्ष गांव दरिया की विभिन्न समस्याओं को रखते हुए एक ज्ञापन भी सौंपा। उन्होंने बताया कि गांव दरिया की काफी जमीन रेलवे स्टेशन परियोजना तथा फॉरेस्ट विभाग द्वारा अधिग्रहित कर ली गई है। गांववासियों की सुविधा के लिए फॉरेस्ट विभाग की उपलब्ध भूमि पर पार्क निर्माण की मांग भी उठाई गई।

साथ ही गांव दरिया के पास नर्सरी टी-पॉइंट के नजदीक लगभग 4ञ्5 एकड़ कॉर्पोरेशन की खाली पड़ी जमीन पर बच्चों के लिए खेलकूद सुविधाओं सहित एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तथा लोगों की सुविधा के लिए एक कम्युनिटी सेंटर बनाने की मांग भी रखी गई। प्रशासक कटारिया ने आश्वासन दिया कि इन समस्याओं से जल्द निजात दिलाई जाएगी और आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी।

इस अवसर पर चंडीगढ़ के सभी गांवों के प्रतिनिधियों सहित सरदार दीदार सिंह (चेयरमैन, खादी बोर्ड), सरदार जुझार सिंह (चेयरमैन, कोऑपरेटिव बैंक, चंडीगढ़), सरदार मनदीप सिंह (प्रधान, किसान मोर्चा, चंडीगढ़), एम.सी. चंडीगढ़ के काउंसलर हरजीत सिंह, कुंवर राणा, कुलजीत सिंह, नरेश पंचाल (उपाध्यक्ष, भाजपा चंडीगढ़) सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 3 जून को मोरनी में सुनेंगे जनसमस्याएं

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूलाहरियाणा

के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी 3 जून को पंचकूला के मोरनी स्थित राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में जनसुनवाई करेंगे। इस दौरान वे क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनेंगे और उनके समाधान के लिए मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देंगे।

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री जनसुनवाई के साथ-साथ प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के सदस्यों से भी संवाद करेंगे। हरियाणा सरकार किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने और मिट्टी के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित कर रही है।

उपायुक्त ने बताया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जनसुनवाई के दौरान सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री नागरिकों की समस्याएं सुनने के साथ-साथ अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी देंगे।

- अधिकारियों को देंगे समाधान के निर्देश
- जनसुनवाई के साथ किसानों से संवाद करेंगे मुख्यमंत्री नायब सैनी

एक मुश्त निपटान स्कीम, 2025 का 115223 व्यापारियों ने उठाया लाभ: हरवीर सिंह चौहान

हरियाणा सरकार द्वारा आज से 28 सितंबर तक एक मुश्त निपटान स्कीम, 2026 का शुभारंभ

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा सरकार ने 1 जून 2026 से 120 दिनों के लिए 28 सितंबर 2026 तक एक मुश्त निपटान स्कीम, 2026 का शुभारंभ किया है। हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2025 में छोटे व्यापारियों को लाभ देने के लिए शुरू की गई एकमुश्त निपटान स्कीम को व्यापारियों ने हाथो हाथ लिया और उसका 115223 व्यापारियों ने पुरजोर लाभ उठाया। इस संबंध में जानकारी देते हुए डीईटीसी सेल्स हरवीर सिंह चौहान ने बताया कि इस स्कीम की अभूतपूर्व कामयाबी को देखते हुए सरकार ने एक बार फिर निपटान स्कीम लाने का विचार किया है जिसके द्वारा पुराने बकायों को निपटाया जा सके तथा अदालतों में लंबित मुकदमों का समाधान किया जा सके।

उन्होंने बताया कि जीएसटी में कम से कम बकाया राशियों के साथ आगे बढ़ा जाए ताकि जीएसटी संग्रह को बढ़ाने में अधिक से अधिक समय और ध्यान दिया जा सके। उन्होंने बताया कि इस स्कीम की विशेषताओं में सात कराधान अधिनियमों के तहत निर्धारित बकाया देय राशि के निपटान का प्रावधान है। यदि किसी करदाता पर किसी संबंधित अधिनियम के अंतर्गत एक वर्ष में 1 लाख रुपए तक का कर बकाया है तो उसे इस स्कीम में आवेदन करने की आवश्यकता नही है। उसका उस वर्ष के लिए उस अधिनियम में संपूर्ण कर, ब्याज एवं जुमार्ना राशि माफ हो जाएगी। इसी प्रकार आवेदक अपने बकाया देय राशि के निपटान के लिए किसी भी अधिनियम में किसी भी वर्ष के लिए आवेदन कर सकता है। पूर्ववर्ती हरियाणा सामान्य बिक्री कर अधिनियम, 1973 के तहत बकाया राशि के निपटान के लिए विशेष छूट उपलब्ध है। हरियाणा सामान्य बिक्री

कर अधिनियम, 1973 को 1 अप्रैल, 2003 से हरियाणा मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2003 के लागू होने के साथ निरस्त कर दिया गया था। हरियाणा सामान्य बिक्री कर के तहत बकाया देय बहुत पुराने हैं, इसलिए 1 लाख से अधिक कर बकाया वाले सभी मामलों में 70 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि फार्म सी, फार्म एफ, फार्म एच, फार्म ई1, फार्म ई2. टैक्स इनवॉइस/वैट सी-4, बैट डी1, बैट डी2 आदि जैसे वैधानिक प्रपत्रों के न जमा करने के कारण बड़ी संख्या में बकाया राशि देय है। इन मामलों में से कुछ विभिन्न अपील स्तरों पर हैं। इन बकाया को विशेष रूप से लक्षित करने के लिए एक नई छूट प्रस्तावित की जा रही है। यदि कोई व्यक्ति अब ऐसे प्रपत्र प्रस्तुत करने में सक्षम है, तो उसके कर की मांग उन प्रपत्रों के प्रस्तुत करने से प्राप्त होने वाली छूट की राशि से घटा कर कम कर दी जाएगी, बशर्ते ये प्रपत्र तीन महीने के भीतर सत्यापित हो जाएं। यह लाभ ऐसे फर्जी/नकली फर्मों को उपलब्ध नहीं होगा जिनके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू की गई है। यह लाभ उन वैधानिक प्रपत्रों के लिए भी उपलब्ध नहीं होगा जिन्हें पहले प्राधिकरणों द्वारा अस्वीकार कर दिया गया था। यह केवल हरियाणा मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2003 और केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 से संबंधित बकाया राशि पर लागू होगा।

उन्होंने कर छूट की विभिन्न श्रेणियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सामान्य बिक्री कर अधिनियम, 1973 के तहत प्रदान की गई कर छूट। आवेदक को प्रत्येक पूर्ववर्ती स्लैब में दी गई छूट का पूर्ण लाम उसके बकाया कर राशि की स्लैब तक मिलेगा। बकाया राशि निर्धारित करने वाले किसी भी आदेश के विरूद्ध अपील या मुकदमे में शामिल आवेदक भी लंबित अपीय या मुकदमे को वापस लेने की शर्त के साथ इस स्कीम के तहत आवेदन कर सकते है। उन्होंने बताया कि निपटान की राशि का भुगतान किस्तों में करने की भी सुविधा स्कीम में दी जा रही है। पाँच लाख तक के निपटान की राशि के लिए कोई किस्त नहीं। पाँच लाख रुपए से अधिक और पच्चीस लाख रुपए तक के निपटान की राशि के लिए दो समान किस्तें। एक किस्त आवेदन जमा करते समय और दूसरी अंतरिम आदेश की तिथि से 60 दिनों के भीतर। इसी प्रकार पच्चीस लाख रुपए से अधिक के निपटान की राशि के लिए तीन किस्तें होगी। आवेदन जमा करते समय निपटान राशि का 40 प्रतिशत अंतरिम आदेश की तिथि से 60 दिनों के भीतर दूसरी किस्त, निपटान राशि का 30 प्रतिशत और अंतरिम आदेश की तिथि से 120 दिनों के भीतर शेष राशि की तीसरी किस्त।

उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में जहाँ निपटान के लिए आवेदन सही पाया गया है और स्वीकार कर लिया गया है तो आवेदक के खिलाफ कोई आगे की कार्यवाही शुरू नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस स्कीम से संबंधित जानकारी के लिए डीईटीसी सेल्स कार्यालय दूसरा मंजिल पर आकर कोई भी व्यापारी विस्तार से जानकारी ले सकते है।

संक्षिप्त-समाचार

कुलभूषण गोयल एवं अजय मित्तल डॉ. अर्चना गुप्ता से मिले

पंचकूला। हरियाणा भाजपा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता से भाजपा पंचकूला के जिला अध्यक्ष अजय मित्तल एवं पूर्व मेयर कुलभूषण गोयल ने मुलाकात की और उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अजय मित्तल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि डा. अर्चना गुप्ता भाजपा की वरिष्ठ एवं समर्पित महिला कार्यकर्ता हैं। उन्होंने जिला एवं प्रदेश स्तर पर विभिन्न संगठनात्मक दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। डा. अर्चना गुप्ता एक कुशल संगठनकर्ता होने के साथ-साथ अपने विनम्र स्वभाव, सकारात्मक सोच एवं कार्यकताओं के प्रति आत्मीय व्यवहार के कारण संगठन में बेहद लोकप्रिय हैं। कुलभूषण गोयल ने कहा कि डा. अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में हरियाणा भाजपा संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश संगठन की कमान एक महिला कार्यकर्ता को सौंपना समस्त हरियाणा वासियों, विशेषकर महिलाओं के लिए गर्व और सम्मान का विषय है।

इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 2 स्थित फायर स्टेशन की बिल्डिंग के नवीनीकरण के कार्य की शुरूआत

चंडीगढ़। वार्ड नंबर 19, रामदरबार से आम आदमी पार्टी की पार्षद नेहा मुसावत के प्रयासों से इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 2 स्थित फायर स्टेशन की बिल्डिंग के नवीनीकरण के कार्य की शुरुआत हुई। इस अवसर पर उन्होंने नारियल फोड़ कर व पूजा अर्चना करके विधिवत तरीके से काम का शुभारम्भ किया।

2026 में पंजाब में लगाए जाएंगे 1 लाख पेड़

चंडीगढ़। युवा उद्यमी एवं समाजसेवी रितिक अरोड़ा को एनवायरनमेंट फॉरेस्ट एंड क्लाइमेट चेंज कमीशन का पंजाब राज्य चेयरमैन नियुक्त किया गया है। कमीशन के ऑल इंडिया ओएसडी हरिंदर ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा पंजाब की वाइस प्रेसिडेंट एकता नागपाल, रेल मंत्रालय की पच्चउउ के सदस्य अमित सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। नियुक्ति के बाद रितिक अरोड़ा ने घोषणा की कि वर्ष 2026 में पंजाब भर में 1 लाख पेड़ लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। अरोड़ा ने अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भी संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि नदी क्षेत्रों में औचक निरीक्षण और छापेमारी कर प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही पंजाब को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए जागरूकता और जनभागीदारी अभियान भी चलाए जाएंगे। युवाओं, सामाजिक संस्थाओं और शिक्षण संस्थानों के सहयोग से स्वच्छ, हरित और स्वस्थ पंजाब के निर्माण का लक्ष्य पूरा किया जाएगा।

पृथ्वी सिंह प्रजापति बने सेक्टर-41ए रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष

चंडीगढ़। सेक्टर-41ए रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के चुनाव में पृथ्वी सिंह प्रजापति को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। उनके अलावा ओ. पी. भगत को महासचिव, अमन कुमार को उपाध्यक्ष, रमेश गुप्ता को कोषाध्यक्ष तथा विशाल गर्ग़ी को प्रेस सचिव नियुक्त किया गया। रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के चुनावों के लिए सोनू वर्मा को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया था। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सेक्टर-41ए के विकास, स्वच्छता, सुरक्षा, पार्कों के रखरखाव, नागरिक सुविधाओं में सुधार तथा स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि जल्द ही विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को साथ लेकर नई कार्यकारिणी की उप-समितियों का गठन किया जाएगा, ताकि विकास कार्यों को गति दी जा सके और निवासियों की समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नवगठित टीम क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देगी।

पार्षद बिमला दुबे के आग्रह पर अगली बार निगम हाउस में आएगा नहरी पानी का एजेंडा

चंडीगढ़। चंडीगढ़ नगर निगम की पार्षद बिमला दुबे ने महापौर सौरभ जोशी एवं निगम आयुक्त अमित कुमार के समक्ष वार्ड नं 9 (मौली जागरां, सुंदर नगर, विकास नगर और गांव दरिया) में बढ़ती पेयजल समस्या को लेकर नहर के पानी की सप्लाई शुरू करने की मांग उठाई जिसपर निगम आयुक्त व महापौर ने निगम की अगली बैठक में इस बाबत एजेंडा लाने का आश्वासन दिया। उनके मुताबिक इसके तहत 21 करोड़ रुपए की लागत से नई पाइप लाइन बिछाई जाएगी व यहां 5 नए नलकूपों को भी स्थापित किया जाएगा, जिससे हमेशा-हमेशा के लिए इस वार्ड में पेयजल की समस्या खत्म हो जाएगी। इससे पहले पार्षद बिमला दुबे ने निगम हाउस की बैठक में भी ये मुद्दा उठाते हुए कहा था कि इन इलाकों में पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ट्यूबवेलों पर निर्भर है, जबकि लगातार गिरते भूजल स्तर और बढ़ती आबादी के कारण पानी की मांग दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उनके मुताबिक वर्तमान व्यवस्था भविष्य की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम नहीं है, इसलिए इन क्षेत्रों में जल्द से जल्द कैनाल वाटर सप्लाई की व्यवस्था की जाए। पार्षद बिमला दुबे व उनके पति एवं पूर्व पार्षद तथा डिप्टी मेयर अनिल दुबे ने निगम आयुक्त अमित कुमार व महापौर सौरभ जोशी का इस कार्य के लिए उनका तहे-दिल से धन्यवाद किया।